THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 26 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.11 2083 सोमवार, 27 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आंध्र प्रदेश में बस पलटी, शादी समारोह से लौट रहे 20 यात्री घायल

अमरावती, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के चारमाडी घाट में रविवार को निजी बस के पलटने से 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। सभी यात्री आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे और धर्मस्थल में एक शादी में शामिल होकर लौट रहे थे।

गंभीर रूप से घायलों को वेनलॉक जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल अन्य लोगों का इलाज नजदीकी निजी अस्पतालों में किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

वॉशिंगटन में डिनर के दौरान फायरिंग

ट्रम्प को सुरक्षित निकाला

चश्मदीद बोले- 7 राउंड फायरिंग हुई, गेस्ट टेबल के नीचे छिपे, हमलावर पकड़ा गया

वॉशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी।

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन :

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

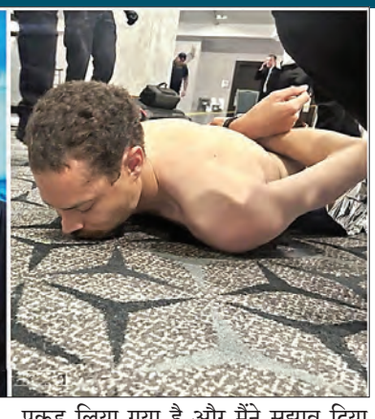

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा।

ट्रम्प बोले- आज की शाम काफी हलचल भरी रही :

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, वॉशिंगटन में आज की शाम काफी हलचल भरी रही। सीक्रेट सर्विस और लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों ने शानदार काम किया। उन्होंने तेजी से कार्रवाई की। हमलावर को पकड़ लिया गया है और मैंने सुझाव दिया है कि कार्यक्रम जारी रखें।

पीएम मोदी बोले- लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं :

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राहत जताई कि राष्ट्रपति ट्रम्प, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत सब सुरक्षित है। उन्होंने आगे लिखा, लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।

हमलवार ने कमला हैरिस को दिया था 25 डॉलर का चंदा :

फेडरल इलेक्शन कमीशन (एफईसी) के रिकॉर्ड के मुताबिक, एलन ने अक्टूबर 2024 में कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को 25 डॉलर का चंदा दिया था। लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, उसने 2017 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया था। इसके बाद कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की। पब्लिक रिकॉर्ड्स के मुताबिक, वह पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था।

चश्मदीद बोले- तेज धमाके की आवाज सुनी, मेजों के नीचे दुबके रहे :

सूत्रों ने बताया, वॉशिंगटन के हिल्टन होटल के बैंक्वेट हॉल में अफरा-तफरी मच गई। मैंने सबसे पहले एक तेज आवाज सुनी। मुझे लगा कि शायद बर्तनों के गिरने की आवाज थी। लेकिन कुछ ही सेकेंड में मैंने देखा कि वेटर अपनी ट्रे लेकर अंदर भाग रहे थे और सुरक्षित जगह ढूंढ रहे थे। तभी मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। टेबल पर बैठे लोग नीचे छिप गए।

जब मुझे लगा कि अब उठना सुरक्षित है, तो मैंने देखा कि सुरक्षाकर्मी लंबी बंदूकें लिए मंच पर खड़े थे। अमेरिकी राष्ट्रपति को बाहर ले जाया जा चुका था। स्कॉट बेसेंट, काश पटेल, पीट हेगसेथ, विटकॉफ समेत उनके सभी कैबिनेट सदस्यों को एक-एक करके बाहर ले जाया गया। कार्यक्रम जल्द ही फिर से शुरू होने वाला है, यही घोषणा की गई है।

सीएनएन की व्हाइट हाउस चीफ कॉरस्पॉन्डेंट कैटलिन कोलिंस ने बताया, हम हिल्टन के बॉलरूम के अंदर थे। गोलियों की आवाज सुनाई देने के कुछ ही मिनटों के अंदर एजेंटों ने कमरे को घेर लिया और मुख्य गलियारे से दौड़ते हुए अंदर आए। क्योंकि कैबिनेट के अधिकारी पूरे कमरे में अलग-अलग जगहों पर बैठे थे, इसलिए उनमें से कई लोग जमीन पर ही लेटे रहे और जब राष्ट्रपति को मंच से बाहर निकाला जा रहा था, तब तक वे मेजों के नीचे दुबके रहे।

ईरानी विदेश मंत्री फिर पाकिस्तान पहुंचे

दो दिन में दूसरा दौरा, कल पाक पीएम और आर्मी चीफ से मिले बातचीत की शर्तें सौंपी थी

तेहरान, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान के लिए रवाना हो गए हैं। दो दिन में यह उनका दूसरा दौरा है। इस दौरान वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। इस्लामाबाद में थोड़ी देर रुकने के बाद अराघची रूस के लिए रवाना हो जाएंगे।

इससे पहले उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान की शर्तें और अमेरिका की मांगों पर अपनी आपत्तियां पाकिस्तान को सौंपी थीं।

ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका से सीधे बातचीत नहीं करेगा और अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही पहुंचाएगा। अराघची शनिवार शाम ओमान के लिए रवाना हो गए थे। उन्होंने आज ओमान सुल्तान तारिक बिन हैथम से मुलाकात की। इस दौरान जंग और शांति बहाली की कोशिशों पर चर्चा हुई।

'सीएम और कांग्रेस हाईकमान का फैसला मानूंगा' : शिवकुमार

बेंगलूरू, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच रविवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस के शीर्ष कमान के किसी भी फैसले को मानेंगे।

दिल्ली से लौटने के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि पार्टी सही समय पर सही फैसला लेगी।

चार मई के बाद राज्य का नेतृत्व बदलने की अटकलें :

शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पार्टी और सियासी हलकों में अटकलें हैं कि चार मई के बाद राज्य का नेतृत्व बदल सकता है और कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। उसी दिन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के

नतीजे भी सामने आएंगे। साथ ही कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

समय आने पर पता चल जाएगा :

शिवकुमार से जब दिल्ली दौरे के दौरान पार्टी शीर्ष कमान से बातचीत के बारे में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं मीडिया के सामने राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करूंगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि समय आने पर आपको पता चल जाएगा। इसलिए मैं अभी कुछ नहीं बताऊंगा।

कांग्रेस के भीतर समस्या नहीं :

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के भीतर कोई समस्या नहीं है, जो पहले तय किया गया है, वही होगा। वरिष्ठ मंत्री सतीष जरखोली के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है। शीर्ष कमान को करना है, वह सही समय पर करेगा। कोई समस्या नहीं है। हमें अपनी पार्टी पर भरोसा है। पार्टी को जो करना होगा, वो करेगी।

शीर्ष कमान के फैसले को मानेंगे :

सरकार के तीन साल पूरे होने और नेतृत्व बदलने के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मैंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की है। मुख्यमंत्री और मैंने, दोनों ने कहा है कि शीर्ष कमान जब और जो फैसला करेगा, हम उसे मानेंगे। 15 मई को अपने जन्मदिन पर 'अच्छी खबर' के सवाल पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर नेतृत्व को लेकर खींचतान की चर्चा तेज हो गई है। 20 नवंबर 2025 को सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया था।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

अग्रिम जमानत भले खारिज करें, पर सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं अदालतें

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे।

झारखंड से जुड़ा है मामला :

यह पूरा मामला झारखंड हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश से उपजा था। हाई कोर्ट ने भूमि विवाद से संबंधित एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका खारिज करने के साथ ही हाई कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह निचली अदालत के सामने आत्मसमर्पण करे और नियमित जमानत के लिए आवेदन करे।

रिपोर्ट के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचाना, 420-धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471-जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं।

झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था अग्रिम जमानत याचिका :

झारखंड हाईकोर्ट ने आरोपी की दूसरी अग्रिम जमानत याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि मामले में कोई नई परिस्थितियां सामने नहीं आई हैं।

पवन खेड़ा ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से अपील की है। इससे पहले गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामला असम सीएम सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। खेड़ा ने यह आरोप 5 अप्रैल को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए थे। इसके बाद असम सीएम की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी। कांग्रेस नेता ने एफआईआर के खिलाफ तेलंगाना हाईकोर्ट में ट्रांजिट जमानत की अपील की थी। बाद में खेड़ा सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचे थे, लेकिन अदालत ने कहा था कि आप (खेड़ा) गुवाहाटी हाईकोर्ट में अपील करें।

जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान : मोदी

अब तक 1 करोड़ 20 लाख घरों की लिस्टिंग हुई

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित **'मन की बात'** के 133वें एपिसोड में जनगणना का जिक्र किया। पीएम ने कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है।

ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। पीएम ने कहा- जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है।

आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के

आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती।

आज भी मई महीने की शुरूआत एक पावन अवसर के साथ होने जा रही है। कुछ ही दिनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे। मैं आप सभी देशवासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। भगवान गौतम बुद्ध का जीवन संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरू होती है, उन्होंने बताया है कि स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।

कच्छ के रण में बरसात खत्म होते ही यहां की धरती जीवंत हो जाती है। हर साल लाखों फ्लेमिंगो यहां आते हैं। पूरा इलाका गुलाबी रंग से रंग जाता है, इसलिए इसे 'फ्लेमिंगो सीटी' कहा जाता है। ये पक्षी यहीं घोसलें बनाते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। कच्छ के लोग इन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहते हैं। अब लाखा जी के ये बाराती कच्छ में पर्यावरण संरक्षण के बड़े सुंदर प्रतीक बन गए हैं।

आज पवन-शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। भारत ने हाल ही में पवन-ऊर्जा यानि विंड एनर्जी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत का विंड एनर्जी जनरेशन कैपेसिटी 56 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है। पिछले एक साल में ही करीब 6 गीगावॉट नई क्षमता जुड़ी है। विंड एनर्जी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भी हमारी तरफ देख रही है।

भारत के विकास के लिए पवन ऊर्जा जरूरी :

गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान देश के अनेक राज्य इस सेक्टर में अपना परचम लहरा रहे हैं। गुजरात के कच्छ, पाटन, बनासकांठा जैसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ रेगिस्तान नजर आता था। आज वहां बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क बन रहे हैं।

नीता अंबानी के 101 कैरेट डायमंड का हैदराबाद कनेक्शन?

300 साल पुरानी निजामी विरासत से जुड़ा है

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। नीता अंबानी ने टिम 100 गाला 2026 के स्टेज पर भारतीय विरासत की जड़ों की खूबसूरती के साथ फ्लॉन्ट किया। जहां न सिर्फ उनका बनारसी साड़ी में देसी ग्रेस साफ झलक रहा था, बल्कि उनका लग्जरी हार भारतीय शिल्प, इतिहास और हाई-फैशन का अनोखा संगम बनकर उभरा। खासतौर पर इसमें जड़ा बेशकीमती 101 कैरेट का पीयर शेप डायमंड सबका ध्यान अपनी ओर खींच ले गया। जिसका कनेक्शन हैदराबाद की निजामी विरासत से है।

यही वजह है कि उनका यह लुक सिर्फ स्टाइल नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट बन गया। जिसका हर एक एलिमेंट चाहे साड़ी हो, जूलरी या ओवरऑल स्टाइलिंग, अपनी अलग कहानी कह गया, लेकिन साथ मिलकर इसने एक रॉयल और रिफाइंड अपील क्रिएट की। इस लुक के जरिए नीता ने इंडियन हैंडलूम और पारंपरिक कला की खूबसूरती को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर बेहतरीन तरीके से शोकेस किया।

नीता ने इवेंट के लिए स्वदेश की हैंडवोवन बनारसी साड़ी पहनी, जो इंडियन टेक्सटाइल की रिच हेरिटेज को दर्शाती है। साड़ी का टेक्सचर और बुनाई इसे क्लासिक और टाइमलेस अपील देता है। जहां सेक्विन सितारों से हाइलाइट होते सुनहरे जरी बॉर्डर के साथ ब्लैक बेस वाली साड़ी पर बने पिंक, ऑरेंज और ग्रीन पेस्टल शेड्स फ्लावर बेहद सुंदर लगे।

साड़ी को कतन सिल्क में कड़वा तकनीक के साथ उस्ताद कारीगर रहीम और गुलजार ने तैयार किया। जिस तकनीक में साड़ी पर हर एक डिजाइन (बूटा/मोटिफ) अलग-अलग हाथ से बुना गया न कि पूरी साड़ी पर एक साथ। यानी हर मोटिफ को अलग से जोड़कर तैयार किया, जिससे डिजाइन उभरा हुआ और शार्प नजर आता है, जो यहां भी दिख रहा है। ऐसे में मिसेज अंबानी की बनारसी साड़ी को बनाने में पांच महीने का समय लगा।

साड़ी को कॉम्प्लिमेंट करने के लिए नीता ने फेमस डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के हैंडक्राफ्टेड ब्लाउज को पहना। जिसमें कंटेम्पररी एक्सप्रेशन और हेरिटेज डिटेल का खूबसूरत संगम देखने को मिला। इसमें जियोमेट्रिक ट्वीड इंस्पायर्ड टेक्सचर को हैंडक्राफ्ट के जरिए नए अंदाज में पेश किया गया है। बॉर्डर पर नाजुक काले फूलों की कढ़ाई की गई, जो पूरे लुक में सॉफ्टनेस और एलिगेंस का टच लाती है और यह साड़ी के साथ परफेक्ट लगा।

हालांकि, नीता के साड़ी लुक का सबसे बड़ा हाइलाइट उनका 101 कैरेट का पिंकिश- ब्राउन ओल्ड माइन रोज-कट पियर शेप डायमंड बना, जो निजामी विरासत से जुड़ा है और अब उनके पर्सनल कलेक्शन का हिस्सा है। इसका वार्म, अर्थी टोन एंटीक ग्रैंड्योर का एहसास देता है। रोज-कट होने की वजह से इसमें एक सॉफ्ट, इनर ग्लो नजर आता है, जो इसे बाकी डायमंड्स से अलग और बेहद खास बनाता है। जिसे छह लेयर्स वाले बसरा पर्ल्स के साथ डिजाइन किया गया, जो भी रेयर होते हैं और अपनी शाइन के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जूलरी में रॉयल और हेरिटेज का फील और बढ़ गया।इस यूनिक 101 कैरेट पिंकिश- ब्राउन डायमंड का कनेक्शन हैदराबाद के निजामों की विरासत (1724-1948) से जुड़ा बताया जाता है, जो सबसे समृद्ध और जूलरी प्रेमी शासकों में शामिल थे। यह उस विरासत का हिस्सा है, जिसके 7वें निजाम मीर उस्मान अली खान को दुनिया के सबसे अमीर शासकों में गिना जाता था और वह मशहूर जेकब डायमंड जैसे अनमोल रत्न को पेपरवेट की तरह इस्तेमाल करते थे। ऐसे में उनके पास कई रेयर डायमंड थे, जिनमें से एक यह डायमंड है।

>14

टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुलाया : पीएम

माटी सिंडिकेट के हवाले और बंगाल के मानुष पलायन को मजबूर

कोलकाता, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के लिए सभी राजनीतिक दल प्रचार में जुटे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने आज राज्य बनगांव में एक जनसभा को संबोधित किया है।

पीएम मोदी ने इस दौरान राज्य की सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने आगे कहा, बंगाल का ये चुनाव अब अंतिम चरण में है, लेकिन आपने एक बात नोटिस की होगी, 15 साल पहले टीएमसी मां, माटी, मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब इनके मुंह से मां, माटी, मानुष ये शब्द तक नहीं निकलते। आखिर क्यों? क्या कारण है? ये टीएमसी वाले अगर मां, माटी, मानुष की याद दिलाएंगे तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट और घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया।

आप हमें वोट दिजिए, हम आपको टीएमसी से आजादी दिलाएंगे

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि बंगाल के पास सब कुछ है। बंगाल के लोगों के पास सामर्थ्य भरपूर है, इसलिए बंगाल फिर से देश का नंबर वन राज्य बन सकता है। हमें बस नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान को याद रखना है।

नेताजी ने कहा था, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी के इस आह्वान पर देशवासियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज बंगाल को आपके एक वोट की जरूरत है। आप हमें अपना आशीर्वाद दीजिए, अपना वोट दीजिए, हम आपको टीएमसी से आजादी दिलाएंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, आजादी, टीएमसी के महाजंगलराज से, आजादी, टीएमसी के भय से, आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से, आजादी, बेटियों पर अत्याचार से, आजादी, बेकारी और बेरोजगारी से, आजादी, लुटती भर्ती परीक्षाओं से, आजादी, घुसपैठियों के कब्जे से, आजादी, गुंडों और मस्तानों से।

>14

भवानीगढ़ में पथराव के बाद पुलिस का एक्शन तेज, 10 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में

संगरूर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के भवानीगढ़ इलाके में कुछ शरारती तत्वों ने कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश की और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तुरंत सख्त रुख अपनाते हुए 10 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया। वहीं, अन्य को पकड़ने के लिए पुलिस विभिन्न जगहों पर रेड कर रही है। दरअसल भवानीगढ़-संगरूर बठिंडा चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर ट्रक ऑपरेटरों ने अपनी मांगों को लेकर चक्का जाम कर दिया था। एसएसपी सरताज सिंह चहल ने बताया कि घटना के दौरान कुछ लोगों ने आम जनता और पुलिस पर पथराव किया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस पूरे मामले को बेहद गंभीर मानते हुए तुरंत थाना भवानीगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है, जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आती हैं। आरोपियों पर राष्ट्रीय राजमार्ग एक्ट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

'बंगाल में टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है',

ममता सरकार पर भड़के राहुल गांधी, कहा- हम झुकेंगे नहीं

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी के सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र नहीं, बल्कि टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद निंदनीय है।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बंगाल में वोट के बाद विरोधी आवाजों को डराना, मारना और मिटाना टीएमसी का चरित्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी है और न

ही कभी टिकेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने भी अपने कई कार्यकर्ता खोए हैं, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही पार्टी की विरासत है और यही उसका संकल्प भी है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कांग्रेस के कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की चुनाव बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई हत्या बेहद निंदनीय है। शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। पश्चिम बंगाल में आज लोकतंत्र नहीं, टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है। वोट के बाद विरोधी आवाज़ों को डराना, मारना, मिटाना - यही टीएमसी का चरित्र बन चुका है। उन्होंने आगे लिखा, कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी, और न कभी टिकेगी।

हमने भी अपने कार्यकर्ता खोए हैं, फिर भी हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है, यही हमारा संकल्प। कांग्रेस ने अपने पोस्ट में ममता सरकार से दोषियों की गिरफ्तारी मांग करते हुए लिखा, मांग स्पष्ट है - सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो, कठोरतम सज़ा मिले, और देबदीप के परिवार को पूर्ण सुरक्षा व मुआवज़ा सुनिश्चित किया जाए। भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली इस राजनीति के सामने हम झुकेंगे नहीं। न्याय होकर रहेगा।

भारत की अहिंसक परंपरा पर चोट

उन्होंने मांग की कि इस मामले में सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो, उन्हें कठोरतम सजा दी जाए और मृतक कार्यकर्ता के परिवार को पूरी सुरक्षा तथा उचित मुआवजा दिया जाए। राहुल गांधी ने अपने बयान के अंत में कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली इस राजनीति के सामने कांग्रेस झुकेगी नहीं। उन्होंने भरोसा जताया कि पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आसनसोल में कांग्रेस समर्थक देबदीप चटर्जी की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की थी, जिसपर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रिएक्ट किया। देबदीप चटर्जी आसनसोल उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार श्री प्रसेनजीत पुइतांडी के साथ काम करते थे।

पुलिस ने चोरी का मामला सुलझाया आरोपी गिरफ्तार और सामान बरामद

जम्मू, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू जिले के दोमाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए करीब 1.5 लाख की चोरी की संपत्ति बरामद की है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोमाना थाने में दर्ज चोरी के एक मामले की जांच चल रही थी। इसी दौरान विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित रमण नंदन, पुत्र प्रीतम लाल, निवासी अकालपुर, जम्मू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने चार पानी उठाने वाले मोटर पंप, एक एक्साइड बैटरी और करीब 10 किलोग्राम तांबे की तार बरामद की।

बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 1.5 लाख आंकी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहा है या नहीं। इस बात से इनकार नहीं किया जा रहा है कि आरोपित खेतों या निर्माणाधीन घरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करता हो।

मात्र 299 रुपये के ड्रेस के चक्कर में नर्स ने गंवाए 1 लाख

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के एक प्राइवेट अस्पताल में काम करनेवाले नर्स को ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर साइबर ठगों ने अपना शिकार बनाया है, जिसमें महिला ने कुल 1 लाख रुपये गंवा दिए। देवनार पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, यह धोखाधड़ी 16 अप्रैल से 20 अप्रैल के बीच हुई, जब पीड़िता ने फेसबुक पर महज 299 रुपये में ड्रेस मिलने का एक आकर्षक विज्ञापन देखा। ड्रेस खरीदने की प्रक्रिया के दौरान ठगों ने नर्स से संपर्क किया और शुरुआत में केवल ड्रेस की कीमत मांगी, लेकिन बाद में विभिन्न शुल्कों के नाम पर पैसे ऐंठना शुरू कर दिया। पुलिस शिकायत के मुताबिक, जालसाजों ने शिपिंग चार्ज, जीपीएस शुल्क, ट्रैकिंग फीस, वेरिफिकेशन कोड और एड्रेस कन्फर्मेशन जैसे अलग-अलग बहाने बनाकर पांच दिनों के भीतर कुल 1 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

सीएम रेखा गुप्ता का बयान

'समय के साथ सभी को आती है समझदारी', आप नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर की टिप्पणी

कटड़ा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि समय के साथ सभी को समझदारी आती है। वह आम आदमी पार्टी (आप) के कई विधायकों और सांसदों के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर पत्रकारों से बात कर रही थीं। रेखा गुप्ता ने कटड़ा में माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में कहा कि देशहित में सभी को एक साथ आना चाहिए ताकि नागरिक मिलकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकें।

उन्होंने कहा कि यही सही दिशा है और इसी से देश आगे बढ़ेगा। हाल ही में आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा समय के साथ सभी को समझदारी आती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति की कामना भी की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता रानी का आशीर्वाद हमेशा सभी पर बना रहे और राज्य में शांति, सुरक्षा और समृद्धि बनी रहे।

तेज रफ्तार कार ने दो मजदूरों को कुचला; मौके पर मौत

सोनीपत, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में एक दर्दनाक हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश के रहने वाले कुछ श्रमिक बोलोरो गाड़ी में बैठकर पंजाब की ओर जा रहे थे, एनएच-44 पर मुरथल फ्लाईओवर के पास उनकी गाड़ी खराब हो गई। जानकारी के अनुसार, बोलेरो का चालक श्रमिकों को मौके पर छोड़कर मैकेनिक लेने के लिए चला गया। श्रमिकों को प्यास लगने पर उनमें से एक पुरुष एक महिला हाईवे पार करके पानी लेने के लिए जा रहे थे, तभी पानीपत की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने दोनों को कुचल दिया, दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में ज्ञानचंद पुत्र प्रेमपाल, बरेली उत्तर प्रदेश और रामलल्ली, पत्नी नंदलाल, अलीपुर, बरेली की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचित किया।

ट्रंप के कार्यक्रम में शूटिंग पर प्रियंका चतुर्वेदी का पहला रिएक्शन, अमेरिका को बताया 'नरक' जैसा देश

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के बीच कई बार गोलियां चलीं जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात नियंत्रण में हैं और किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। शूटर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बीच महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिका पर तंज कसा है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों के डिनर के बीच फायरिंग की खबर सामने आते ही प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर अमेरिका को 'नरक' जैसा देश बताया और वहां लगातार होने वाली शूटिंग की वारदातों पर चिंता व्यक्त की। प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा, अमेरिका में बंदूकों की समस्या गंभीर है, जिस पर हर साल बंदूक से जुड़ी हर घटना के बाद चर्चा होती है। इस समस्या से निपटने के मामले में यह देश एक 'नरक' जैसा है। इसने स्कूली बच्चों, निर्दोष अमेरिकियों की जान ली है और महत्वपूर्ण राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाया है। अब इस चुनौती का सामना करने का समय आ गया है।

'पहले इस्तीफा दीजिए

फिर जहां जाना है जाइए', आप के बागी सांसदों को संजय सिंह का साफ संदेश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और पार्टी के सीनियर नेता संजय सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी से बगावत करने वाले 7 राज्यसभा सांसदों को साफ संदेश दिया कि आप जिस दल से चुने गए है अगर आपको उससे मतभेद है तो आप इस्तीफा दीजिये और जहां जाना जाइए। संजय सिंह ने कहा कि कई संविधान के जानकारों ने यह साफ कर दिया है कि आम आदमी पार्टी के जिन 7 सांसदों ने बीजेपी में जाने का ऐलान किया है, उन सबकी सदस्यता खत्म होगी। हमने कपिल सिब्बल और सभी जानकारों की राय लेकर देश के उपराष्ट्रपति को एक पीटीशन भेजी है।

हमने उसे अनुरोध किया है कि सभापति जी इन सबकी सदयस्ता को ख़त्म करें और जल्दी से जल्दी इस पर फैसला लें। संजय सिंह ने आगे कहा कि इन सभी ने पार्टी से तो धोखा किया है पंजाब के लोगों से भी धोखा किया है । उन्होंने कहा-'आप जिस दल से चुने गए है अगर आपको उससे मतभेद है तो आप इस्तीफा दीजिये और जहां जाना जाइए।

बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले ईडी सक्रिय, कई जगहों पर छापामारी

कोलकाता, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजधानी कोलकाता में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने रविवार सुबह शहर के दो अलग-अलग इलाकों आनंदपुर और अलीपुर में दो बड़े व्यवसायियों के आवास और दफ्तरों पर छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई कुख्यात 'सोनू पप्पू' मामले से जुड़ी बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमें सुबह-सुबह सुरक्षा बलों के साथ महानगर के आनंदपुर स्थित कारोबारी कल्याण शुक्ला के आवास और अलीपुर में व्यवसायी संजय कानोरिया के ठिकानों पर पहुंची। ईडी अधिकारी दोनों स्थान प/ दस्तावेज खंगाल रहे हैं। इस छापेमारी के पीछे का सबसे बड़ा लिंक हाल ही में गिरफ्तार किए गए व्यवसायी जय कामदार को माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि जय कामदार के मोबाइल फोन से मिले वाट्सएप चैट के जरिए कई संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का खुलासा हुआ है। इसी चैट में कल्याण शुक्ला और संजय कानोरिया के नामों का जिक्र मिलने के बाद ईडी ने यह कदम उठाया है।

भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष समेत 5 नामजद, राहुल-अखिलेश का पुतला फूंकने व बिना अनुमति जनसभा की थी

कौशांबी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने को लेकर रास्ताजाम कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला दहन करना भाजपा नेताओं को महंगा पड़ गया। पुलिस ने बिना अनुमति जनसभा करने व पुतला दहन करने को गंभीरता से लेते हुए इस मामले में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष समेत पांच को नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में दारोगा की तहरीर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नीतू कनौजिया और महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपा श्रीवास्तव सहित अजय शुक्ल, प्रदीप और अंजनी के खिलाफ मुकदमा कायम किया है।

वहीं कई अज्ञात पर भी केस दर्ज किया गया। कड़ाधाम थाने के देवीगंज चौकी प्रभारी रवि मौर्य ने पुलिस को दी तहरीर के हवाले से बताया कि 25 अप्रैल को देवीगंज चौराहे पर बिना अनुमति प्रदर्शन कर पुतला दहन और सड़क जाम किया गया था। इससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और आगजनी की आशंका पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस संबंध में सीओ सिराथू सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि मुकदमा कायम कर लिया गया है।

मराठी भाषा विवाद में 11 एमएनएस नेता गिरफ्तार

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच एक अहम कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के 11 नेताओं को गिरफ्तार किया है। जिन्हें अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तारी के बाद अब इस पूरे मामले पर कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इस बीच, आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहीं अधिवक्ता मंजुला बिस्वास ने आईएएएनएस से बातचीत में कहा कि अभी तक अदालत में कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की सुनवाई दोपहर के बाद निर्धारित है और उसी दौरान जमानत याचिका पर विस्तार से पक्ष रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार, फिलहाल वे सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुई हैं और अदालत में अपनी बात सुनवाई के समय ही

रखेंगी। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि चूंकि अदालत ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, इसलिए अब आगे की चर्चा और बहस जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान ही होगी। इस दौरान बचाव पक्ष अपनी दलीलें पेश करेगा और अदालत से राहत की मांग करेगा। गौरतलब है कि मराठी भाषा से जुड़े इस विवाद ने मुंबई में राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। पुलिस की कार्रवाई और नेताओं की गिरफ्तारी के बाद इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। अब सभी की नजरें अदालत की सुनवाई पर टिकी हैं,

अतिक्रमण विवाद पर गरमाई जलगांव की सियासत, एनसीपी नेता के आरोप पर मेयर दीपमाला काले का पलटवार

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव में अतिक्रमण पर राष्ट्र वादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता प्रतिभा शिंदे और भारतीय जनता पार्टी नेता व महापौर दीपमाला काले के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। महापौर दीपमाला काले ने एनसीपी नेता प्रतिभा शिंदे के आरोपों पर पलटवार किया है। अतिक्रमण के आरोपों पर महापौर दीपमाला काले ने खुलकर बयान दिया है। एनसीपी नेता प्रतिभा शिंदे के आरोपों पर बीजेपी महापौर दीपमाला काले ने कहा, प्रतिभा शिंदे ने जो कहा है, वह यह है कि होटल उनके पति के नाम पर है।

सबसे पहले, मैं प्रतिभा शिंदे को स्पष्ट करना चाहूंगी कि होटल मेरे नाम पर है, मेरे पति के नाम पर नहीं। होटल मेरे नाम पर पंजीकृत है, लेकिन यह कोई अवैध अतिक्रमण नहीं है। बीजेपी महापौर दीपमाला काले ने आगे कहा कि, जैसा कि उन्होंने (एनसीपी नेता प्रतिभा

शिंदे) कहा है, यह आयुक्त की कार्रवाई है। आयुक्त को उचित कार्रवाई करनी चाहिए। क्या यह वास्तव में अतिक्रमण है? और यदि है, तो उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।।। फिलहाल में अतिक्रमण के आरोप का यह मामला सुर्खियों में बना हुआ है। गौरतलब है कि एनसीपी नेता प्रतिभा शिंदे की तरफ से बीजेपी नेता व महापौर दीपमाला काले पर कथित अवैध अतिक्रमण आरोप लगाते हुए उनके होटल पर कार्रवाई की मांग की है।

महबूबा मुफ्ती ने सरकार पर बोला हमला

कश्मीर में युवाओं को पीएसए के तहत हिरासत में लेने पर उठाए सवाल

श्रीनगर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने उत्तरी कश्मीर के छह युवाओं को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत बंदी बनाए जाने की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अब लोग किसी बात पर एतराज व्यक्त नहीं कर सकते, अगर करते हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला यह सब चुपचाप देखते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पीडीपी जम्मू-कश्मीर में इस घुटन वाले माहौल को समाप्त करने और जम्मू-कश्मीर की जनता को उसका हक व सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। अनंतनाग में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को

संबोधित करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वर्ष 2016 में पीडीपी ने अपने शासनकाल में 12 हजार युवाओं को पीएसए हटाया था। उन्होंने कहा कि यहां आज किसी को बोलने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि सोपोर में गत दिनों एक छात्र के साथ अध्यापक द्वारा कथित दुर्व्यवहार को लेकर स्थानीय युवाओं ने प्रदर्शन किया और उनमें से छह युवाओं को पीएसए क तहत बंद कर दिया गया। यह कहां का इंसाफ है। आज कश्मीर के सैंकड़ों युवा जेलों में बंद हैं। उन्होंने कहा कि पीडीपी ने सत्ता में रहते हुए कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली के लिए कई ठोस कदम उठाए। क्रास एलओसी ट्रेड और बस सेवा शुरू कराई, लोगों को हीलिंग टच के जरिए एक नई उम्मीद दी।

डीआईजी भुल्लर प्रकरण

चंडीगढ़ को बनाया 'रिश्वत का अड्डा', सीनियर अफसर और बिचौलियों की थी साठगांठ, सीबीआई जांच में खुलासा

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े रिश्वत मामले में सीबीआई को कई अहम जानकारियां मिली हैं। सीबीआई को जांच के दौरान पता चला है कि पूर्व डीआईजी ने अपने बिचौलियों और पंजाब के सीनियर अधिकारियों का एक संगठित नेटवर्क बना रखा था। रिश्वत के इस नेटवर्क की ज्यादातर बैठकें चंडीगढ़ में होती थी। चंडीगढ़ को इन्होंने रिश्वत के लेनदेन, सौदेबाजी और रकम की डिलीवरी के लिए सेफ प्लेस चुना हुआ था। चंडीगढ़ को रिश्वत का अड्डा बनाया हुआ था। चंडीगढ़ में कई ठिकानों पर गुप्त बैठकें होती थीं जिनमें पंजाब के कई सीनियर अधिकारी और निजी व्यक्ति भी शामिल होते थे।

सीबीआई ने अब पंजाब के अज्ञात अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ प्रीलिमिनरी इंक्वायरी (पीई) दर्ज कर ली है। पीई की जांच में अगर अफसरों की भूमिका की पुष्टि हुई तो उनके खिलाफ सीबीआई एफआईआर भी दर्ज कर सकती है। सीबीआई ने इन अफसरों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं, लेकिन जांच में पता चला है कि डीआईजी भुल्लर अपने बिचौलियों की मदद के जरिए निजी व्यक्तियों के सरकारी काम करवाते थे। जिसके बदले में सरकारी अधिकारियों तक रिश्वत की मोटी रकम पहुंचाई जाती थी।

सीबीआई ने पिछले साल भुल्लर और उनके बिचौलिए नाभा निवासी कृष्णु शारदा को गिरफ्तार किया था। उस केस में सीबीआई ने भुल्लर के घर से कुछ मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त किए थे। इसके अलावा कृष्णु के घर से ग्रे रंग की एक डायरी भी मिली थी। इस डायरी और मोबाइल-लैपटॉप में कई ऐसे राज हैं, जिनके सामने आने पर कई बड़े अधिकारी फंस सकते हैं। सीबीआई ने भुल्लर गिरफ्तारी के वक्त मोबाइल-लैपटॉप और डायरी को सील कर दिया था।

शिक्षा पर विवाद के बीच सकीना इत्तू का जवाब

मैं सिर्फ 12वीं पास नहीं, कुछ कारणों से एमबीबीएस की पढ़ाई छोड़नी पड़ी

श्रीनगर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने पीडीपी विधायक वहीद पर्रा की ओर से उनकी शैक्षणिक योग्यता पर की गई टिप्पणी का जवाब दिया है। इत्तू ने कहा कि उन्होंने 10प्लस2 तक पढ़ाई करने के बाद एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू की थी, लेकिन कुछ व्यक्तिगत कारणों से इसे पूरा नहीं कर सकीं। हाल ही में पर्रा ने इत्तू को 12वीं पास मंत्री कहकर आलोचना की थी जिसके बाद यह विवाद खड़ा हो गया। बारामुला के गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन में आयोजित एक कार्यक्रम में इत्तू ने अपनी शैक्षणिक पृष्ठभूमि का खुलासा करते हुए कहा, हां, मैंने 10प्लस2 किया है। इसके बाद मैंने एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू की थी, लेकिन कुछ कारणों से इसे बीच में छोड़ना पड़ा। उन्होंने राजनीति में आने की योजना नहीं बनाई थी। मेरे पिता के निधन के बाद मुझे कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और इस कारण मुझे सार्वजनिक जीवन की ओर कदम बढ़ाना पड़ा।

360 डिग्री निगरानी में अपराधी

डीआईजी ने बढ़ाई चौकसी, सुरक्षा मजबूत करने के दिए निर्देश

कठुआ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने सतर्कता बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। जम्मू, सांबा, कठुआ रेंज के डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और उच्च स्तर की सतर्कता बेहद जरूरी है ताकि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों की किसी भी साजिश को नाकाम किया जा सके। डीआईजी ने कठुआ के जिला पुलिस लाइन में आयोजित सुरक्षा और अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सख्त चौकसी बरतने, नियमित चेकिंग, गश्त बढ़ाने और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीमा पर मजबूत सुरक्षा ग्रिड सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था और अपराध की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस दौरान दर्ज मामलों की जांच की स्थिति और उनके निपटारे की समीक्षा की गई। डीआईजी ने लंबित मामलों को जल्द पूरा करने और नए आपराधिक कानूनों के तहत समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को त्वरित न्याय मिल सके। इसके अलावा, फरार अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों और गैंगस्टरों पर कड़ी नजर रखने के लिए 360 डिग्री निगरानी के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने संगठित अपराध पर सख्ती से लगाम लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। डीआईजी ने 'नशा मुक्त अभियान' की भी समीक्षा करते हुए नशा तस्करों और सप्लायर्स के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए, ताकि इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 3

सुविचार: आप जो करते है उसका असर पूरा दुनिया पर होता है और जो पूरी दुनिया करती है उसका असर आप पर होता है!

बीसी महिलाओं को सौ प्रतिशत सब्सिडी पर सिलाई मशीनें

हर विधानसभा में 1000 लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य की बीसी (पिछड़ा वर्ग) महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कुशल बीसी महिलाओं को टेलरिंग आधारित स्वरोजगार उपलब्ध कराने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें सफल उद्यमी बनाने के उद्देश्य से ऑटोमेटिक सिलाई मशीनें वितरित करने के आदेश जारी किए हैं। सरकार के निर्णय के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 1000 महिलाओं को 100 प्रतिशत सब्सिडी पर सिलाई मशीनें प्रदान की जाएंगी। इस योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगी। योजना के क्रियान्वयन को लेकर बीसी कल्याण विभाग की सचिव बालमयादेवी, बीसी कॉर्पोरेशन के एमडी मल्लैया बट्टू सहित अन्य अधिकारियों के साथ मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने समीक्षा बैठक की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि जल्द ही इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी और जिला कलेक्टरों की देखरेख में लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक विधानसभा में 1000 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिससे वे स्वरोजगार के जरिए अपनी आय बढ़ा सकेंगी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। साथ ही, विभाग द्वारा स्किल डेवलपमेंट और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए भी योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

बिजली का झटका लगने से युवक की मौत

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बंजारा हिल्स स्थित एक कार सर्विसिंग और वाशिंग सेंटर में बिजली का झटका लगने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद अजीमुद्दीन के रूप में हुई है, जो बंडलागुडा के घोसनगर का निवासी था और बंजारा हिल्स के एक सर्विसिंग सेंटर में काम करता था।

पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम वह इलेक्ट्रिक प्रेशर वॉशर से कार धो रहा था, तभी अचानक उसे करंट लग गया और वह गिर पड़ा। घटना के बाद उसके साथियों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुटखा और नशीले पदार्थ जानलेवा, जागरूकता के लिए मैराथन जरूरी : श्रीधर बाबू

ओरल कैंसर जागरूकता मैराथन में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार नशीले पदार्थों के सेवन और उनकी अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई कर रही है। यह बात आईटी मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कही। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसी बुरी आदतों से दूर रहकर स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें।

रविवार को रायदुर्गम स्थित सत्त्व नॉलेज पार्क में ग्लोबल ओरल कैंसर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित ओरल कैंसर जागरूकता मैराथन में भाग लेते हुए मंत्री ने 10के दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं और युवाओं को योग तथा नियमित व्यायाम अपनाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि गुटखा और पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों के कारण बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं और समाज में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में शुरू हुए जागरूकता अभियानों का भी उल्लेख किया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने भी एक दौड़ को हरी झंडी दिखाई, जबकि पूर्व बीसी आयोग अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने 2के दौड़ का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष लाखों लोग ओरल कैंसर के कारण जान गंवाते हैं और नशीले पदार्थों से दूर रहना बेहद जरूरी है। ग्लोबल ओरल कैंसर ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ.के. दिलीप कुमार ने बताया कि इस मैराथन का उद्देश्य लोगों में ओरल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि शुरूआती अवस्था में बीमारी का पता चलने पर इसका इलाज संभव है, इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. नागा दीपिका, डॉ. सौम्या, डॉ. विनुथ्ना और डॉ. चंद्रकांत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मैराथन में शहर के आईटी प्रोफेशनल्स, डॉक्टर, युवा और विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए, वहीं महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

युवक की पिटाई का आरोप, पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में देर रात घूम रहे युवाओं के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस की कथित मनमानी का मामला सामने आया है। मुशीराबाद के भोलापुर निवासी 22 वर्षीय शेख आसिफ को एक पुलिसकर्मी द्वारा पीटे जाने का आरोप लगाया गया है। परिजनों के अनुसार, शेख आसिफ शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे काम से घर लौटने के बाद खाने का सामान लेने बाहर गया था। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी ने उसका पीछा किया। आरोप है कि पुलिसकर्मी से बचने के लिए आसिफ ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मी ने गलियों में उसका पीछा कर उसे फाइबर की छड़ी से बेरहमी से पीटा। बताया गया कि गिरने के बाद भी उसे कई बार मारा गया। परिवार का कहना है कि घटना के बाद पुलिसकर्मी उसे घायल अवस्था में सड़क पर छोड़कर चला गया। बाद में आसिफ को गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। परिजनों ने आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि हाल ही में टोलीचौकी क्षेत्र में भी एक पुलिसकर्मी द्वारा होटल कर्मचारी की पिटाई का मामला सामने आया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

हर परिवार की समृद्धि सरकार का लक्ष्य : कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि सरकार वासावी माता के आशीर्वाद से प्रत्येक परिवार की समृद्धि और खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। रविवार को नालगोंडा कस्बे के बीट मार्केट स्थित रामाकोटी स्तूप मंदिर और गांधी पार्क में आयोजित वासावी माता जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए मंत्री ने कहा कि जन सरकार के गठन के बाद यह जयंती का पहला आधिकारिक आयोजन है, जो विशेष महत्व रखता है। उन्होंने बताया कि बसारा और कालेश्वरम मंदिरों के साथ ही गोदावरी पुष्करम के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि रामाकोटी मंदिर के लिए 120 वर्ग गज भूमि और विस्तार के लिए अतिरिक्त 120 वर्ग गज भूमि उपलब्ध कराई गई है, जिसमें ध्वजस्तंभ की व्यवस्था भी शामिल है।

मंदिर के सामने फल बाजार स्थापित करने का वादा भी पूरा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के रामलयम में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और अगले वर्ष उत्तरद्वार दर्शन तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान मंत्री ने गांधी पार्क में आयोजित कुमकुम अर्चना और अभिषेक कार्यक्रम में भाग लेकर विशेष पूजा-अर्चना की। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गांधी पार्क स्थित भवन के पुनर्निर्माण के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि डीएमएचओ कार्यालय के स्थानांतरण के बाद सड़क संबंधी समस्याएं भी दूर हो जाएंगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि रामलयम, अंजनेय स्वामी मंदिर और ब्रह्मंगारी गुट्टा स्थित शिव मंदिर के विकास कार्य 100 करोड़ रुपये की लागत से दो महीने के भीतर पूरे किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि प्रकाशम बाजार के विकास के लिए भी कदम उठाए जा चुके हैं और आगे भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि सरकार सेवा, समर्पण और विकास के माध्यम से शहर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

'इंदिरम्मा आवास' गृहप्रवेश समारोह, सांसद ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव विधानसभा क्षेत्र में नवनिर्मित 'इंदिरम्म आवास' के तहत गृहप्रवेश कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भुवनगिरि के सांसद किरण कुमार रेड्डी ने भाग लिया और लाभार्थियों के साथ सामूहिक गृहप्रवेश कराकर घरों का उद्घाटन किया। सांसद ने जनगांव शहर के 21वें वार्ड के साथ-साथ कुटिगल गांव और रेड्ड्या नायक तांडा का दौरा किया। यहां पूर्ण हुए मकानों का फीता काटकर उद्घाटन किया गया और लाभार्थियों को सम्मान स्वरूप वस्त्र भेंट किए गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गरीबों के अपने घर का सपना साकार करना ही सरकार का प्रमुख लक्ष्य है और सभी पात्र लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में जनगाम नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कडाकंची बालमणि श्रीनिवास, पार्षदगण अंडालू, भरद्वाज, अनिता आदि उपस्थित रहे।

बड़ी बाटा/हॉस्टल बाटा विशेष नामांकन अभियान का 7वां दिन सफलतापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जनता शासन-प्रगति योजना के 99 दिवसीय कार्यक्रम के तहत आयोजित कल्याण सप्ताह के अंतर्गत बड़ी बाटा/हॉस्टल बाटा विशेष नामांकन अभियान का 7वां दिन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य के सभी एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावासों एवं आश्रम विद्यालयों में चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रावासों और आश्रम स्कूलों में मौजूद सभी रिक्त सीटों की पहचान कर उन्हें भरना तथा यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र छात्र प्रवेश से वंचित न रहे। कार्यक्रम के तहत सभी संस्थानों द्वारा रिक्तियों का विस्तृत आकलन किया गया।

चिन्हित सीटों को भरने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। छात्रों के नामांकन को बढ़ाने और अधिक से अधिक सीटें भरने के लिए व्यापक प्रयास किए गए। अभियान के दौरान अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार किया गया। प्रवेश को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुख लोगों को भी इसमें शामिल किया गया, जिससे योग्य परिवारों तक पहुंच मजबूत हो सके।

सभी कल्याण छात्रावासों और आश्रम विद्यालयों में प्रवेश संख्या बढ़ाने तथा आवासीय क्षमता (ऑक्यूपेंसी) को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। यह कार्यक्रम समाज के सक्रिय सहयोग और कल्याण विभाग, एबीसीडीओएस, एससी/एसटी/बीसी/अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारियों एएससीडीओ, एएसडब्ल्यूओ, एटीडब्ल्यूओ तथा हॉस्टल कल्याण अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निगरानी में संचालित किया गया। अभियान का 7वां दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें रिक्त सीटों को भरने और सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रावास एवं आश्रम विद्यालयों की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए गए।

ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत परिषद ने रविवार को हैदराबाद के रवींद्र भारती में वार्षिक ओलंपियाड पुरस्कार समारोह-2026 का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा, अंतरराष्ट्रीय साइबर ओलंपियाड, अंग्रेजी, गणित और सामान्य ज्ञान ओलंपियाड के टॉप छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भाजपा सांसद ईटाला राजेंद्र मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ साइएंट कंपनी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. बीवीआर मोहन रेड्डी, एएससीआई के बोर्ड सलाहकार श्रीनिवास राव और आदित्य विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.एन. शेषा रेड्डी भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ईटेला राजेंद्र ने ओलंपियाड में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एकीकृत परिषद के सीईओ श्रीनिवास कल्लड़ी ने बताया कि परिषद पिछले 28 वर्षों से छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक मूल्यांकन तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य छात्रों की बुनियादी समझ को मजबूत करना और उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करना है। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा तैयार किए गए मूल्यांकन रटने की बजाय अवधारणात्मक स्पष्टता, अनुप्रयोग कौशल और समस्या समाधान क्षमता पर आधारित होते हैं। विस्तृत प्रदर्शन रिपोर्ट के माध्यम से छात्रों और स्कूलों को अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधार करने में मदद मिलती है।

कल्लड़ी ने कहा कि एकीकृत परिषद भारत का पहला आईएसओ 9001 प्रमाणित शैक्षिक परीक्षण संगठन है और देश में सबसे बड़े स्तर पर ओलंपियाड परीक्षाएं आयोजित करता है। उन्होंने जानकारी दी कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 1 से 10 तक के 10 लाख से अधिक छात्रों ने परिषद के ओलंपियाड में भाग लिया, जिसमें 30 से अधिक देशों के छात्र शामिल रहे, जो इसकी वैश्विक पहचान को दर्शाता है। समारोह में देशभर के 250 शीर्ष स्थान प्राप्त छात्रों को स्वर्ण पदक, लैपटॉप, टैबलेट और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

एआई से सार्वजनिक शिक्षा को खतरा, सतर्क रहने की जरूरत : गुरुस्वामी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अर्थशास्त्री और नीति विश्लेषक मोहन गुरुस्वामी ने चेतावनी दी है कि बिना रणनीतिक सतर्कता के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकें सार्वजनिक शिक्षा क्षेत्र को कमजोर कर सकती हैं। उन्होंने यह बात उस्मानिया विश्वविद्यालय के 109वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कही। गुरुस्वामी ने कहा कि भले ही सार्वजनिक संस्थान बुनियादी ढांचे के मामले में निजी संस्थानों से पीछे हों, लेकिन गुणवत्ता में उन्हें कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने निजी संस्थानों में उभर रहे सामाजिक अभिजात वर्ग पर चिंता जताते हुए कहा कि वहां अक्सर धन को योग्यता से अधिक महत्व दिया जाता है, जो वास्तविक प्रतिभा के साथ अन्याय है। उन्होंने नीति निर्माताओं से शिक्षा प्रणाली में सुधार कर योग्यता को प्राथमिकता देने की अपील की।

इस अवसर पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति नागेश भीमापका ने कहा कि उच्च शिक्षा ही सामाजिक बुराइयों और व्यवस्थागत चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्रों से व्यापक अध्ययन और गहन ज्ञान के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगाराम ने कहा कि ओयू ने एक सदी से अधिक समय तक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और भविष्य में भी छात्रों को सशक्त बनाता रहेगा। कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के सलाहकार डॉ.के. केशवा राव और सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मामूली विवाद में तलवार से हमला, दो गंभीर घायल

संगारेड्डी, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के आरसी पुरम स्थित तहसीलदार कार्यालय के पास शनिवार रात मामूली विवाद के चलते एक व्यक्ति ने तलवार से हमला कर दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, अंबेडकर कॉलोनी निवासी जीवरात्नाम (35) एक करी पॉइंट पर पहुंचा, जिसे उदय (27) और अजय (19) चलाते हैं। आरोपी ने 10 रुपये में करी का पैकेट देने की मांग की, लेकिन मना करने पर विवाद शुरू हो गया। कुछ देर बाद आरोपी तलवार लेकर वापस लौटा और दुकान में घुसकर दोनों भाइयों पर अंधाधुंध हमला कर दिया। बताया गया कि उसने दुकान का शटर बंद कर दिया, जिससे अंदर मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। करीब दस मिनट तक वह गाली-गलौज करते हुए हमला करता रहा।

हमले में उदय और अजय के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जबकि तीन अन्य कर्मचारियों को भी मामूली चोटें आई हैं। मौके पर पहुंचे कुछ लोगों ने शटर खोलकर आरोपी को बाहर निकाला। घटना पूरी तरह दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। अमीनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है।

एमएलएम धोखाधड़ी में हरियाणा का व्यक्ति गिरफ्तार, 3 करोड़ रुपये फ्रीज

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) धोखाधड़ी के मामले में हैदराबाद पुलिस ने हरियाणा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से एक मर्सिडीज बेंज कार जब्त की है। साथ ही आरोपी और कंपनी के विभिन्न खातों में जमा करीब 3 करोड़ रुपये भी फ्रीज कर दिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरीश कुमार सिंगला (61) के रूप में हुई है, जो गुरुग्राम का निवासी है और फॉरएवर लिविंग इम्पोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में कंट्री सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एमएलएम के जरिए लोगों को भारी कमीशन का लालच देकर करीब 600 करोड़ रुपये की ठगी की। उसने विभिन्न योजनाएं शुरू कर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर लगभग एक लाख लोगों को कंपनी से जोड़ा और उनसे पैसे वसूले। हैदराबाद पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि इस धोखाधड़ी के शिकार हैदराबाद, भूपालपल्ली, वारंगल और जनगांव सहित कई स्थानों के लोग हैं। इससे पहले मीरचौक पुलिस ने मोहम्मद अकरम, मोहम्मद नौमान रजा और मोहम्मद असलम को गिरफ्तार किया था, जो आरोपी के स्थानीय एजेंट के रूप में काम कर रहे थे और करमंघाट में 'अचीवर्स क्लब' नाम से कार्यालय संचालित कर रहे थे। जांच में सामने आया कि 18 से 24 वर्ष के युवाओं को 30,000 रुपये का सदस्यता शुल्क जमा कराकर कंपनी से जोड़ा जाता था और फिर उन्हें अन्य लोगों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। कई पीड़ितों ने ऋण लेकर यह राशि जमा की थी। पुलिस ने बताया कि करमंघाट में एक कॉल सेंटर भी संचालित किया जा रहा था, जहां से लोगों को फोन कर इस योजना में शामिल होने के लिए प्रलोभन दिया जाता था। इस मामले में शहर में तीन केस दर्ज किए गए हैं और जांच जारी है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री के काफिले के कारण यातायात रोकने पर लोगों में नाराजगी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुप्पलगुड्डा आउटर रिंग रोड टोल गेट पर रविवार सुबह उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब ए. रेवंत रेड्डी के काफिले के गुजरने के लिए यातायात को काफी देर तक रोक दिया गया। बताया गया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान यातायात पुलिस ने 'ग्रीन चैनल' बनाकर व्यस्त मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से बंद कर दी थी। लंबे समय तक जाम में फंसे वाहन चालकों का धैर्य टूट गया और उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से सवाल-जवाब शुरू कर दिया। कई लोगों ने इस घटना के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए, जिनमें वाहन चालक पुलिस से बहस करते नजर आए।

कुछ वीडियो में लोग वीआईपी मूवमेंट के विरोध में लगातार हॉर्न बजाते हुए भी दिखाई दिए। वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के काफिले के लिए लगभग एक घंटे तक यातायात रोकना आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना। कुछ लोग अपने वाहनों से उतरकर पुलिसकर्मियों से इस मुद्दे पर बहस करते भी नजर आए। घटना के दौरान लोगों ने वीआईपी संस्कृति को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि इससे आम जनता को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इंजेक्शन से लगाया जाने वाला 'मिनी लिवर' विकसित

लिवर फेलियर के इलाज में नई उम्मीद

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंतिम चरण के लिवर फेलियर के इलाज में नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण खोज में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के इंजीनियरों ने इंजेक्शन से शरीर में डाले जाने वाले 'मिनी लिवर' विकसित किए हैं। 'सैटेलाइट लिवर' के रूप में जाने जाने वाले ये कृत्रिम ऊतक शरीर में इस तरह इंजेक्ट किए जाते हैं कि वे खराब हो रहे लिवर के कार्यों को सहारा दे सकें, बिना किसी बड़ी प्रत्यारोपण सर्जरी के। यह अध्ययन 'सेल बायोमटेरियल्स' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, जो भारत सहित उन हजारों मरीजों के लिए उम्मीद लेकर आया है, जो अंग प्रत्यारोपण के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची में हैं या सर्जरी कराने की स्थिति में नहीं हैं। लिवर कोशिका प्रत्यारोपण में सबसे बड़ी चुनौती कोशिकाओं का जीवित रहना रही है, क्योंकि इंजेक्शन के बाद उन्हें पर्याप्त रक्त आपूर्ति नहीं मिल पाती और वे नष्ट हो जाती हैं। शोधकर्ताओं ने मानव लिवर कोशिकाओं को विशेष हाइड्रोजेल माइक्रोस्फीयर में स्थापित कर इस समस्या का समाधान किया है।

ये सूक्ष्म कण सिरिंज से डालने पर तरल की तरह व्यवहार करते हैं, लेकिन शरीर के अंदर पहुंचते ही ठोस संरचना में बदल जाते हैं और कोशिकाओं को सहारा देते हैं। साथ ही, ये शरीर में नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देते हैं, जिससे कुछ ही दिनों में यह 'मिनी लिवर' रक्त परिसंचरण से जुड़कर काम करने लगता है। पशु परीक्षणों में यह तकनीक दो महीने से अधिक समय तक सफलतापूर्वक कार्य करती रही और आवश्यक प्रोटीन व एंजाइम बनाती रही। खास बात यह है कि इन्हें मूल लिवर के पास लगाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पेट के वसा ऊतक में भी ये प्रभावी रूप से कार्य कर सकते हैं।

हालांकि वर्तमान तकनीक में प्रतिरक्षा दमनकारी दवाओं की जरूरत होती है, लेकिन शोधकर्ता इस दिशा में भी काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अंगों की कमी से जूझ रहे देशों में यह तकनीक मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा साबित हो सकती है, जिससे उन्हें दाता अंग मिलने तक जीवन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

कल पीएम नरेन्द्र मोदी संग पहली बार काशी आ रहे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

चल रही हैं आमगन की तैयारियां

वाराणसी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अप्रैल को काशी का दौरा करेंगे। इस दौरान बरेका मैदान में एक महिला रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में प्रधानमंत्री के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित रहेंगे। नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका काशी का पहला दौरा है, जिससे कार्यक्रम को विशेष महत्व दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल होंगे।

इसके अतिरिक्त, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन के अन्य पदाधिकारी और कई मंत्री भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। पार्टी इस आयोजन की तैयारी में जुटी हुई है। चर्चा है कि प्रधानमंत्री जनसभा के बाद बरेका में संगठन और जनप्रतिनिधियों के साथ

बैठक कर सकते हैं। मोदी के काशी प्रवास के माध्यम से भाजपा महिला आरक्षण को लेकर देशभर में एक महत्वपूर्ण संदेश देने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अप्रैल को श्रीशिवप्रसाद गुप्त राजकीय चिकित्सालय परिसर में मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शिलान्यास भी करेंगे। प्रशासन ने इस परियोजना के लिए अंतिम सूची को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में 318 बेड वाले इस अस्पताल को पूरी तरह से ध्वस्त कर 500 बेड का आधुनिक मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाएगा। यह महत्वाकांक्षी परियोजना केंद्र और प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 315.48 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जाएगी।

लोक निर्माण विभाग इस निर्माण कार्य को ईपीसी मोड पर करेगा। महिलाओं ने स्कूटी रैली निकालकर मोदी के भव्य स्वागत का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को हक और बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पास नहीं होने से आक्रोशित महिलाओं ने शनिवार को स्कूटी रैली निकाली। बड़ी संख्या में महिलाएं सिगरा स्थित तिलक प्रतिमा के पास एकत्रित हुईं। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भावना सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली आइपी माल से आजाद पार्क लहुराबीर तक गई। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर स्टांप राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल ने महावीर मंदिर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कूड़े को इकट्ठा कर हटाया। इस दौरान उन्होंने बताया कि महावीर मंदिर-टकटकपुर-बसहीं रोड की योजना बन गई है, जिससे सड़क चौड़ीकरण, पाथवे और नाली का निर्माण किया जाएगा। इससे जाम से राहत मिलेगी। कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति के बाद प्रशासन ने प्रधानमंत्री के दौरे में शिलान्यास की योजना बना ली है। तीन फेज में कार्य पूरा करने का लक्ष्य 48 माह रखा गया है। -डा बृजेश कुमार, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, मंडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा।

सम्राट के सीएम बनते ही एक्शन में पुलिस, इनामी टिंकू यादव को किया ढेर

नवादा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। नवादा जिले के रोह थाना क्षेत्र में पुलिस और एक इनामी बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस टीम पर फायरिंग करने के बाद जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूचना मिली थी कि वांछित अपराधी टिंकू यादव क्षेत्र में किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है।

इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से दबोच लिया और तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर नरक में धकेल रहे मानव तस्कर

पटना, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाकों में सक्रिय मानव तस्करों के एजेंटों की नजर उन युवतियों के इर्द-गिर्द घूम रही है, जो मामूली विवाद, घरेलू कलह या किसी अन्य कारण से जिंदगी संवारने की उम्मीद से घर की दहलीज पार कर रही है। ये उन्हें हमदर्दी दिखाते हुए उसे नौकरी और बेहतर जिंदगी गुजारने का सपना दिखाकर अंधेरी गलियों में धकेल दे रहे। पुनपुन थाना क्षेत्र में एक ऐसी ही घटना सामने आई है।

करीब ढाई माह पूर्व ससुराल में किसी बात से नाराज होकर महिला मायके के लिए निकली, लेकिन वह पटना जंक्शन के पास एक महिला के झांसे में फंस गई। महिला उसे पश्चिम बंगाल लेकर पहुंच गई और वह तस्करों के चंगुल में आ गई। स्वजनों ने 28 मार्च को पुनपुन थाने में लिखित शिकायत की। गुमशुदगी का केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई।

शौच करने गई ननद-भाभी के साथ गैंगरेप, 2 आरोपी गिरफ्तार

गोपालगंज, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की रात शौच करने गई ननद भौजाई से छह युवकों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैला दी है। वही पुलिस मामले की जांच करने के साथ ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, घर से शौच के लिए निकली ननद-भौजाई के साथ कुछ बदमाशों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद दोनों पीड़िताएं किसी तरह अपने घर पहुंचीं।

स्वजन को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़िताओं ने इस मामले में कुल छह लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जादोपुर थाना की टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

जेडीयू ऑफिस पहुंचे नीतीश कुमार

10 मिनट तक पार्टी नेताओं ने मिले, दिए ये 5 संदेश

पटना, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार आज जेडीयू ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की और कार्यक्रम का हिस्सा बने। जेडीयू ऑफिस में भामाशाह जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री लेसी सिंह, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, रत्नेश सदा समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक, जेडीयू ऑफिस में नीतीश कुमार लगभग 10 मिनट तक रहे।

नीतीश कुमार के पार्टी ऑफिस पहुंचते ही नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान नीतीश कुमार खुद पर बने गाने पर मुस्कुराते दिखे। उन्होंने ताली भी बजाई और पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान जेडीयू ऑफिस में कार्यकर्ताओं को पंपलेट भी बांटा गया। इसमें भामाशाह का

परिचय और नीतीश कुमार के संदेश के बारे में जिक्र किया गया।

नीतीश कुमार के 5 संदेश क्या हैं?

मैं काम करता हूं, मेरा काम ही बोलता है।
राजनीति सेवा के लिए है, मेवा के लिए नहीं।
न्याय के साथ विकास यानि हर क्षेत्र और हर तबके का विकास।
आधे मन से कोई बड़ा काम नहीं होता।
बिहार को मैं उस ऊंचाई पर ले जाना चाहता हूं, जहां से चाहकर भी कोई नीचे ना ला सके।

कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने क्या कहा?

जेडीयू ऑफिस में कार्यक्रम के बाद बाहर निकलने पर डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, पार्टी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, उसी में भाग लेने नीतीश कुमार आए थे। वो पार्टी दफ्तर आते रहते हैं और कार्यकर्ताओं से मिलते रहते हैं। नीतीश कुमार सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार जेडीयू ऑफिस पहुंचे थे, जिसकी वजह से नेताओं के बीच उत्साह दिखा।

ट्रंप की मौजूदगी में फायरिंग के बीच आरजेडी की पहली प्रतिक्रिया

'यह ताज्जुब वाली बात है

पटना, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग की घटना हुई है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर अलग-अलग दल के नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया आने लगी है। बिहार से आरजेडी और कांग्रेस ने भी बयान दिया है। दोनों पार्टियों ने घटना की निंदा की है। आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने इस घटना पर रविवार (26 अप्रैल, 2026) को एबीपी न्यूज़ से कहा, लोकतंत्र में इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए। इसकी जितनी निंदा की जाए वह कम होगा। यह ताज्जुब वाली बात है कि अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश और वहां व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में फायरिंग होना, ये बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। इसकी जांच होनी चाहिए। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने साफ शब्दों में कहा कि लोकतंत्र में हिंसात्मक घटना की कोई जगह नहीं है।

आरजेडी इस घटना की निंदा करती है। इस घटना पर बिहार कांग्रेस की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि व्हाइट हाउस की घटना कहीं से भी जायज नहीं है। विचारों का जवाब विचारों से देना चाहिए। असहमति का जवाब असहमति से होना चाहिए, लेकिन हिंसात्मक घटना कहीं से भी उचित नहीं है। लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं है।

निशा विश्वकर्मा हत्याकांड

योगी ने ओपी राजभर को पीड़ित परिजनों के पास भेजा 5 लाख और डेढ बीघा जमीन के पट्टे दिए

गाजीपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजीपुर के कटरिया गांव में हुई निशा विश्वकर्मा की मौत का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब इसको लेकर सियासत भी खूब हो रही है। इसी बीच सीएम योगी के निर्देश पर मंत्री ओपी राजभर गाजीपुर में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। ओपी राजभर ने पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये और डेढ़ बीघा जमीन के पट्टे के कागजात सौंपे। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजा गया पत्र भी परिजनों को सौंपा गया। पीड़ित परिवार से ओम प्रकाश राजभर ने मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात की। ओपी राजभर ने सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सपा जाति के आधार पर राजनीति कर रही है। इस दौरान ओपी राजभर ने कौशाम्बी रेप केस का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव पर भी सवाल उठाए। इसी के साथ फतेहपुर की घटना को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। ओपी राजभर ने तंज कसते हुए कहा, खाता न बही, जो अखिलेश कहें वही सही। इसी के साथ ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि बहराइच, संभल, बरेली और मुरादाबाद में दंगे की कोशिश की गई। मगर वह नाकाम रही। यहां तक की गाजीपुर में भी सपा कार्यकर्ताओं ने पथराव किया और माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। दरअसल ये पूरा मामला गाजीपुर के कटरिया गांव से सामने आया है। यहां रहने

2017 से पहले संकट में थी पुलिस

अब देश का बेहतरीन पुलिस बलः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले जो उप्र पुलिस स्वयं संकट में थी, वह अब देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में सत्ता के सामने माफिया का राज नहीं चलता। रिजर्व पुलिस लाइंस, लखनऊ में वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा, "अब प्रदेश में दंगे नहीं होते, गुंडा टैक्स और वसूली खत्म हो गई है।

अपराधियों के मन में भय है और पुलिस का मनोबल ऊंचा है।" पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, "पहले न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी। प्रदेश अस्थिरता और अराजकता का पर्याय था।

2017 से पहले जहां दंगे होते थे, आज उप्र पुलिस दंगे होने से पहले ही उन्हें रोकने में सफल है।" नए आरक्षियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, "कानून अपराधी के प्रति जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए।"

उन्होंने भरोसा जताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के साथ आरक्षी उप्र पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत परेड में शामिल महिला पुलिसकर्मियों को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा, "बेटियों ने मजबूती, तत्परता और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण पूरा किया, यह सराहनीय है।" योगी ने बताया कि 15 जून 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 60 हजार से अधिक आरक्षियों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे। 21 जुलाई 2025 से प्रशिक्षण शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि पहले पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता मात्र 3000 थी, लेकिन अब एक साथ 60 हजार से अधिक आरक्षियों को प्रदेश में ही प्रशिक्षित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में दो लाख 18 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती और एक लाख से अधिक को प्रोन्नति दी गई है। उप्र पुलिस का बजट 2017 की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। सात पुलिस आयुक्तालय स्थापित किए गए।

महिला को घर से खींच ले गया तेंदुआ:आधी गर्दन खाई 50 मीटर दूर मिला शव

लखीमपुर खीरी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। तेंदुए ने महिला को मार डाला। महिला घर के बाहर चारपाई पर सो रही थी, तभी तेंदुए ने हमला कर दिया। महिला की गर्दन को अपने जबड़े में दबोचकर भागने लगा। महिला की चीख सुनकर पति और ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर पीछा किया, लेकिन तेंदुआ महिला को लेकर भाग निकला। आधे घंटे बाद महिला का शव घर से 50 मीटर दूर खेत में मिला। तेंदुआ महिला की गर्दन बुरी तरह खा चुका था।

घटना के बाद गुस्साए परिजन शव रखकर धरने पर बैठ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने कोशिश की तो परिजनों ने हंगामा कर दिया। कहा- जब तक तेंदुए को पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगे। हालांकि, बाद में अफसरों ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। पूरा मामला सिंगाही थाना क्षेत्र का है।

होटल में देह व्यापार का खुलासा

युवकों संग पकड़ीं गई लड़कियां, पुलिस ने छह को गिरफ्तार किया

मथुरा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र में हाईवे स्थित एक होटल पर पुलिस ने आज छापेमारी कर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। देर शाम तक पुलिस मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई में जुटी रही। कोतवाली क्षेत्र के हाईवे स्थित आरएस होटल में पुलिस को लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद सीओ सिटी आईपीएस ने गोपनीय सूचना के आधार पर टीम गठित कर शनिवार शाम करीब चार बजे छापा मारा। छापेमारी के दौरान होटल के कमरों से आपत्तिजनक स्थिति में तीन महिलाओं के साथ तीन युवक मिले। इन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने मौके से कई संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद की हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस देह व्यापार के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सके। कोतवाल विनोद बाबू मिश्र ने बताया कि तीन महिलाओं समेत तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। बताते चलें कि पिछले वर्ष भी पुलिस ने कोतवाली और हाईवे थाना क्षेत्र के होटल, गेस्ट हाउस और स्पा सेंटर से देह व्यापार का भंडाफोड़ किया था।

बाल विवाह की साजिश पर पुलिस ने की कार्रवाई

दो नाबालिग लड़कियां बचाई गईं

सोनभद्र, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में दो किशोरियों का बाल विवाह करने की साजिश पर कार्रवाई के बाद उनको बचाने में सफलता मिली है। जिले में बाल विवाह कराने की दो कोशिशों को समय रहते नाकाम कर दिया गया। थाना रायपुर और दुद्धी क्षेत्र से सूचना मिलने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों स्थानों पर रेस्क्यू टीम भेजी। जांच के दौरान परिजन बालिकाओं की उम्र संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद टीम ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बाल कल्याण समिति के आदेश पर बालिकाओं को बाल गृह भेजा गया है। कार्रवाई के बाद दोनों बालिकाओं को संरक्षण में लेते हुए संबंधित थानों में जीडी दर्ज कराई गई।

पति की डिमांड पर भड़क गई पत्नी लात मारकर कर दी पति की हत्या

बेतिया, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। लौरिया के गोबरौरा बंगाली कालोनी में पारिवारिक विवाद में पत्नी ने पति की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि पति अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने उसके अंडकोष पर पैर से जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान मटियरिया बंगाली कॉलोनी निवासी अमुल चंद्र नमोदास के 35 वर्षीय पुत्र अमित कुमार नमोदास के रूप में हुई है। उसकी शादी लगभग नौ वर्ष पूर्व बगहा पुलिस जिला के सेमरा कॉलोनी में नीलम देवी के साथ हुई थी। दंपती को एक सात वर्षीय पुत्र और एक चार वर्षीय पुत्री हैं। परिजनों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। तीन-चार महीने पहले भी दोनों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें पत्नी के मायके वालों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया था। बताया जा रहा है कि मृतक की आंखों की रोशनी भी कमजोर थी और करीब तीन महीने पहले उसका हार्निया का ऑपरेशन हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद लौरिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

सीतापुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जनपद के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। सीतापुर-गोला मार्ग पर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार मां, बेटे और उनकी मामी को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार तीनों लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामकोट थाना क्षेत्र के ग्राम अरथाना निवासी हिमांशु पांडेय (25) अपनी मां रेखा पांडेय (50) और मामी सुनीता (45) पत्नी जयशंकर बाजपेई के साथ बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। रविवार सुबह जैसे ही उनकी बाइक कोतवाली देहात के कचनार चौकी क्षेत्र अंतर्गत ककरहा के पास अंगरासी मोड़ पर पहुंची, तभी सीतापुर से गोला की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

एक साथ नजर आए बृजभूषण शरण सिंह और धनंजय सिंह

सपा, कांग्रेस की बढ़ाएंगे टेंशन! पूर्वांचल के नए सियासी तूफान की सुगबुगाहट?

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन पूर्वांचल में राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की बढ़ती नजदीकियों ने प्रदेश की सियासत में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। दोनों नेताओं का एक साथ दिखना संभावित नए राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा माना जा रहा है। हाल ही में रितेश्वर महाराज के सोशल मीडिया हैंडल से कुछ तस्वीरें और एक वीडियो सामने आए, जिनमें बृजभूषण शरण सिंह और धनंजय सिंह एक साथ नजर आए। दोनों नेताओं ने गुरुदेव से आशीर्वाद लिया और इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। इस मुलाकात को सिर्फ धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। खास बात यह है कि दोनों नेता पहले भी बिहार में एक मंच साझा कर चुके हैं, जिससे इस मुलाकात को और ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

पूर्वांचल की राजनीति में बृजभूषण शरण सिंह और धनंजय सिंह दोनों का अलग-अलग प्रभाव माना जाता है। बृजभूषण शरण सिंह लंबे समय से बीजेपी के मजबूत और मुखर चेहरों में गिने जाते हैं। कई जिलों में उनका प्रभाव और संगठनात्मक पकड़ मजबूत मानी जाती है। धनंजय सिंह भी पूर्वांचल की राजनीति में प्रभावशाली भूमिका रखते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने बीजेपी को समर्थन देकर अपने राजनीतिक रुख को लेकर भी संदेश दिया था।

दोनों नेताओं की बढ़ती नजदीकियों को लेकर अटकलें तेज हैं कि 2027 के चुनाव से पहले कोई नया राजनीतिक तालमेल आकार ले सकता है। माना जा रहा है कि अगर दोनों नेता संयुक्त रणनीति के तहत सक्रिय होते हैं तो पूर्वांचल की कई सीटों पर चुनावी असर देखने को मिल सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह समीकरण सिर्फ व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय राजनीति और चुनावी रणनीतियों पर भी पड़ सकता है। इस मुलाकात को बीजेपी के भीतर भी शक्ति संतुलन के नजरिये से देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बृजभूषण और धनंजय का तालमेल पार्टी के भीतर उनके कद को और मजबूत कर सकता है। साथ ही स्थानीय स्तर पर उनकी संयुक्त सक्रियता नए राजनीतिक संदेश भी दे सकती है।

प्रदेश की सभी प्रमुख पार्टियां 2027 के लिए जमीन तैयार करने में जुटी हैं। ऐसे में इस तरह की मुलाकातें सिर्फ औपचारिक नहीं मानी जा रहीं, बल्कि इन्हें आने वाले चुनावी समीकरणों की शुरुआती चाल के तौर पर देखा जा रहा है। पूर्वांचल की राजनीति में यह नई नजदीकी किस रूप में सामने आती है, इस पर अब राजनीतिक गलियारों की नजरें टिकी हैं।

अगर यह तालमेल आगे राजनीतिक रूप लेता है तो अन्य दलों (सपा, कांग्रेस, बसपा) के लिए चुनौती बढ़ सकती है। पूर्वांचल में जातीय और क्षेत्रीय प्रभाव के लिहाज से यह समीकरण चुनावी गणित बदलने की क्षमता रखता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ आशीर्वाद लेने की मुलाकात थी या फिर इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है। फिलहाल इस मुलाकात ने पूर्वांचल की राजनीति में नई चर्चा जरूर छेड़ दी है, और आने वाले समय में यह 'पावर गेम' किस दिशा में जाता है, इस पर सबकी नजर बनी हुई है।

भीषण गर्मी का कहर जारी 42 डिग्री पार तापमान

मेरठ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर है, जिसके चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मोदीपुरम सहित कई इलाकों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है, और तेज धूप व लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। रविवार सुबह से ही तीखी धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया, वहीं दोपहर में चलने वाली गर्म हवाएं (लू) हालात को और गंभीर बना रही हैं।

गर्मी के इस प्रचंड रूप के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग आवश्यकता होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। बाजारों में भी भीड़ कम दिखाई दे रही है। जो लोग बाहर निकल रहे हैं, वे सिर ढंककर और पानी की बोतल साथ लेकर चलते हुए देखे जा सकते हैं।

करोड़ों की खरीद, गंभीर धाराएं, दस्तावेज जब्त

फिर भी पद पर डीईओ, क्यों नहीं हुई कार्रवाई?

सिंगरौली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शिक्षा विभाग से जुड़ा एक बड़ा और गंभीर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। लोकायुक्त संगठन, रीवा संभाग ने करोड़ों रुपये की कथित अनियमितताओं को लेकर जिला प्रभारी शिक्षा अधिकारी सहित कई अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हैरानी की बात यह है कि इतना गंभीर प्रकरण दर्ज होने, दस्तावेज जब्त होने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कठोर धाराएं लगने के बावजूद अब तक किसी भी वरिष्ठ अधिकारी पर प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई है।

आरोपी अधिकारी आज भी अपने-अपने पदों पर बने हुए हैं, जिससे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह पूरा मामला चितरंगी निवासी संतोष कुमार की शिकायत से शुरू हुआ।

उन्होंने लोकायुक्त कार्यालय में आवेदन देकर आरोप लगाया कि जिला शिक्षा अधिकारी सूर्यभान सिंह ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को दरकिनार कर बड़ी रकम की खरीदारी करवाई। शिकायत में कहा गया कि न तो तय प्रक्रिया का पालन किया गया और न ही सही तरीके से निविदाएं आमंत्रित की गईं। प्रारंभिक जांच में शिकायत को गंभीर पाते हुए लोकायुक्त ने अपराध क्रमांक 43/2026 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

जांच के दौरान शिक्षा विभाग की कई खरीद प्रक्रियाएं शक के घेरे में आईं। दस्तावेजों के अनुसार 558 शालाओं के लिए स्वच्छता और कीटाणुशोधन सामग्री की खरीद करीब 97 लाख 67 हजार 790 रुपये में की गई। इसके अलावा 19 स्कूलों में वर्चुअल रियलिटी लैब स्थापित करने के नाम पर लगभग 468 करोड़ 16 लाख रुपये खर्च किए गए।

वहीं 61 विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था, उपकरण और सामान्य मरम्मत सामग्री की खरीदी पर करीब 305 लाख रुपये खर्च किए जाने के दस्तावेज भी सामने आए। इन सभी मामलों में नियमों की अनदेखी और भारी वित्तीय गड़बड़ी की आशंका जताई गई है।

लोकायुक्त की प्राथमिक जांच में सिर्फ जिला शिक्षा अधिकारी ही नहीं, बल्कि विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। प्रकरण में जिला प्रभारी शिक्षा अधिकारी सूर्यभान सिंह, सहायक संचालक शिक्षा राजधर साकेत, जिला परियोजना समन्वयक रामलखन शुक्ल और सहायक परियोजना समन्वयक (वित्त) छविलाल सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया है।

इनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(ए), 13(2), 7(सी), 12 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5) व 61(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

'आम आदमी पार्टी का खेल अब खत्म, झूठ का घड़ा फूटा', अनिल विज ने आप पर बोला हमला

अंबाला, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़ने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के झूठ का घड़ा फूट चुका है और उनका खेल खत्म हो गया है। बातचीत के दौरान कहा कि जब से यह पार्टी बनी है, तभी से वे इसके बारे में जो बातें कह रहे थे, वे अब सही साबित हो रही हैं। आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों ने भी स्वीकार किया है कि पार्टी का सत्य और सिद्धांतों से कोई लेना-देना नहीं रहा बल्कि यह गलत और स्वार्थपूर्ण गतिविधियों में लिप्त रही है। बंगाल में भारी मतदान प्रतिशत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का परिणाम है। बड़ी संख्या में लोग घरों से निकलकर मतदान करने आए।

एमजीएल बिल अपडेट के नाम पर बड़ा साइबर फ्रॉड

100 से अधिक लोग शिकार, 2.7 करोड़ की ठगी

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां महानगर गैस लिमिटेड के बिल अपडेट के नाम पर जालसाजों ने लोगों को अपना शिकार बनाया। पिछले 30 दिनों के भीतर ठगों ने एमजीएल के ग्राहकों और नए कनेक्शन के आवेदकों से करीब 2.7 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इस पूरे गिरोह ने 177 फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल कर लगभग 31 करोड़ रुपये के लेन-देन को अंजाम दिया।

हैरानी की बात यह है कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड ही सबसे बड़ा ठग निकला, जिसने पूरे नेटवर्क को संचालित किया। साइबर अपराधियों ने लोगों को कॉल और मैसेज के जरिए बिल अपडेट या कनेक्शन बंद होने का डर दिखाकर पैसे वसूले। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। पश्चिम एशिया के संकट और एलपीजी की कमी के डर का फायदा उठाकर जालसाजों ने 100 से अधिक लोगों को अपना निशाना बनाया है। ठगों ने ग्राहकों को डराने के लिए संदेश भेजे कि यदि पिछले महीने का बिल तुरंत अपडेट नहीं किया गया, तो गैस कनेक्शन 'आज रात काट दिया जाएगा'।

जालसाजों ने लोगों को झांसा देकर उनके फोन में एक दुर्भावनापूर्ण (खतरनाक) एपीके फाइल डाउनलोड करवाई, जिससे उन्हें फोन का रिमोट एक्सेस मिल गया। इसके अलावा, इस रिमोट एक्सेस के जरिए पीड़ितों का बैंकिंग डेटा चोरी किया गया और उनके खातों से करोड़ों रुपये उड़ा लिए गए।

नया गैस कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों को भी फर्जी कॉल के जरिए निशाना बनाया गया और उन्हें धोखाधड़ी वाली ऐप लिंक भेजी गई। मुंबई में स्थिति इतनी गंभीर रही कि पिछले एक महीने के दौरान कई बार एक ही दिन में तीन-तीन लोग इस साइबर अपराध का शिकार हुए।

हैरान कर देने वाली प्रेम कहानी! 37 साल की महिला ने 22 साल के युवक से रचाई शादी

मैसूर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर की रहने वाली कविता की कहानी आजकल काफी चर्चा में है। कविता जिसकी उम्र 37 साल है, उसकी शादी 16 साल पहले उसी क्षेत्र के सुंदर (नाम बदला गया) से हुई थी और उनका 14 साल का एक बेटा भी है। करीब आठ साल पहले उनके पति राजेश की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मृत्यु हो गया था। पति को खोने के बाद कविता अपने बेटे के साथ मायके में रहकर काम करने लगीं।

इसी दौरान उसकी ज़िंदगी में एक नया मोड़ आया, जब वह हर अपने घर के पास के एक मंदिर में जाया करती थीं और वहीं कविता की मुलाकात भास्कर नाम के एक युवक से हुई थी, जिसकी उम्र करीब 22 साल है। बताया जा रहा है कि मुलाकात के दौरान दोनों की बातचीत धीरे-धीरे बढ़ी और यह बातचीत दोस्ती में बदल गई। इसके बाद दोनों अक्सर मंदिर में मिला करते और एक-दूसरे के साथ वक्त बिताते थे और देखते ही देखते यह दोस्ती में प्यार में बदल गया। कविता ने खुले तौर पर भास्कर को पहले ही अपनी शादी और एक 14 साल के बेटे के बारे में बता दी थी, यहां तक के उसने अपनी उम्र भी बता दी थी, जिसे भास्कर ने स्वीकार किया। दोनों की यह मुलाकात और प्यार करीब एक साल तक चलता रहा। इस दौरान भास्कर ने यह भी कहा कि शादी के बाद कविता और उसके बेटे की जिम्मेदारी उठाने को तैयार है और तीनों एक साथ रह सकते हैं।

इस बीच कविता के पिता मल्लिकार्जुन ने कविता की दूसरी शादी अपने एक रिश्तेदार से कराने की बात शुरू कर दी थी। पिता द्वारा तय की गई शादी से बचने के लिए कविता ने किसी को बताए बिना भास्कर से शादी करने का फैसला किया। इसके बाद वह अपने बेटे को छोड़कर भास्कर के साथ चली गई। दोनों ने रामनहल्ली क्षेत्र के एक मंदिर में जा कर शादी कर ली।

पंजाब सरकार ने हरभजन सिंह से वापस ली जेड प्लस सिक्योरिटी

जालंधर आवास से हटाए गए सभी सुरक्षाकर्मी

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब की राजनीति में उठापटक के बीच मान सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली है। रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया। इस कदम ने सियासी हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी के भीतर टूट और बगावत की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा वापस लेने का निर्णय हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर लिया गया है। इससे पहले आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की सुरक्षा में भी बदलाव किया

गया था। बाद में उन्हें केंद्र की ओर से जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिल गई थी। अब हरभजन सिंह को लेकर उठे इस कदम को उसी कड़ी में देखा जा रहा है। दरअसल, राघव चड्ढा ने दावा किया था कि आप के सात राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं, जिनमें हरभजन सिंह का नाम भी शामिल बताया गया। हालांकि, हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, आप नेतृत्व ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि केवल तीन सांसदों ने ही पार्टी छोड़ी है। इधर, पार्टी छोड़ने की खबरों के बीच आप कार्यकर्ताओं में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। जालंधर, लुधियाना और फगवाड़ा में कुछ सांसदों के आवास और संस्थानों के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए। दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए, जिससे माहौल और गरमा गया। पुलिस मौके पर मौजूद रही, लेकिन प्रदर्शन को लेकर सख्ती कम नजर आई।

राष्ट्रपति से मिलने के लिए सीएम मान ने मांगा समय

राजनीतिक तनाव के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी सक्रियता बढ़ा दी है। उन्होंने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। माना जा रहा है कि वे पार्टी बदलने वाले सांसदों के खिलाफ संवैधानिक कार्रवाई की मांग उठा सकते हैं। दूसरी ओर, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर इन सांसदों की सदस्यता रद करने की मांग करेंगे।

पूरे घटनाक्रम ने पंजाब की राजनीति को चुनावी मोड में ला दिया है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह की उठापटक को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर यह संकट गहराता है तो इसका असर पार्टी के संगठन और चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है।

आईपीएल सट्टा पकड़ाया 3 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने आईपीएल सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक फ्लैट में 9 लोग सट्टा चला रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के दौरान कार से तीन आरोपियों को पकड़ा गया। उनके पास से लाखों रुपए नकद होने की बात सामने आई है। लसूडिया क्षेत्र के गुलमोहर कॉलोनी, डी-मार्ट के पास पुलिस को सूचना मिली थी कि राजस्थान और हैदराबाद के बीच चल रहे क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाया जा रहा है। बीट के जवान नरेन्द्र, उत्कर्ष और चरण सिंह ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद सिकंदर उर्फ सनी, उसके भाई मोहम्मद सुल्तान उर्फ बॉबी और अपूर्व यादव को पकड़ा। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी "ड्रीम दिल्ली डॉट कॉम" और "एक्सच डॉट कॉम" जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टा संचालित कर रहे थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा

स्विस एयर विमान के इंजन में लगी आग, 6 यात्री घायल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर रविवार (26 अप्रैल) को एक बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस (स्विस) की फ्लाइट एलएक्स147 के टेकऑफ के दौरान खराबी आ गई, जिसके बाद इंजन में आग लग गई। हालांकि समय रहते पायलट की सूझबूझ से टेकऑफ रोक दिया गया, जिससे सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक,स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस की फ्लाइट एलएक्स147, जो दिल्ली से ज्यूरिख के लिए रवाना होने वाली थी।

फ्लाइट रनवे पर टेकऑफ की प्रक्रिया में थी। तभी विमान के एक इंजन में खराबी आई और उसमें आग लग गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलट ने तुरंत टेकऑफ को रद्द कर दिया और आपातकालीन निकासी करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि इस घटना में 6 यात्री घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना के बाद विमान में सवार सभी यात्रियों को तुरंत इमरजेंसी स्लाइड के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। एयरलाइन के अनुसार, कुछ यात्रियों को सीढ़ियों की मदद से बाहर लाया गया, क्योंकि वे स्लाइड का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन क्रू मेंबर्स ने स्थिति को संभाल लिया।

अधिकारियों ने बताया कि एयरबस ए330 विमान संख्या एलएक्स147 ने सुबह 1.08 बजे उड़ान भरना शुरू किया, तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और आग लग गई। राहत की बात यह है कि विमान के सभी क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। विमान में कुल 228 यात्री और चार बच्चे सवार थे। स्विस एयरलाइन ने आधिकारिक बयान में कहा कि फ्लाइट एलएक्स147 से जुड़ी एक घटना दिल्ली में हुई। यह विमान एयरबस ए 330 था। विमान में 228 यात्री और 4 शिशु सवार थे। एयरलाइन ने मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम बना दी है।

बयान में बताया गया कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद, रात करीब 1 बजे, विमान के एक इंजन में समस्या आ गई। इसके बाद पायलट ने सुरक्षा के तौर पर उड़ान रोक दी और विमान को खाली कराने का फैसला लिया। बयान में आगे कहा गया है किएयरलाइन की स्थानीय टीम यात्रियों की मदद कर रही है और उनके लिए नई फ्लाइट या होटल में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। सभी यात्रियों से संपर्क बनाए रखा जा रहा है। वहींयात्रियों को जल्द आगे की यात्रा के विकल्प देने की कोशिश की जा रही है। एयरलाइन ने कहा कि इस घटना की पूरी जांच की जाएगी।तकनीकी विशेषज्ञ दिल्ली आकर विमान की जांच करेंगे।

ईसीएचएस घोटाले में नया खुलासा; सीबीआई जांच में सामने आया अवैध दवाओं का कारोबार, क्लेम के लिए बड़ा खेल

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्राईसिटी (चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली) के निजी अस्पतालों में चल रहे ईसीएचएस स्कीम के तहत हुए करोड़ों रुपये के घोटाले में अब नया खुलासा हुआ है। सीबीआई जांच में सामने आया है कि यह महज फर्जी बिल बनाकर सरकार से क्लेम लेने का मामला नहीं है, बल्कि अवैध दवाओं का भी कारोबार चल रहा था। कुछ निजी अस्पताल और उनसे जुड़े लोग अज्ञात व गैर पंजिकृत निर्माताओं से दवाएं तैयार करवाते थे। इन पर कोई निगरानी नहीं होती थी। इन दवाओं को ईसीएचएस लाभार्थियों को सप्लाई किया जाता था और अस्पतालों में भी उपयोग किया गया। सीबीआई अब इस मामले से जुड़े और लोगों पर भी शिकंजा कस सकती है।

जांच में सामने आया है कि आरोपितों ने संदिग्ध दवा सप्लाई चेन बना रखी थी। सेक्टर-38 के एक अस्पताल में अवैध दवा काउंटर बनाया गया था। इस दवा काउंटर पर कुछ एक्सपायरी दवाएं भी थीं। यहां बिना बिल के दवाओं का भंडारण किया गया था। ऐसे में सीबीआइ ने इस मामले में जांच का दायरा बढ़ा दिया है। एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूट्री हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) के तहत पकड़े गए घोटाले में डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया था।

'आज के जमाने में 5 बच्चे कौन करता है,

भेड़-बकरियों की तरह पालोगे', जब महिला कलेक्टर ने अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

भोपाल, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। एक ओर जहां धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 'चार बच्चे पैदा करो' वाले बयान को लेकर देशभर में चर्चा जारी है। वहीं, दूसरी ओर मैहर कलेक्टर विदिशा मुखर्जी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे छोटे परिवार का संदेश देती नजर आ रही हैं।

दरअसल, कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने मैहर के सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जब वे मेटरनिटी वार्ड पहुंचीं, तो एक महिला द्वारा पांच बच्चों को जन्म देने की जानकारी सामने आई। यह सुनते ही कलेक्टर ने मौके पर ही महिला को समझाया।

उन्होंने कहा कि इतने अधिक बच्चों का पालन-पोषण और उनकी बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करना आसान नहीं होता। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि छोटा परिवार ही बेहतर भविष्य की नींव होता है। इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता फैलाने में कहीं न कहीं कमी रह गई है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और स्टाफ को निर्देश दिए कि वे लोगों को छोटे परिवार के फायदे, मातृ स्वास्थ्य और बच्चों की बेहतर परवरिश के बारे में जागरूक करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मचारी गांव-गांव जाकर परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करें। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान चार बच्चे पैदा करो, दो परिवार के लिए और दो स्वयं सेवक संघ के लिए दो। इसको लेकर बहस छिड़ी हुई है।

ऐसे में मैहर कलेक्टर का यह संदेश एक अलग दिशा में जाता हुआ दिखाई दे रहा है, जहां प्रशासन सीमित परिवार, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर दे रहा है। कुल मिलाकर, यह मामला अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। एक तरफ जनसंख्या को लेकर दिए जा रहे अलग-अलग बयान हैं, तो दूसरी तरफ प्रशासन का फोकस जमीनी हकीकत और आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर है।

पुलिस का सख्त कदम कस्टडी में सुसाइड रोकने के लिए आरोपी पहनेंगे खास वर्दी, ड्रेस कोड लागू

मुंबई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस ने पुलिस स्टेशनों के लॉकअप में कैदियों द्वारा आत्महत्या के मामलों को शून्य करने के लिए सख्त कदम उठाया है। पुलिस ने अब आरोपियों के लिए एक नया और अनिवार्य ड्रेस कोड लागू किया है। एंटॉप हिल पुलिस स्टेशन में हाल ही में चोरी के आरोपियों को मैरून रंग की हाफ-स्लीव टी-शर्ट और काले शॉर्ट्स में पेश किया गया, जो इस नई सुरक्षा नीति का हिस्सा है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरोपी अपने लंबे कपड़ों, जैसे शर्ट की आस्तीन या पैंट के पैरों का इस्तेमाल फंदा बनाने के लिए न कर सकें।

आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2023 के बीच महाराष्ट्र में हिरासत के दौरान हुई 54 से अधिक मौतों में से कई का कारण फांसी लगाकर आत्महत्या करना पाया गया था। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले के आरोपी अनुज थापन द्वारा क्राइम ब्रांच के लॉकअप में चादर के सहारे खुदकुशी करने जैसी घटनाओं के बाद इन सुरक्षा उपायों को और सख्त कर दिया गया है।

नाखून में फंसी चमड़ी, डीएनए और सीसीटीवी बने सबूत:29 गवाहों ने तोड़ी आरोपियों की झूठी कहानी

इंदौर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के चर्चित शिल्पू भदौरिया हत्याकांड में जिला कोर्ट के फैसले के साथ कई अहम तथ्य सामने आए हैं। इसमें पता चला कि यह मामला आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी। कोर्ट ने तीनों आरोपियों आशुतोष जोहरे, शैलेंद्र सारस्वत और नीरज दंडोतिया तीनों निवासी ग्वालियर को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है, वहीं साक्ष्य मिटाने के अपराध में 7-7 साल के अलग कारावास की भी सजा दी। घटना 7 अगस्त 2016 की है, जब होटल की चौथी मंजिल पर ठहरी शिल्पू भदौरिया का शव ग्राउंड फ्लोर पर मिला था।

शुरुआत में आरोपियों ने इसे आत्महत्या बताया, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि शिल्पू की मौत गिरने से पहले ही गला घोंटने (दम घुटने) से हो चुकी थी। मामले की जांच में यह भी सामने आया कि मृतिका ने आरोपियों से संघर्ष किया था। उसके नाखूनों में आरोपियों की त्वचा (स्किन पार्टिकल्स) मिली, जिसे कोर्ट ने महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। इससे साबित हुआ कि हत्या से पहले जोरदार संघर्ष हुआ था। श्याम दांगी (अपर लोक अभियोजक) के मुताबिक घटनास्थल से पुलिस को कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली थीं। फोरेंसिक जांच में उन वस्तुओं पर आरोपी नीरज का डीएनए मैच हुआ। यह साक्ष्य अभियोजन के लिए बेहद निर्णायक साबित हुआ और कोर्ट ने इसे अहम आधार माना।

2 जगह आग का तांडव सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास 150 झुग्गियां जलकर खाक

गुरुग्राम, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे साइबर सिटी गुरुग्राम में आग ने एक बार फिर तांडव मचा दिया। गुरुग्राम में दो जगह आग ने तांडव मचाया। पहले गुरुग्राम के सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गियों में जबरदस्त आग लगी तो दूसरी तरफ बजघेड़ा गांव में प्लास्टिक की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास बनी करीबन 150 झुग्गियां देखते ही देखते राख हो गई। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली। फायर विभाग और बचाव दल ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने के कर्म का अभी तक पता नहीं लग पाया है। दूसरी और आज सुबह-सुबह ही बजघेड़ा गांव में प्लास्टिक के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई जिसकी वजह से चारों तरफ आसमान में धुएं का गुबार नजर आया। गुरुग्राम की एक सोसाइटी में आग के बाद सड़क पर उतरा परिवार, बिल्डर के खिलाफ शिकायत दर्ज

लोधी सम्मेलन में साथ दिखेंगे उमा भारती और प्रहलाद पटेल, शौर्य यात्रा से सियासी संदेश की तैयारी

भोपाल, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के जंबूरी मैदान में 28 अप्रैल को स्वतंत्रता संग्राम के भूले-बिसरे नायकों और जनजातीय वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी। क्रांतिवीर नर्मदा टाइगर हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस पर होने वाले इस आयोजन के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसे लोधी समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश, नर्मदा टाइगर हिरदेशाह शोध संस्था और गोंड महासभा द्वारा किया जा रहा है।

इसमें मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव मुख्य अतिथि होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल अध्यक्षता करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की मौजूदगी को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि वह उत्तराखंड प्रवास के बीच भोपाल पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। यदि उमा भारती और प्रहलाद पटेल एक मंच साझा करते हैं तो इसे लोधी समाज में उनके प्रभाव और भाजपा के भीतर नए राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जा सकता है। उमा भारती हाल के महीनों में फिर से सक्रिय नजर आ रही हैं और 2029 लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर कर चुकी हैं। इसी बीच पिछोर विधायक प्रीतम लोधी को लेकर भाजपा के नरम रुख ने भी चर्चाओं को हवा दी है। विवादित बयान के बावजूद पार्टी की ओर से सख्त कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात के बाद प्रीतम लोधी ने खेद जताया था। जानकारों का मानना है कि यह आयोजन भाजपा नेतृत्व को लोधी समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी का संदेश देने की कोशिश भी हो सकता है।

उमा भारती पहले भी समाज को अपने हितों के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेने की बात कह चुकी हैं। वहीं, 2023 विधानसभा चुनाव के बाद प्रहलाद पटेल का नाम मुख्यमंत्री पद की चर्चाओं में भी रहा था। मध्य प्रदेश की करीब 25 विधानसभा सीटों पर लोधी समाज का प्रभाव माना जाता है। खासतौर पर ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र की कई सीटों पर यह वोट बैंक चुनावी नतीजों को प्रभावित करता है। शिवपुरी जिले की चार विधानसभा सीटों पर भी समाज की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

कोलंबिया में आतंकी हमला

बस में बम धमाके से 13 की मौत 38 घायल, ड्रग माफियाओं पर शक

बोगोटा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में हिंसा ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया है। एक बस में हुए जोरदार धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 38 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस हमले को सेना प्रमुख ने साफ तौर पर 'आतंकी हमला' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह धमाका काउका क्षेत्र के काजिबियो इलाके में पैनअमेरिकन हाईवे पर उस समय हुआ, जब बस यात्रियों से भरी हुई थी। क्षेत्र के गवर्नर ऑक्टावियो गुजमान ने बताया कि विस्फोटक डिवाइस सड़क पर ही लगाया गया था और बस के गुजरते ही उसे उड़ा दिया गया। घायलों में 5 बच्चे भी शामिल हैं।

काउका की स्वास्थ्य सचिव कैरोलिना कैमर्गो ने नोटिसियास काराकोल को बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस हमले के पीछे 'इवान मोर्दिस्को' नाम के मोस्ट वांटेड अपराधी के नेटवर्क और जैमे मार्टिनेज गुट को जिम्मेदार ठहराया है।

ये दोनों गुट पहले के एफएआरसी (रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस ऑफ कोलंबिया) के भटके हुए धड़े हैं, जो 2016 के शांति समझौते को नहीं मानते।

राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'जो लोग इस हमले के पीछे हैं, वे आतंकवादी, फासीवादी और ड्रग तस्कर हैं।' दरअसल, यह हमला कोई इकलौती घटना नहीं है। पिछले दो दिनों में इस इलाके में 26 से ज्यादा हमले हो चुके हैं। इनमें पुलिस स्टेशन पर फायरिंग, एयर ट्रैफिक रडार पर हमला और बम से लदे ड्रोन का इस्तेमाल भी शामिल है। शुक्रवार को काली और पामिरा शहरों में सैन्य ठिकानों के पास विस्फोटकों से भरे वाहनों में धमाके किए गए, जिससे भारी नुकसान हुआ। इस पूरे इलाके में हिंसा की सबसे बड़ी वजह ड्रग तस्करी से जुड़ी जंग मानी जा रही है। काउका और वाये डेल काउका क्षेत्र समुद्री और नदी मार्गों के जरिए ड्रग्स को सेंट्रल अमेरिका और यूरोप तक पहुंचाने का अहम रास्ता है।

इसी पर कब्जे के लिए अलग-अलग अवैध हथियारबंद गुट आपस में लड़ रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रक्षा मंत्री पेद्रो सांचेज के नेतृत्व में उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई है।

उन्होंने कहा, 'ये अपराधी डर फैलाना चाहते हैं, लेकिन हम सख्ती से जवाब देंगे।' सरकार ने इस हमले के पीछे माने जा रहे 'मार्लोन' नाम के नेता को पकड़ने के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा का इनाम भी घोषित किया है।

शिकागो के अस्पताल में अंधाधुंध गोलीबारी से मचा हड़कंप, दो पुलिसकर्मी घायल पुलिस ने शुरू की जांच

वॉशिंगटन डीसी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला शिकागो के एक अस्पताल में हुआ है। यहां गोलीबारी के बाद पूरे अस्पताल कैंपस को लॉकडाउन कर दिया गया है। एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल प्रशासन ने शनिवार को जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद सभी मरीज और कर्मचारी सुरक्षित हैं। प्रशासन ने यह भी बताया कि दोपहर तक अस्पताल में किसी भी तरह का सक्रिय खतरा नहीं था। यह गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे हुई।

स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। शिकागो पुलिस विभाग ने इस मामले में और जानकारी देने के लिए किए गए कई अनुरोधों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

धमकी देना पड़ेगा भारी, बिना वारंट होगी गिरफ्तारी; गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी

शिमला, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अब किसी को डराने या धमकाने से जुड़ा अपराध करना महंगा पड़ सकता है। प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 351 के तहत आने वाले अपराधों को राज्य में संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित कर दिया है। गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के बाद यह प्रावधान तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अधिसूचना के अनुसार, पहले जो मामले भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के तहत दर्ज होते थे, वे अब नए कानून की धारा 351 के तहत आएंगे।

इस बदलाव के बाद पुलिस को ऐसे मामलों में बिना वारंट गिरफ्तारी करने और सख्त कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार मिल गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) कमलेश कुमार पंत ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है।

ट्रंप के डिनर प्रोग्राम में शूटिंग पर पाक का पहला रिएक्शन

शहबाज शरीफ बोले- कुछ देर पहले हुई गोलीबारी की भयावह घटना से मैं बेहद स्तब्ध हूं

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स के डिनर कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में हुई फायरिंग पर पाकिस्तान का पहला रिएक्शन सामने आया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने लिखा कि ये जानकारी राहत मिली है कि राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया और अन्य सभी उपस्थित लोग सुरक्षित हैं।

शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर में कुछ देर पहले हुई गोलीबारी की भयावह घटना से मैं बेहद स्तब्ध हूं। हमें यह जानकर राहत मिली है कि राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला और अन्य सभी उपस्थित लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने और कुशल मंगल की कामना करता हूं।'

शनिवार की शाम को जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स के डिनर कार्यक्रम में गोली चली, उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप मंच पर ही मौजूद थीं।

गोली चलने की आवाज सुनकर कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंट्स ने तुरंत राष्ट्रपति ट्रंप को वहां से निकाला। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी सुरक्षित हैं। साथ ही ये भी बताया कि एक व्यक्ति हिरासत में लिया गया है। एजेंसी ने कहा कि वह वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में गोलीबारी की घटना की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली की आवाज सुनने के बाद हॉल में हड़कंप मच गया। लोगों ने चिल्लाते हुए कहा कि नीचे झुक जाओ और नीचे ही रहो।

कई लोगों को मेज के नीचे छिपते हुए देखा गया। इस घटना के अब कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हापुड़, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हापुड़ में कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा गांव में रविवार को एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, खुर्जा के बड़ा गांव की रहने वाली संगीता की शादी वर्ष 2020 में शुभम तोमर के साथ हुई थी। विवाह के बाद वह खेड़ा गांव में रह रही थी। रविवार को घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद महिला कमरे में चली गई और चुन्नी के सहारे पंखे पर लटक गई। कुछ देर बाद परिजनों को जानकारी हुई तो उसे नीचे उतारकर तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक महिला के एक छह माह का बच्चा भी है। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

ट्रंप पर हमले से कुछ ही घंटे पहले उनके प्रेस सचिव ने कहा था- 'आज रात गोलियां चलेंगी'

वॉशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के हिल्टन होटल में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके अधिकारियों के मौजूदगी में हुई गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस ने जानकारी दी है कि इस हमले में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। ट्रंप ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस हमले का जानकारी दी और कहा कि सीक्रेट सर्विस ने बहुत अच्छा काम किया है। इस बीच सोशल मीडिया पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो गोलीबारी से चंद घंटे पहले का है। इसमें लेविट कहती हैं कि आज रात को 'गोलीबारी' होगी। इसके बाद सवाल उठा कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव को हमले से पहले गोलीबारी के बारे में कैसे पता था। दरअसल कैरोलिन लेविट व्हाइट हाउस की ओर से आयोजित कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के बारे में बात कर रहीं थीं। उनसे पूछा गया कि आज रात माहौल कैसा होने वाला है। इसपर उन्होंने कहा कि आज की रात देखने लायक होने वाली है।

कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप गर्मजोशी भर देंगे और 'गोलीबारी' होगी। हालांकि यहां गोलीबारी होगी शब्द के लिए अंग्रेजी में शॉट्स फार्यर्ड शब्द का इस्तेमाल किया गया था। इसका आशय ये हो सकता है कि कैरोलिन लेविट कहना चाहती थी कि रात में ट्रंप माहौल खुशनुमा कर देंगे या जोरदार भाषण देंगे। लेकिन इस शब्द की वजह से सोशल मीडिया पर लोगों ने इसका मतलब निकाला कि उन्हें पहले से पता था कि

भारत के रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों को फंसा रहे चीनी जासूस, आर्टिकल लिखने के नाम पर मांगी जा रही सेना की खुफिया जानकारियां

बीजिंग, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन के जासूस भारतीय सेना के पूर्व अधिकारियों से आर्टिकल लिखवाने के नाम पर मोटा पैसा देने और इस बहाने जासूसी करने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दो पूर्व अधिकारियों से संपर्क किया गया है और उन्हें आर्टिकल लिखने के बदले काफी पैसा देने की पेशकश की गई है। ये घटना उस वक्त आई है जब अमेरिकी वायुसेना के दो पूर्व फाइटर जेट पायलट चीनी जासूसों के जाल में फंस चुके हैं और उनके खिलाफ ट्रायल चल रहा है। आरोप है कि वो चीन को यूएस एयरफोर्स के ट्रेनिंग प्रोग्राम और कॉम्बैट एविएशन टैक्टिक्स की जानकारी दे रहे थे। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने दोनों आरोपी पायलट के खिलाफ ट्रायल चलाने के आदेश दे दिए हैं। लेकिन चीन अपनी हरकतों की पोल खुलने के बाद भी रूका नहीं है बल्कि उसने और बड़ा जाल बिछाया है और भारत समेत कई दूसरे देशों के पूर्व सैन्य अधिकारियों को टारगेट कर रहा है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पुराने पायलटों या नौसेना अधिकारियों से जियोपॉलिटिक्स, डिफेंस प्रोक्योरमेंट, मिलिट्री एक्सरसाइज और देश के लड़ाई लड़ने के तरीकों पर आर्टिकल और रिसर्च पेपर लिखने का ऑफर दिया जा रहा है। इस दौरान उनसे अपने अनुभव और अंदरूनी जानकारी देने की मांग की जा रही है और इसके बदले उन्हें काफी पैसा देने का ऑफर दिया जा रहा है।

एडमिरल गर्ग ने खुलासा करते हुए कहा है कि उन्होंने एक लेख लिखा भी लेकिन जब उन्होंने उस लेख को भेजा तो उन्हें कहा गया कि लेख ओपन सोर्स इंटेलिजेंस आधारिक नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें अंदरूनी जानकारियां होनी चाहिए। कुल मिलाकर उनसे रक्षा सौदों और ऐसी जानकारियों की मांग की गई थी थी जो सीक्रेट थीं और संवेदनशील थे। इसके अलावा उनसे अपने रक्षा सूत्रों का इस्तेमाल कर अंदरूनी जानकारियां निकालने के भी भी कहा गया था। खासकर उनकी भारत के भविष्य में होने वाले सैन्य सौदों को लेकर काफी दिलचस्पी थी।

ट्रंप पर हमला करने वाले की सामने आई हिस्ट्री

कमला हैरिस को चुनाव के दौरान दिया था चंदा

नई दिल्ली/ वॉशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित बाकी लोगों पर जानलेवा हमला करने वाले शूटर के बारे में कई खुलासे हो रहे हैं। सार्वजनिक रिकॉर्ड्स से पता चला है कि वह दक्षिणी कैलिफोर्निया का रहने वाला एक टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। यही नहीं उसने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को चंदा भी दिया था। हमलावर टॉमस एलन को हिरासत में लेने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उसकी लिंक्डइन प्रोफाइल खंगाली।

प्रोफाइल सर्च करने पर पता चला कि टॉमस सी2 एजुकेशन नाम की टेस्ट की तैयारी कराने वाली और ट्यूटरिंग कंपनी में पार्ट-टाइम शिक्षक के रूप में काम करता था। कंपनी के सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, दिसंबर 2024 में सी2 ने टॉमस एलन को "टीचर ऑफ द मंथ" भी घोषित किया था। हालांकि शनिवार देर रात सी2 के दिए गए फोन नंबर पर संपर्क नहीं हो सका। लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, कोल टोमस एलन ने 2017 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री प्राप्त की है। इसके बाद उसने पिछले वर्ष कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री हासिल की थी। फेडरल इलेक्शन कमीशन (एफईसी) के रिकॉर्ड के अनुसार, एलन ने अक्टूबर 2024 में कमला हैरिस के राष्ट्रपति अभियान को 25 डॉलर का दान भी दिया था। वॉशिंगटन डीसी की मेयर म्यूरियल बोउजर ने सीएनएन को बताया कि फिलहाल अधिकारियों के पास इस बात का कोई संकेत नहीं है कि व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर की घटना में किसी और की भूमिका थी।

उन्होंने कहा,"इस समय ऐसा मानने की कोई वजह नहीं है कि इसमें कोई और शामिल था।" वहीं, वॉशिंगटन डीसी के अंतरिम पुलिस प्रमुख जेफरी कैरोल ने भी कहा, "इस वक्त ऐसा प्रतीत होता है कि संदिग्ध अकेला व्यक्ति था, यानी एक ही शूटर आया था और उसके साथ कोई नहीं था।"

ह्वाइट हाउस पर हमले के बाद इजरायल के पीएम नेतन्याहू का पहला बयान, बोले- ट्रंप की हत्या के प्रयास से स्तब्ध

तेल-अवीव, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ह्वाइट हाउस की डिनर पार्टी में हुए हमले को राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या का प्रयास बताया है। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में नेतन्याहू ने लिखा, "सारा और मैं कल रात वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास किए जाने से स्तब्ध रह गए। हम राहत महसूस कर रहे हैं कि राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी सुरक्षित और मजबूत हैं। घायल पुलिस अधिकारी को हम पूरी तरह से और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तेज और निर्णायक कार्रवाई के लिए उन्हें सलाम करते हैं।"ह्वाइट हाउस की करेस्पांडेंट्स डिनर पार्टी में शनिवार की रात अचानक एक हमलावर गोलियां बरसता हुआ घुस गया। वह ट्रंप के बिलकुल करीब पहुंचने ही वाला था कि सुरक्षा एजेंसियों ने उसको काबू में ले लिया।

इजराइल की घेराबंदी के लिए एर्दोगन के पास हैं ये 5 'ब्रह्मास्त्र'

क्या ईरान की तरह हमला करने की 'गलती' करेंगे नेतन्याहू?

अंकारा/तेल अवीव, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्की और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों देशों के नेता एक दूसरे के खिलाफ आग उगल रहे हैं। टकराव का यह दौर तब शुरू हुआ है जब इस्तांबुल के चीफ पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के दफ्तर ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' पर हुए हमले के मामले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत 35 इजरायली अधिकारियों के खिलाफ 1100 से 4800 सालों तक जेल की सजा की मांग की है। इजरायल इसके बाद भड़क गया और तुर्की का हस्र 'ईरान जैसा करने' की धमकी दी है।

इजरायल की तरफ से सिर्फ बेंजामिन नेतन्याहू ही नहीं बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट भी विवाद में कूद पड़े और तुर्की के खिलाफ विवादित बयानों की झड़ी लगा दी। बेनेट ने तुर्की को नया ईरान बताया और पहले अंकारा के खिलाफ संभावित कार्रवाई का इशारा देते हुए कहा था ईरान के बाद हम चुपचाप नहीं बैठेंगे। इसीलिए दोनों देशों के लोगों में एक डर पैदा हुआ है कि क्या ईरान की आग बुझते बुझते कहीं ये दोनों देश जंग के मैदान में ना कूद पड़े। इस संघर्ष में ना इजरायल कमजोर है और ना ही तुर्की कमजोर है लिहाजा ये एक विनाशक युद्ध हो सकता है। फिर भी तुर्की के पास कुछ 'ब्रह्मास्त्र' हैं जिससे वो इजरायल को परेशान कर सकता है। कई लोगों का तर्क है कि अगर तुर्की की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है तो वह बाकू-तिबिलिसी-सेहान पाइपलाइन के जरिए अजरबैजान से आने वाले तेल के प्रवाह को रोक सकता है।

हालांकि अजरबैजान के इजरायल और तुर्की दोनों से काफी मजबूत संबंध हैं लिहाजा उसके लिए डिप्लोमेटिक मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। फिर भी खबरों के मुताबिक यह तेल इजरायल की ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है और उसकी कुल तेल खपत का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी से आता है। मई 2024 तुर्की ने इजरायल के साथ द्विपक्षीय व्यापार रोक दिया था फिर भी तेल का प्रवाह जारी है। अगर तुर्की अजरबैजान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए तेल के वाल्व बंद कर देता है तो इससे निश्चित रूप से कुछ समय के लिए रुकावटें पैदा होंगी लेकिन यह कहना मुश्किल है कि ये रुकावटें कितने समय तक रहेंगी। इजरायल पर ऊर्जा से जुड़े कोई भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लागू नहीं हैं और वह खुले बाजार से तेल खरीद सकता है।

तुर्की, इजरायली नागरिक उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने का विकल्प रखता है। इससे इजरायली और अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइनों के लिए कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। लंबे रास्तों का मतलब होगा ज्यादा ईंधन की खपत, क्रू के काम करने के घंटों में बढ़ोतरी और उड़ानों के शेड्यूल में संभावित रुकावटें। इन सभी का नतीजा यह होगा कि इजरायली यात्रियों के लिए टिकट की कीमतें बढ़ जाएंगी और एयरलाइनों का मुनाफा कम हो जाएगा।

अरब सागर में भाग रहा था ईरान का जहाज, यूएस नेवी पीछे पड़ी, चोर-सिपाही का चला खेल, फिर धर दबोचा

तेहरान, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अमेरिका अब समुद्र में लगातार शिकंजा कस रहा है। ताजा कार्रवाई में अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर में एक और जहाज को रोक दिया है, जिससे साफ संकेत मिल रहा है कि अमेरिका अब 'नौसैनिक नाकेबंदी' को और आक्रामक बना रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, (सेवन) नाम के इस मर्चेंट जहाज को यूएसएस। पिंकनी (डीडीजी 91) से ऑपरेट कर रहे हेलीकॉप्टर ने इंटरसेप्ट किया। यह जहाज ईरान के तथाकथित शेडो फ्लीट का हिस्सा बताया जा रहा है। कार्रवाई के बाद जहाज को अपना रास्ता बदलने के लिए मजबूर किया गया और अब उसे वापस ईरानी जलक्षेत्र की ओर एस्कॉर्ट किया जा रहा है। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि सेवन उन 19 जहाजों में शामिल है, जिन पर यूएस ट्रेजरी ने प्रतिबंध लगाया है।

डिफेंस मार्केट में भारत ने उड़ाई पुतिन की नींद, रूसी पत्रकार का दावा- रूस के पुराने पार्टनर्स मिला रहे भारत से हाथ

मॉस्को, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हथियार बाजार में भारत एक मजबूत खिलाड़ी के तौर पर उभरा है और भविष्य में कई भारतीय हथियार ग्लोबल मार्केट में वर्षों से दबदबा बनाए देशों को किनारा करने वाले हैं। रूस के पत्रकार वसीली गोलोवनिन ने एक टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट में बताया है कि ग्लोबल डिफेंस मार्केट में रूस को अब अपने ही दोस्त भारत से कड़ी टक्कर मिल रही है। रूसी पत्रकार वसीली गोलोवनिन का कहना है कि भारत, वैश्विक हथियार बाजार में तेजी से एक नए खिलाड़ी के तौर पर उभर रहा है और उन क्षेत्रों में रूस के साथ उसकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है जो कभी मॉस्को के पारंपरिक गढ़ हुआ करते थे।

उन्होंने लिखा है कि 2025 में भारत का रक्षा निर्यात 4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है जो 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के समय की तुलना में 56 गुना ज्यादा है और यह एक चौंकाने वाला आंकड़ा है। गोलोवनिन के मुताबिक 2020 के बाद से भारत ने पूरी तरह से नए बाजारों में अपनी पैठ बनाई है। अब भारत के कुल हथियार निर्यात में फिलीपींस की हिस्सेदारी 42% है जिसके बाद आर्मेनिया (32%) और वियतनाम (11%) का स्थान आता है। उन्होंने खास तौर पर आर्मेनिया का नाम लिया है जो कुछ वर्ष पहले तक रूसी हथियारों पर निर्भर था लेकिन अब वो भारतीय हथियार खरीदने लगा है।

रूस एक वक्त अमेरिका और फ्रांस के साथ दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार बेचने वाला देश था। वो चीन, भारत समेत ज्यादातर एशियाई और अफ्रीकी देशों को हथियार बेचता था। लेकिन अब कई नये देश हथियार निर्यात करने लगे हैं जैसे तुर्की और चीन ने अफ्रीकी देशों में पैर जमाना शुरू कर दिया है जबकि कई देशों ने अब भारतीय हथियार भी खरीदने शुरू कर दिए हैं। जापानी पत्रकार यासुओ टेकूची के एक लेख को रूसी भाषा वाले अखबार इकोएफएम में पब्लिश किया गया है

पूर्व सीएम भजनलाल पर टिप्पणी से बिश्नोई समाज में उबाल, हिसार में रेखा शर्मा के खिलाफ खोला मोर्चा

हिसार, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल के शासनकाल को लेकर की गई विवादित टिप्पणी ने तूल पकड़ लिया है। बिश्नोई सभा, हिसार के पदाधिकारियों ने एक पत्रकारवार्ता आयोजित कर इस पर कड़ा रोष जताया और रेखा शर्मा से तुरंत माफी की मांग की। बिश्नोई सभा के प्रधान जगदीश कड़वासरा ने कहा कि पंचकूला नगर निगम चुनाव के दौरान रेखा शर्मा ने चौधरी भजनलाल के शासनकाल को 'गुंडागर्दी' वाला बताकर अपनी गिरी हुई मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा, स्वर्गीय भजनलाल जी ने अपना पूरा जीवन जनसेवा और प्रदेश के विकास में लगाया। उनके बारे में ऐसी तुच्छ भाषा का इस्तेमाल करना न केवल गलत है, बल्कि उनके संस्कारों पर भी सवाल खड़े करता है। जगदीश कड़वासरा ने रेखा शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने बयानों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिश्नोई समाज अपने जननायक के अपमान को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

राजाजी टाइगर रिजर्व के मंदिर में मंत्री के बेटे की शादी पर सख्ती समिति के लोगों पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री खजान दास के बेटे की शादी राजाजी टाइगर रिजर्व के हरिद्वार रेंज स्थित मां सुरेश्वरि देवी मंदिर परिसर में करने की तैयारियों पर विभाग ने सख्ती दिखाई है। मंदिर समिति के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि आज रविवार को शादी प्रस्तावित थी,

जिसके लिए सभी सामान मंदिर परिसर में पहुंच गया था, मंदिर परिसर को शादी की तरह सजाया गया भी था, लेकिन जैसे ही राजाजी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को यह जानकारी मिली तो उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी और सामान को उठवा दिया।

सीएम धामी ने सुनी जनता की पीड़ा, कई मामलों का किया निपटारा

देहरादून, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक बार फिर आमजन के बीच पहुंचे। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के कोने-कोने से आए लोगों ने अपनी तकलीफें उनके सामने रखीं और मुख्यमंत्री ने भी पूरे धैर्य और संवेदनशीलता के साथ हर किसी की बात सुनी। जनसुनवाई के दौरान सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सहायता से जुड़े तमाम मामले सामने आए। मुख्यमंत्री ने न केवल इन समस्याओं को गंभीरता से लिया, बल्कि कई प्रकरणों का निपटारा वहीं और उसी वक्त कर दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए कि जनहित के मामलों में देरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी और हर शिकायत की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई महज एक औपचारिकता नहीं है बल्कि, यह सरकार और जनता के बीच उस जीवंत रिश्ते की बानगी है, जिसमें सत्ता सेवक बनकर दरवाज़े पर आती है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि शासन-प्रशासन आमजन के प्रति जवाबदेह, पारदर्शी और संवेदनशील बने, ताकि हर जरूरतमंद को समय पर राहत मिल सके। इस अवसर पर उत्तराखंड फिल्म टेलीविजन एंड रेडियो एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मुख्यमंत्री से मिले।

उन्होंने राज्य में नई और दूरदर्शी फिल्म नीति लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री को अभिनंदन पत्र सौंपा। एसोसिएशन का कहना था कि इस नीति ने उत्तराखंड को फिल्म निर्माण के नक्शे पर एक अहम पड़ाव के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है। स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और युवाओं को अब अपने ही प्रदेश में काम के नए रास्ते मिल रहे हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर क्या करें और किन गलतियों से बचें?

ब्रह्म मुहूर्त दिन का वह खास समय होता है जो सूर्योदय से करीब डेढ़ घंटे पहले आता है। यह समय इतना शांत और सुकून भरा होता है कि मन अपने आप स्थिर हो जाता है और सोच साफ होने लगती है। पुराने समय से ही ऋषि मुनि इस समय को सबसे पवित्र और शक्तिशाली मानते आए हैं, क्योंकि इस वक्त वातावरण में शोर नहीं होता, दिमाग पर किसी तरह का दबाव नहीं होता और शरीर भी पूरी तरह आराम के बाद फ्रेश रहता है।

साइंस भी यह कहती है कि सुबह जल्दी उठने से दिमाग ज्यादा एक्टिव रहता है, स्ट्रेस कम होता है और दिन की शुरुआत पॉजिटिव होती है। यही वजह है कि जो लोग ब्रह्म मुहूर्त में उठने की आदत बना लेते हैं, उनकी लाइफस्टाइल धीरे धीरे बेहतर होती चली जाती है और उनका पूरा दिन ज्यादा एनर्जेटिक और बैलेंस्ड रहता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या करना चाहिए

इस समय सबसे जरूरी है कि आप अपने मन और शरीर को सही दिशा दें। सुबह उठते ही कुछ देर शांत बैठना या मेडिटेशन करना बहुत फायदेमंद होता है। इससे दिमाग शांत रहता है और दिनभर के लिए क्लियर सोच मिलती है। इसके बाद प्राणायाम या हल्का योग करना चाहिए, जिससे शरीर एक्टिव हो जाता है और सांस लेने की प्रक्रिया बेहतर होती है। अगर आप धार्मिक या आध्यात्मिक चीजों में विश्वास रखते हैं, तो इस समय पूजा, मंत्र जाप या ध्यान करना और भी असरदार माना जाता है, क्योंकि माहौल शांत होता है और मन भटकता नहीं है। इस समय पढ़ाई या कोई क्रिएटिव काम करना भी बहुत अच्छा माना जाता है, क्योंकि दिमाग में उस वक्त कोई डिस्टर्बेंस नहीं होती। स्टूडेंट्स के लिए यह समय खास तौर पर बेस्ट होता है, क्योंकि याद करने की क्षमता ज्यादा मजबूत होती है। इसके अलावा आप अपने दिन की प्लानिंग भी इसी समय कर सकते हैं। जब दिमाग शांत होता है, तब आप अपने काम को सही तरीके से सेट कर पाते हैं और दिनभर कम कन्फ्यूजन होता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या नहीं करना चाहिए

इस समय कुछ गलतियां ऐसी होती हैं जो आपके पूरे दिन का असर खराब कर सकती हैं। सबसे पहली गलती है उठने के बाद दोबारा सो जाना। इससे आपका स्लीप साइकिल बिगड़ जाता है और शरीर सुस्त महसूस करता है। इसके अलावा सुबह उठते ही मोबाइल चलाना या नेगेटिव न्यूज देखना भी ठीक नहीं माना जाता, क्योंकि इससे दिमाग पर तुरंत स्ट्रेस आता है।

इस समय झगड़ा करना, गुस्सा करना या नेगेटिव सोच रखना भी नुकसानदायक होता है। दिन की शुरुआत जैसी होती है, वैसे ही पूरे दिन का मूड बनता है। इसलिए कोशिश करें कि पॉजिटिव और शांत रहें। बहुत भारी खाना भी इस समय नहीं खाना चाहिए, क्योंकि शरीर अभी एक्टिव मोड में नहीं होता और पाचन सही तरीके से काम नहीं करता।

आध्यात्मिक नजरिया और आधुनिक सोच

ब्रह्म मुहूर्त को कई लोग देवी देवताओं का समय मानते हैं और कहते हैं कि इस समय पूजा करने से विशेष फल मिलता है। कुछ मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि इस समय घर में दीपक जलाना और सफाई रखना लक्ष्मी को आकर्षित करता है। हालांकि यह बातें आस्था से जुड़ी हैं, लेकिन इनका एक प्रैक्टिकल पहलू भी है। जब आप सुबह जल्दी उठकर साफ सफाई करते हैं, ध्यान लगाते हैं और खुद को पॉजिटिव रखते हैं, तो इसका असर आपके दिमाग और लाइफस्टाइल पर जरूर पड़ता है। आधुनिक नजरिये से देखा जाए तो यह समय आपकी मेंटल हेल्थ के लिए गोल्डन टाइम है। इस दौरान किया गया ध्यान, एक्सरसाइज या प्लानिंग आपको दिनभर ज्यादा फोकस्ड और शांत बनाती है।

कैसे बनाएं ब्रह्म मुहूर्त की आदत

अगर आप इस समय उठने की आदत डालना चाहते हैं, तो धीरे धीरे अपने सोने का समय बदलें। रात में जल्दी सोने की कोशिश करें और सोने से पहले मोबाइल का इस्तेमाल कम करें। शुरुआत में आपको थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन कुछ दिनों बाद आपका शरीर खुद इस रूटीन को अपनाने लगेगा। अलार्म लगाकर उठें और उठते ही बिस्तर से बाहर आ जाएं, ताकि दोबारा सोने का मन न करे। रोज थोड़ा थोड़ा अभ्यास करने से यह आदत आपकी लाइफ का हिस्सा बन जाएगी।

गुरु की शिष्य को सीख: नकारात्मक सोचेंगे तो परिस्थितियां भी कठिन लगेंगी

सकारात्मक सोच अपनाने से समस्याएं अवसरों में बदल सकती हैं

एक लोक कथा है। पुराने समय की बात है, एक आश्रम में कई संत एक साथ रह रहे थे और पूरा समय भक्ति में लगे रहते थे। इन संतों में दो संत अन्यों से अलग थे। एक का नाम था सुखी और दूसरे का नाम था दुखी। दोनों एक ही गुरु के शिष्य थे, एक ही आश्रम में रहते थे, एक ही तरह की दिनचर्या का पालन करते थे, यहां तक कि भोजन, साधना और सेवा के कार्य भी लगभग समान थे, लेकिन दोनों के स्वभाव में बड़ा अंतर था।

संत सुखी हमेशा मुस्कुराता रहता था। चाहे मौसम अच्छा हो या कठिन, चाहे परिस्थितियां अनुकूल हों या प्रतिकूल, उसके चेहरे पर शांति और संतोष झलकता था। वहीं संत दुखी हर समय चिंतित और परेशान रहता था। छोटी-छोटी बातों में भी उसे असंतोष दिखाई देता था। वह अक्सर शिकायत करता कि उसके जीवन में कुछ भी ठीक नहीं है।

एक दिन संत दुखी अपने मन की उलझनों को लेकर अपने गुरु के पास पहुंचा। उसने विनम्रता से पूछा, "गुरुदेव, मैं भी संत सुखी की तरह ही पूजा-पाठ करता हूं, सेवा करता हूं, नियमों का पालन करता हूं, फिर भी मेरा जीवन हमेशा दुखों से भरा रहता है। लोग मेरे चेहरे को देखकर मुझे 'दुखी' कहने लगे हैं। इसका कारण क्या है?"

गुरु ने शांत स्वर में कहा, "तुम दोनों के कर्म एक जैसे हैं, लेकिन सोच अलग है। यही अंतर तुम दोनों के बीच है।"

गुरु ने आगे समझाया, "संत सुखी हर परिस्थिति को स्वीकार करता है। उसके मन में संतोष है और उसे अपने ऊपर विश्वास है कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकता है। इसलिए वह भीतर से शांत और प्रसन्न रहता है।"

"लेकिन तुम," गुरु ने कहा, "हर स्थिति में असंतोष देखते हो। तुम भविष्य को लेकर चिंतित रहते हो और वर्तमान को स्वीकार नहीं कर पाते। तुम्हारे मन में नकारात्मक विचार अधिक हैं, इसलिए तुम्हें हर जगह दुख ही दुख दिखाई देता है।"

संत दुखी यह सुनकर गहराई से सोच में पड़ गया। उसे समझ आया कि समस्या बाहर नहीं, बल्कि उसके भीतर है। उसी दिन से उसने अपने विचार बदलने का निर्णय लिया और धीरे-धीरे उसका जीवन भी बदलने लगा।

प्रसंग की सीख

सोच बदलेंगे, तो जीवन बदल जाएगा

हमारा जीवन हमारे विचारों का प्रतिबिंब है। यदि हम नकारात्मक सोचेंगे तो परिस्थितियां भी कठिन लगेंगी। सकारात्मक सोच अपनाने से समस्याएं अवसरों में बदल सकती हैं।

संतोष को जीवन का आधार बनाओ

असंतोष मन को अशांत करता है। जो हमारे पास है, उसके लिए आभार व्यक्त करना सीखें। संतोष जीवन में स्थिरता और शांति लाता है।

आत्मविश्वास विकसित करें

खुद पर विश्वास होना बहुत जरूरी है। आत्मविश्वास व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने की शक्ति देता है।

वर्तमान में जीना सीखें

अधिक चिंता भविष्य को लेकर करने से मानसिक तनाव बढ़ता है। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना जीवन को सरल और प्रभावी बनाता है।

नकारात्मक विचारों से दूरी बनाएं

नकारात्मक सोच मन की शांति को कम करती है। ऐसे विचारों को पहचानकर उन्हें सकारात्मक विचारों से बदलना चाहिए, तभी मन शांत हो सकता है।

नियमित ध्यान और साधना

ध्यान और प्रार्थना मन को शांत करते हैं। यह आत्म-नियंत्रण और मानसिक स्पष्टता बढ़ाते हैं।

तुलना करना छोड़ दें

दूसरों से तुलना करने से असंतोष बढ़ता है। हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है, इसे स्वीकार करना सीखें।

हर स्थिति में सीख खोजें

कठिनाइयां हमें मजबूत बनाती हैं। हर अनुभव से कुछ सीखने की आदत विकसित करनी चाहिए। सकारात्मक सोच, संतोष और आत्मविश्वास। इन्हीं के सहारे व्यक्ति सुखी, शांत और सफल जीवन जी सकता है।

कांचीपुरम में 40 साल के जलवास पर हैं भगवान विष्णु

साल 2059 में भक्तों को मिल पाएंगे दुर्लभ दर्शन

दुनिया के सात सबसे पुराने शहरों में से एक तमिलनाडु का कांचीपुरम अपनी संस्कृति के साथ-साथ आस्था के लिए भी मशहूर है। कांचीपुरम में तकरीबन 125 बड़े मंदिर हैं, जिनका अपना-अपना इतिहास है लेकिन एक ऐसा मंदिर भी स्थापित है कि जिसकी लोकप्रियता बीते 10 सालों में बहुत बढ़ चुकी है। हम बात कर रहे हैं वरदराज पेरुमल मंदिर की। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां पर भगवान फिलहाल जलवास पर हैं और अब प्रतिमा को साल 2059 में निकाला जाएगा। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और हर कष्ट से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं कांचीपुरम के वरदराज पेरुमल मंदिर के बारे में खास बातें...

वरदराजा पेरुमल मंदिर का समृद्ध इतिहास

तमिलनाडु के शांत शहर कांचीपुरम में स्थित वरदराजा पेरुमल मंदिर बाकी मंदिरों से काफी अलग है। इस मंदिर का समृद्ध इतिहास और भव्य स्थापत्य कला उसे अनोखा बनाती है। यहां भगवान विष्णु वरदराजा पेरुमल के रूप में अपनी पत्नी पेरुंदेवी थायर के साथ विराजमान हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मंदिर की स्थापना राजा कृष्ण वर्मा के शासनकाल में हुई थी, जिन्होंने थामिरबरानी नदी में स्नान करते समय एक पवित्र नीले पत्थर की मूर्ति की खोज की थी।

इस मंदिर का इतिहास साहस और रक्षा की कहानियों से भरा हुआ है। माना जाता है कि राजा कृष्णवर्मा के राज्य पर आक्रमण होने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से प्रार्थना की थी, जब दैवीय शक्तियों ने आकर राजा की युद्ध में मदद की थी और आक्रमणकारी सेनाओं को खदेड़ दिया था।

इस तरह हुआ मंदिर का निर्माण

भगवान विष्णु की कृपा पाकर राजा ने मंदिर का भव्य निर्माण कराया था। मंदिर अपने आकार और बनाव की वजह से काफी प्रसिद्ध है, लेकिन भक्तों की आस्था भगवान विष्णु के साथ मंदिर के गर्भगृह में मौजूद सोने और चांदी की छिपकलियों से भी जुड़ी है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, दोनों छिपकलियों के दर्शन करने से अर्थ (धन) से जुड़ी परेशानी दूर होती है। ये दोनों छिपकलियां महर्षि गौतम के शिष्य माने जाते हैं, जो श्राप मुक्ति के लिए मंदिर में आए थे।

अब होंगे 2059 में दर्शन

मंदिर की सबसे खास बात है भगवान विष्णु की प्रतिमा, जो फिलहाल अभी जलवास पर है। प्रतिमा का निर्माण अंजीर के पेड़ की लकड़ी से किया गया है, और पानी में सालों तक रहने से भी प्रतिमा में कोई बदलाव नहीं आता है। प्रतिमा को आखिरी बार आनंद सरस सरोवर से 28 जून 2019 में निकाला गया। अब प्रतिमा को 2059 में निकाला जाएगा। प्रतिमा को बिना किसी सुरक्षा लेप के जलवास दिया जाता है, लेकिन न तो प्रतिमा फूलती है और ना ही उसमें घुन लगता है। यही कारण है कि भक्तों के भी भगवान वरदराजा पेरुमल की आस्था अधिक है।

द्रौपदी से लेकर पांडवों तक की कहानियां समेटे हैं बरेली के ये शिव मंदिर

बरेली, जिसे नाथ नगरी के नाम से जाना जाता है, सात अति प्राचीन और सिद्ध शिव मंदिरों के सुरक्षा घेरे में बसा है। त्रिवटी नाथ से लेकर अलखनाथ और धोपेश्वर नाथ तक, हर मंदिर का अपना एक गौरवशाली इतिहास है जो महाभारत काल और ऋषि-मुनियों की कठोर तपस्या से जुड़ा है। कहीं भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए, तो कहीं द्रौपदी ने शिवलिंग की स्थापना की। इन मंदिरों की अटूट शक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुगल काल में औरंगजेब की सेना भी इन सिद्ध पीठों का बाल भी बांका नहीं कर सकी थी। आइए जानते हैं नाथ नगरी के इन सप्त नाथ मंदिरों की पौराणिक कथाएं और उनका आध्यात्मिक महत्व, जो बरेली को एक पवित्र केंद्र बनाते हैं।

बरेली में त्रिवटी नाथ मंदिर एक अत्यंत प्राचीन और सिद्ध स्थल है। इसका इतिहास लगभग 600 वर्ष पुराना माना जाता है। इसका 'त्रिवटी' नाम यहां मौजूद तीन प्राचीन वट वृक्षों के कारण पड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार, वर्ष 1417 में एक चरवाहे मोहन चंद्र गड़ेरिया को भगवान शिव ने सपने में दर्शन देकर बताया था कि इन तीन वट वृक्षों के नीचे उनका शिवलिंग दबा हुआ है। सुबह जागने पर जब खुदाई की गई, तो वहां वास्तव में शिवलिंग मिला। आज यहां राजस्थानी लाल पत्थरों से नागर शैली में भव्य मंदिर बना है, जहां भगवान शिव की 60 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित है।

बरेली में स्थित अलखनाथ मंदिर शहर के सात प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है। मान्यताओं के अनुसार इसका इतिहास लगभग 1,000 वर्ष पुराना है, हालांकि शिलालेखों में इसकी प्राचीनता महाभारत काल से भी पहले की बताई जाती है। इस स्थान का नाम आनंद अखाड़े के प्रसिद्ध नागा साधु बाबा अलखिया अलख गिरि के नाम पर पड़ा, जिन्होंने यहां एक प्राचीन वट वृक्ष के नीचे कठिन तपस्या की थी। कहा जाता है कि 17वीं शताब्दी में मुगलों ने इस मंदिर को क्षति पहुंचाने की कोशिश की थी, लेकिन बाबा अलखिया के आध्यात्मिक प्रताप के कारण वे इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सके।

सुभाष नगर में स्थित तपेश्वर नाथ मंदिर का इतिहास साधु-संतों की कठोर तपस्या से जुड़ा है। महंत बाबा लखन दास के अनुसार, यह स्थान लगभग 5,000 वर्ष पुराना है। यहां की सबसे प्रमुख मान्यता ₹भालू बाबा₹ की है। कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पूर्व यहां के घने जंगल में एक बाबा ने गुफा में रहकर 400 वर्षों तक तपस्या की थी। लंबी तपस्या के कारण उनके शरीर पर भालू जैसे बाल उग आए थे, इसलिए उन्हें 'भालू दास बाबा' कहा जाने लगा। भगवान शिव ने संतों की तपस्या से प्रसन्न होकर इस स्थान को तपेश्वरनाथ नाम दिया था।

बरेली का धोपेश्वर नाथ मंदिर शहर के सबसे प्राचीन शिव मंदिरों में से एक है, जिसका संबंध द्वापर युग और महाभारत काल से माना जाता है। मान्यता है कि त्रेतायुग में महर्षि अत्रि के शिष्य और पांडवों के गुरु धूम्र ऋषि ने इस स्थान पर कठिन तपस्या की थी। ऋषि के नाम पर ही इस शिवलिंग का नाम पहले 'धूमेश्वर नाथ' पड़ा, जो समय के साथ बदलकर धोपेश्वर नाथ हो गया। एक पौराणिक मान्यता यह भी है कि इसी पवित्र स्थल पर भगवान शिव की कृपा से द्रौपदी और धृष्टद्युम्न अग्निकुंड से प्रकट हुए थे।

बरेली के बिहार कॉलोनी क्षेत्र में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर (जगमोहनेश्वर मंदिर) का इतिहास काफी आधुनिक और प्रेरणादायक है। यह मंदिर नेपाल के काठमांडू स्थित सुप्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है। इसके निर्माण का संकल्प 1988 में एक श्रद्धालु व्यापारी श्री जगमोहन सिंह ने लिया था। कई वर्षों के संघर्ष के बाद, वर्ष 2001 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ। मंदिर के मुख्य शिवलिंग की स्थापना 3 मार्च 2002 को जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती के सानिध्य में की गई थी। यह पीलीभीत बाईपास के पास स्थित है।

अगले सप्ताह के लिए बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

कन्या समेत इन 5 राशियों के करियर में आएगी जबरदस्त उछाल

वृषभ राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, वृषभ राशि वालों के लिए 27 अप्रैल से 3 मई तक का समय फलदायक रहने वाला है। वृषभ राशि वालों का अप्रैल के अंतिम सप्ताह भाग्योदय होने वाला है और उनके द्वारा सोचे गए सभी कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी का साथ पूरा मिलेगा, जिससे आपकी कई समस्याएं खत्म होंगी और चेहरे पर मुस्कान आएगी। अगर आप कानूनी मामलों में फंसे हुए हैं तो इस सप्ताह आपको राहत मिलती नजर आ रही है। इस सप्ताह आपको करियर की शुरुआत करने का अवसर मिलेगा।

कर्क राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, कर्क राशि वालों के लिए 27 अप्रैल से 3 मई तक का समय लाभकारी रहने वाला है। कर्क राशि के लोगों के लिए अप्रैल का अंतिम सप्ताह आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित हो सकता है। लंबे समय से अटके काम पूरे होने के योग बन रहे हैं और दोस्तों के साथ कहीं बाहर घूमने जाने का मौका भी मिल सकता है। कर्क राशि वालों के पारिवारिक जीवन में इस सप्ताह सुख-शांति और रिश्तों में मजबूती मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर तरक्की का रास्ता खोलेंगी।

कन्या राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, कन्या राशि वालों की 27 अप्रैल से 3 मई तक आपकी कई इच्छाएं पूरी होंगी और अटके धन की प्राप्ति के योग भी बन रहे हैं। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों के ऑफिस में अगर कोई समस्या चल रही है तो वह इस सप्ताह दूर हो जाएगी और आप अपने काम से सभी को प्रभावित भी करेंगे। किराए के कमरे पर रहते रहते परेशान हो गए हैं तो इस सप्ताह जमीन या मकान खरीदने की प्लानिंग करेंगे और आपको कई मामलों में राहत भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी होने से इस सप्ताह धर्म कर्म के कार्यों पर धन खर्च करेंगे।

धनु राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, धनु राशि वालों के लिए 27 अप्रैल से 3 मई तक तक का समय अच्छा रहने वाला है। धनु राशि वालों के लिए अप्रैल का अंतिम सप्ताह करियर में उन्नति और नए अवसर लेकर आ सकता है और बिजनेस से जुड़े लोगों को लाभ मिलने के संकेत हैं। इस सप्ताह निवेश और यात्रा के योग बन रहा है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अगर आप नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो यह सप्ताह आपके लिए लाभकारी रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को मेहनत के अनुसार फल मिलेगा।

मीन राशि वालों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा के अनुसार, मीन राशि वालों के लिए 27 अप्रैल से 3 मई तक तक का समय फायदेमंद रहने वाला है। मीन राशि वालों को अप्रैल के अंतिम सप्ताह में शिक्षा, नौकरी और बिजनेस के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही, निवेश से जुड़े फैसले इस समय लाभकारी रह सकते हैं। रुके हुए कार्य पूरे होने के साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है और परिवार की जरूरत को भी पूरा कर पाएंगे। अब तक आप जिन परेशानियों से घिरे हुए हैं तो इस सप्ताह आपको राहत मिलने की संभावना बन रही है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 अप्रैल - 2026

आक्रामक राजनीति का हस्र

आम आदमी पार्टी में हाल के दिनों में दिख रही अंदरूनी हलचल केवल एक सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह उस पार्टी के लिए गंभीर चेतावनी है जिसने कभी वैकल्पिक राजनीति का सपना दिखाकर देशभर में उम्मीद जगाई थी। राज्यसभा के सात सदस्यों का पार्टी से दूरी बनाना और भाजपा में चले जाना इस बात का संकेत है कि संगठन के भीतर सब कुछ पहले जैसा स्थिर नहीं रहा। यह स्थिति केवल संख्या का मामला नहीं, बल्कि भरोसे और नेतृत्व की परीक्षा का समय भी है। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की जमीन से हुआ था। इस पार्टी ने पारंपरिक राजनीति से अलग शैली अपनाई और जनता के बीच ईमानदारी और पारदर्शिता की पहचान बनाई। लेकिन पार्टी का विस्तार होने के साथ ही संगठनात्मक चुनौतियाँ भी बढ़ती चली गईं। आज जो दरारें दिखाई दे रही हैं, वे उसी विस्तार के दबाव और नेतृत्व की शैली से जुड़े सवालों को सामने ला रही हैं। राज्यसभा सदस्य स्वाती मालीवाल और राघव चड्ढा जैसे नामों को लेकर लगातार चर्चा यह संकेत देती है कि पार्टी के भीतर असहमति केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक व्यापक संगठनात्मक असंतोष की ओर इशारा कर रही है। यदि किसी राजनीतिक दल के संस्थापक सहयोगी ही असहज महसूस करने लगें, तो यह किसी भी नेतृत्व के लिए चिंतन का विषय होना चाहिए। देखा जाए तो आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आक्रामक राजनीतिक शैली रही है। इस शैली ने उसे तेजी से लोकप्रिय बनाया और चुनावी सफलता भी दिलाई। लेकिन यही आक्रामकता सत्ता संचालन के समय कई बार कमजोरी में बदल जाती है। चुनाव जीतना और शासन चलाना दो अलग-अलग कौशल होते हैं। जहां पहले में संघर्ष की जरूरत होती है, वहीं दूसरे में संवाद, संतुलन और धैर्य की आवश्यकता होती है। इसी मोर्चे पर आम आदमी पार्टी को अभी परिपक्वता की कमी है। दूसरी ओर, भाजपा जैसे मजबूत संगठन का लगातार विस्तार भी विपक्षी दलों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे समय में यदि किसी पार्टी के भीतर से ही नेतृत्व पर सवाल उठने लगें, तो राजनीतिक नुकसान स्वाभाविक है। यह भी संभव है कि कुछ नेता अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नए विकल्प की तलाश में रहते हैं। लेकिन इसका असर पार्टी की छवि पर अवश्य पड़ता है। पंजाब और दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकार होने के बावजूद संगठनात्मक असंतोष का सामना आना इस बात का संकेत है कि सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। यदि समय रहते नेतृत्व इन संकेतों को गंभीरता से नहीं लेता है, तो उसे भविष्य में चुनौती का सामना करना ही पडता है। यह भी सच है कि किसी भी लोकतांत्रिक दल में मतभेद होना असामान्य नहीं है। असहमति लोकतंत्र की ताकत होती है, कमजोरी नहीं। लेकिन जब यही असहमति सार्वजनिक रूप लेने लगे, तो यह संगठन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है। ऐसे में जरूरी है कि पार्टी नेतृत्व संवाद और सामंजस्य की नीति अपनाए। आम आदमी पार्टी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपनी वैचारिक पहचान को बनाए रखते हुए संगठन को मजबूत बनाए रखने की है। यदि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों ईमानदारी, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर फिर से मजबूती से खड़ी होती है, तो यह संकट अवसर में बदल सकता है।

मनुष्य स्वयं के कर्मों का श्रेष्ठ और सर्वोच्च निर्णायक होता है

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है।

महात्मा गांधी ने कहा था, "आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।" यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक है

"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहर नहीं, उसका अपना भ्रम, उसकी अपनी असत्यता होती है। जब हम स्वयं से झूठ बोलते हैं अपने दोषों को छिपाते हैं, अपनी कमियों को नजरअंदाज करते हैं तब हम अपने विकास के मार्ग को स्वयं ही अवरुद्ध कर देते हैं।

भगवान बुद्ध ने कहा था, "आप खुद ही अपने दीपक बनिए।" इसका अर्थ यही है कि आत्मचिंतन और आत्मसत्य ही वह प्रकाश है, जो हमें सही दिशा दिखाता है। यदि हम अपने भीतर के अंधकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तो प्रकाश की खोज भी अधूरी रह जाएगी। समाज में श्रेष्ठ और महान लोग वही बने हैं, जिन्होंने पहले स्वयं को जीता। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन इसका सजीव उदाहरण है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना केवल बाहरी परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, बल्कि उनकी आंतरिक अनुशासन, ईमानदारी और आत्मविश्वास का फल था। उन्होंने कहा था, "सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।" यह सपना तभी साकार होता है, जब हम अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का साहस रखते हैं।

इसी तरह नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन में 27 वर्ष जेल में बिताए, परंतु उन्होंने अपने भीतर की नफरत को जीत लिया। उन्होंने कहा था, "मैं कभी हारता नहीं, या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ।" यह दृष्टिकोण केवल वही व्यक्ति अपना सकता है, जिसने स्वयं को साध लिया हो। मंडेला की यह आंतरिक विजय ही उन्हें एक महान नेता बनाती है।

जब हम समाज में देखते हैं, तो पाते हैं कि जो लोग ईमानदारी, सच्चाई और आत्मसंयम के मार्ग पर चलते हैं, वही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं। सफलता केवल धन, पद या प्रसिद्धि नहीं है; सफलता वह शांति है, जो हमें अपने भीतर मिलती है। यदि हमारा मन हमें दोषी ठहराता है, तो दुनिया की कोई भी प्रशंसा हमें संतुष्ट नहीं कर सकती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मन के सामने सच्चे रहें। आज के समय में, जब प्रतिस्पर्धा और दिखावे की होड़ बढ़ती जा रही है, तब स्वयं से सत्य बोलना और भी कठिन हो गया है। हम अक्सर दूसरों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा चेहरा बना लेते हैं, जो हमारा वास्तविक स्वरूप नहीं होता।

महिला आरक्षण बिल नहीं, परिसीमन विधेयक गिरा है

रघु ठाकुर

महिला आरक्षण अधिनियम, जिसके माध्यम से महिला आरक्षण 2029 से याने अभी शुरू हुई जनगणना के परिणाम और तदनुसार संसद की सीटों को बढ़ाकर 850 कर महिला आरक्षण लागू करना था, का प्रस्ताव 17 अप्रैल को संसद में गिर गया। चूंकि यह संविधान संशोधन का प्रस्ताव था और संविधान संशोधन प्रस्ताव पारित होने के लिए संसद के दो तिहाई सदस्यों का, याने 352 वोट चाहिए थे जो सरकार को नहीं मिल सके। इस संविधान के संशोधन के बिल के पक्ष में 298 मत मिले और विरोध में 230।

महिला आरक्षण के लिए किया गया यह धोखे का एवं दिखावटी प्रयास सातवीं बार हुआ। 1996 में पहली बार एचडी देवगौड़ा के प्रधानमंत्रित्व काल में महिला विधेयक पेश हुआ था, सरकार के कार्यकाल में तीन बार संसद में प्रस्ताव आये, परंतु पिछड़े वर्ग के सांसदों स्व मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, स्वरू शरद यादव, आदि के विरोध के कारण वह पारित नहीं हो सका। श्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी आखिरी समय महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किया गया था परंतु उसे बगैर मतदान के ही लैप्स कर दिया गया। उसके बाद 2023 में श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चुनाव के कुछ समय पूर्व नारी वंदन बिल के नाम से महिला आरक्षण बिल पेश किया और लगभग सभी की सहमति से वह पास हो गया परंतु इस बिल के साथ एक गैर जरूरी राजनीतिक शर्त जोड़ दी कि नारी वंदन कानून अगली जनगणना और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद 2029 में लागू किया जायेगा।

अब सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच दोषारोपण का खेल शुरू हो गया है। सत्ता पक्ष, प्रतिपक्ष को महिला विरोधी कहेगा और प्रतिपक्ष कभी ओबीसी और कभी सत्ता पक्ष की राजनीतिक बदनीयत को दोशी ठहरायेगा। प्रधानमंत्री ने जो संसद में अपने भाषण में अपील की कि प्रतिपक्ष के सांसद अपने परिवार की महिलाओं को याद करें और उन्हें वंचित ना करें। हालांकि परिवार की महिलाओं की चिंता के उनके उदगार अपने आप में हास्यास्पद ही माने जायेंगे। मैं उनके निजी जीवन पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, परंतु उनकी नियत केवल देश को यह दिखाने की रही है कि प्रतिपक्ष को दोषी सिद्ध किया जाये। मेरी राय में वर्तमान सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष तथा पुराने सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष भी महिला आरक्षण नहीं चाहते, वो केवल कहने के लिए कहते हैं। स्वतरूढ़ इसके विरोध के लिए तर्क तैयार कराते हैं। जब अटलजी के कार्यकाल में तीन बार संसद में यह बिल आया और सरकार ने जब तीनों वार केवल कुछ लोगों के विरोध के नाम पर उसे टाल दिया। जबकि अटलजी की सरकार ने ही कई बिल प्रतिपक्ष के विरोध के बावजूद पारित कराये थे।

तब यह एक ही कानून के लिए विरोध के नाम पर बिल वापिस करने का क्या औचित्य था? और इसी प्रकार 2010 में भी जब कांग्रेस की मनमोहन सरकार का बहुमत था, तब भी इसको पारित कराने के बजाय विरोध के नाम पर वापिस लेने का खेल वही खेल खेला था जो अटलजी के कार्यकाल में हुआ था। जो इस बिल का विरोध करने वाले लोग हैं या थे वे पिछड़े वर्गों के नाम पर इस कानून का विरोध कर रहे थे। हालांकि वे सत्ता के दोनों समूहों के साथ रहे हैं। पिछड़े वर्गों के वही दल याने उत्तरप्रदेश की मुलायम, अखिलेश की समाजवादी पार्टी, बिहार के लालू यादव का राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस के साथ यूपीए गठबंधन में शामिल थे और बाद में स्व. शरद यादव और नीतीश कुमार यूपीए गठबंधन में भी रहे और भाजपा में एनडीए गठबंधन में भी सरकार में शामिल रहे। इनके विरोध का आधार दिखाने को यही था कि महिला आरक्षण में कोटा में, कोटा होना चाहिये। याने 33 प्रतिशत आरक्षण में पिछड़ी जातियों का आरक्षण अलग होना चाहिए। एससी-एसटी का आरक्षण तो संविधान में पहले से ही है। बहुजन समाजवादी दल ने इस पर कोई विशेरु भूमिका अख्तियार नहीं की। एक प्रकार से बीएसपी तटस्थ जैसी रही। जो लोग पिछड़ी जातियों की महिलाओं के लिए महिला आरक्षण से अलग कोटा चाहते हैं उनका यह कहना है कि अगर वहां यह नहीं होगा तो सवर्ण महिलायें ही सारे आरक्षण का लाभ लेंगी। पर क्या वास्तव में यह संशय का कारण ही इनके विरोध का कारण था या फिर वे दिमागीतौर पर महिलाओं के विरोध में हैं या फिर केवल इस निराधार बातों को उठाकर पिछड़े वर्गों के नेता बनना चाहते हैं।

सत्यता तो यह है कि वे केवल अपनी राजनीति चलाये रखना चाहते हैं। उसे जिंदा बनाये रखने के लिए लिए यह तर्क गढ़ रहे थे। कौन नहीं जानता कि लालू यादव, जो अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा थे और एक अघोषित मालिक या तानाशाह थे जो अपनी पत्नी को जो विधायक भी नहीं थी, उनको मुख्यमंत्री बना सकते थे तो महिलाओं को आरक्षित सीटों में पिछड़े वर्गों की महिलाओं को 33 प्रतिशत टिकट नहीं दे सकते थे।

इसी प्रकार समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष स्व मुलायम सिंह यादव जो अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना सकते थे व अपनी बहु को सांसद बना सकते थे, तो क्या वह अपने दल की महिलाओं को 33 प्रतिशत हिस्सेदारी नहीं दे सकते?

इसी प्रकार सुश्री मायावती बसपा की सुप्रीमो हैं, अपने दल के टिकिट जिसे चाहे दे सकती हैं इसलिये मुझे लगता है कि इनका विरोध केवल राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्गों को गुमराह कर उनका वोट लेने, उनका नेता बनने का हथकंडा मात्र है। स्व शरद यादव का इस विरुाय में संसद में दिया गया भाषण मैंने मीडिया पर देखा था। जिसमें श्री यादव ने उन्हें क्रांतिकारी सिद्ध करने के लिए सीता बनाम द्रौपदी की चर्चा की थी। हालांकि यह भी उनकी बेईमानी है कि जिस महान नेता ने नारियों के पक्ष में यह तर्क आज से 70 साल पहले 50 के दशक में देना शुरू किया था उनके नाम का उल्लेख भी नहीं किया। वह महान नेता थे डॉ राम मनोहर लोहिया, जिनके विचार व कर्म के आधार पर यह सभी नेता बन सके, सत्ता के पदों पर आ सके।चाहे मुलायम सिंह हो ,लालू यादव हो, नीतीश कुमार हो, शरद यादव हो या अन्य हो।

ये सभी डॉक्टर लोहिया के क्रांतिकारी विचारों की सीढ़ी पर चढ़कर ही सत्ता तक पहुंचे हैं। शायद उसका यह कारण है भी रहा होगा कि लोहिया जी ने 1950 के कालखंड में देश में सभी महिलाओं, बहनों को पिछड़ा माना था,उस समय वे घरों में कैद थी इसलिए उन्होंने अपनी योजना कि पिछड़े पावे 100 में 60,में समूची महिला वर्ग को शामिल किया और अपने कार्य रूपी प्रयोगों से अधिकांश पिछड़ी, दलित महिलाओं को प्रतीक बनाया, व उन्हें अवसर दिया था। ये लोहिया जी ही थे, जिन्होंने ग्वालियर की महारानी के विरुद्ध सुक्खो रानी नाम की जमादारिन को चुनाव में खड़ा किया था।बिहार में खेत में काम करने वाली महिलाओं को कहकर टिकट दिलाया और उन्हें सांसद बनाया।

ज्यादा मतदान के किंतु-परंतु

राज कुमार सिंह

अकसर कम मतदान प्रतिशत पर चिंता जतायी जाती है, लेकिन इस बार असम, केरलम , पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक दलों- उम्मीदवारों की धुकधुकी और चुनावी पंडितों का काम बढ़ा दिया है। बेशक पश्चिम बंगाल में मतदान का दूसरा चरण शेष है, जिसमें 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जायेंगे, लेकिन उसमें भी उच्च मतदान प्रतिशत को ले कर संशय का कोई कारण नजर नहीं आता। हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधोंवाले पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए 92 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदान हुआ है, जो चुनाव आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दशकों बाद बंगाल में व्यापक हिंसा के बिना मतदान एक सुखद आश्चर्य भी है। वैसे जिन चार राज्योंः असम, केरलम्, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में चुनाव प्रक्रिया जारी है, उन सभी में मतदान का उच्च प्रतिशत सामने आया है।

मसलन, 23 अप्रैल को ही तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा। नौ अप्रैल को असम में हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा तो पुदुचेरी में 89 प्रतिशत से भी ज्यादा ऐतिहासिक मतदान हुआ। केरलम् ने भी 78 प्रतिशत से ज्यादा मतदान से 39 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। निश्चय ही उच्च मतदान प्रतिशत लोकतंत्र के लिए सकारात्मक है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए इसके परिणाम विरोधाभासी रहे हैं। चुनावी राजनीति में अंतिम क्षणों तक हार नहीं मानी जाती। सो, सत्ता के सभी दावेदार उच्च मतदान प्रतिशत की मन मुताबिक व्याख्या करते हुए उसे अपने अनुकूल बता रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के मुख्य चुनावी रणनीतिकार अमित शाह ने तो परिवर्तन की लहर बताते हुए 152 में से ही 110 सीटें जीतने की भविष्यवाणी भी कर दी है।

दरअसल मतदान प्रतिशत की परंपरागत सरल व्याख्या यही की जाती रही है कि कम मतदान का अर्थ है कि मतदाता उदासीन हैं। यह भी कि वे वर्तमान सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं या उन्हें किसी से बेहतरी की उम्मीद नहीं, इसलिए किसी बदलाव की व्याकुलता उनमें नहीं है। इसी सोच से ज्यादा मतदान प्रतिशत का अर्थ यह निकाल लिया जाता है कि सत्ता विरोधी भावना तीव्र है और वर्तमान सरकार से असंतुष्ट मतदाता बदलाव के लिए व्याकुल हैं। बेशक मतदान प्रतिशत की यह व्याख्या मानवीय स्वभाव का सहज-सरल विश्लेषण करती है, लेकिन तमाम चुनावों में मतदान प्रतिशत में कमी या वद्धि के बाद आये परिणाम इसकी पूर्णतः पुष्टि नहीं करते।

आम तौर पर मान लिया जाता है कि मतदान में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि से सरकार बदल जाती है, लेकिन फिलहाल देश-दुनिया की निगाहों का केंद्र बने पश्चिम बंगाल में भी कम-ज्यादा मतदान के मिश्रित परिणाम सामने आते रहे हैं। मसलन, आपातकाल के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आक्रोश के बावजूद 1977 में पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत 52 ही रहा, पर कांग्रेस सत्ता से विदा हो गयी। वाम मोर्चा ने लगभग साढ़े तीन दशक तक बंगाल पर निष्कंटक राज किया, पर 2011 के विधानसभा चुनाव में जब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने उससे सत्ता छीनी, तब मतदान का प्रतिशत 84 के पार चला गया। ममता के दो मुख्यमंत्रित्वकाल के बाद जब 2021 के चुनाव में मतदान प्रतिशत 82 रहा, तो चुनावी पंडितों ने उसे सत्ता विरोधी भावना का संकेत माना, लेकिन 200 सीटें जीतने का दावा करनेवाली भाजपा 77 पर ही अटक गयी।

नीतीश कुमार के जद यू ने भाजपा का साथ छोड़ कर 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव लालू यादव के राजद और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में लड़ा था, लेकिन मात्र 57 प्रतिशत मतदान के बावजूद जबर्दस्त जीत हासिल की। एसआईआर विवाद के बीच हुए 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 67 तक पहुंच गया, लेकिन पाला बदल कर फिर राजग में आ चुके नीतीश की सत्ता बरकरार रही। हां, पिछली बार सबसे बड़ा दल बना राजद आश्चर्यजनक रूप से 25 सीटों पर सिमट गया।

पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में 61 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ तो सपा को सत्ता से बेदखल कर अरसे बाद प्रचंड बहुमत से भाजपा ने सत्ता में वापसी की। इसी तरह 2018 के विधानसभा चुनाव में जब त्रिपुरा में मतदान का प्रतिशत 89 पार पहुंचा तो वाम सत्ता को उखाड़ कर भाजपा सत्तासीन हो गयी। कम-ज्यादा मतदान प्रतिशत के चुनावी परिणामों के मामले में अन्य राज्यों के अनुभव भी मिले-जुले रहे हैं। इसलिए मतदान प्रतिशत के आधार पर कोई एक धारण बना लेना तर्कसम्मत नजर नहीं आता, क्योंकि उसमें कई कारक प्रभावी रहते हैं। इसीलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा रहती है कि वह मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान की तारीखें तय करे और सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध भी करे।

बेशक पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों की भी भूमिका रही होगी। लगातार तीन कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी भावना को भी पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता, लेकिन अन्य कारणों को नजरअंदाज करना भी समझदारी नहीं होगी। बिहार से शुरू एसआईआर विवाद से बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार ही नहीं, अपनी नागरिकता पर भी तलवार लटकी नजर आ रही है। रोजी-रोटी की तलाश में पलायन को मजबूर प्रवासी इसीलिए बड़ी संख्या में जैसे-तैसे इस बार मतदान के लिए अपनी घर वापसी की कवायद करते दिखे। नागरिकता पर संकट तो जीवन के लिए ही महासंकट है। मतदाताधिकार से वंचित और मतदान में अनुपस्थित होने पर, तमाम राज्य सरकारों द्वारा जन कल्याण के नाम पर शुरू नकदी तथा मुफ्त योजनाओं के लाभार्थियों की सूची से भी नाम कट जाने का खतरा है।

इनमें भी महिला केंद्रित योजनाएं ज्यादा हैं, जिनका परिणाम महिलाओं की मतदान में लगातार बढ़ती हिस्सेदारी के रूप में सामने आ रहा है। जब प्रवासी महिलाएं मतदान के लिए अपने घर लौटती हैं तो परिवार के पुरुष सदस्य भी लौटेंगे ही-और जब लौटेंगे तो मतदान भी करेंगे।

वैसे मतदान के प्रतिशत में उछाल का एक और तार्किक कारण एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट जाना भी हो सकता है। काटे गये नामों की संख्या और कारणों पर विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचे हैं। प्रभावित वर्गों में एसआईआर प्रक्रिया के विरुद्ध गोलबंदी भी उच्च मतदान प्रतिशत का कारण हो सकती है। बेशक नाम कटने से मतदाताओं की संख्या घटी है, पर अगर नाम काटे गये मतदाताओं में से बहुत सारे वास्तव में हैं ही नहीं, तो पिछली बार जितने ही मतदाताओं द्वारा मतदान करने पर भी मतदान का प्रतिशत अपने आप बढ़ जायेगा।

बादाम खिलाओ याद दिलाओ

डॉ टी महादेव राव

लोकतंत्र वेद क्या बताता है? नेताओं को चाहिए कि जनता की जरूरतों, उनके कल्याण के लिए किए गए वादों को भूले बिना, लालच में विस्मृत किए बिना याद रखकर हर वादे को पूरा करना होगा। यह बात अधिकारियों के लिए भी लागू होती है लेकिन इन दिनों अगर हम वास्तविक चित्र देखें तो फाइलों की आंखें भी चौंधिया जाएंगी और जनता को तारे दिखाई देंगे।

चुनाव से पहले नेताओं की अद्भुत स्मरण शक्ति होती है। पांच साल बाद हर गांव में दौड़ते हुए जाकर प्रत्येक मतदाता को नाम सहित याद रखते हुए उनके साथ रिश्ता मिलते हुए काका, मामा, चाचा, बुआ, मां,पिताजी कहते हुए गले लगाते हैं। इतने समय तक जनता की तकलीफों को धृतराष्ट्र बनकर अनदेखा करते हुए फिर वोट नामक प्रेमजाल फेंकते हैं। जो उन्हें चाहिए उसके लिए मतदाता को ऐसा सिखाते हैं कि वह भूल भी नहीं सकता। बताते हैं कि इस बार जीतूंगा तो यह करूंगा, वह करूंगा। तुम्हारी जिंदगियों में हजार वाट का बल्ब जलाऊंगा कहते हुए हथेली पर स्वर्ग के दर्शन कराते हैं। यह अद्भुत स्मरण शक्ति सुपर डुपर याददाश्त पोलिंग यानी मतदान के हो जाने के तुरत बाद नेताओं के मन से डिलीट हो जाता है। ऐसा लगता है अल्जाइमर'एस का रोग उन्हें लग गया है।

चुनाव के बाद जनता नेताओं के पास जाकर हमारे गांव लिए हमारी समस्याओं पर ध्यान दीजिए जब कहती है तो उनकी तरफ ऐसे दिखते हैं जैसे उन्होंने कभी देखा ही नहीं बिल्कुल अजनबी बन जाते हैं। इसी तरह जो अधिकारी और कर्मचारी हैं वे भी यथा राजा तथा प्रजा की तर्ज पर क यथा नेता तथा दूता बनकर जनता की सेवा से संबंधित अपने कर्तव्य की और ध्यान ही नहीं देते। जब सारी जनता परेशान थी की क्या इस भूलने वाली बीमारी का कोई दवा है भी कि नहीं, ऐसे में छत्तीसगढ़ के एक नागरिक ने सहज उपलब्ध दवा की खोज की और उसे आचरण में रखा। इसे हम लोकतंत्र का बादाम नाम दे सकते हैं अगर यह प्रयोग फलीभूत होता है तो वह जनता के लिए सर्व समस्या निवारिणी भी हो सकती है। बिलासपुर हाउसिंग बोर्ड कार्यालय वालों ने जो रीसेल वही पुनः विक्रय का आयोजन किया था उसमें एक व्यक्ति ने एक फ्लैट लिया। कानूनी तथा अन्य कार्रवाइयां पूरी करने के बाद उसने अनुरोध किया कि उसका फ्लैट उसके अधीन किया जाए। इसके लिए वह पिछले आठ महीना से चप्पल घिस रहा है। संबंधित महिला अधिकारी ने फाइल ₹मिस हो गई ढूंढ रहे हैं कहां रखा है याद नहीं आ रहा है₹ कहते हुए खुद पर कसम खाते हुए बता रही थी। पिछले काफी समय से परेशान नागरिक ने इस भुलक्कड़पन की दवाइयां के लिए कई ग्रंथों का अध्ययन, अनुसंधान और शोध किया। उसने कहीं पढ़ा था बादाम खाने से भूलने की बीमारी दूर हो जाती है। तुरंत एलकेजी के बच्चे की तरह भागा भागा बाजार गया और आधा किलो बादाम खरीद कर तुरंत उसे अल्जाइमरस अभिनय करने वाली अधिकारी की मेज पर डाल दिया और कहा इन्हें खाइए।

आप की दरकती दरारें सतह पर और कितना टूटेगी पार्टी

डॉ घनश्याम बादल

आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने राघव चढ़ा के नेतृत्व में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने की घोषणा की है वह एकाएक नहीं हुआ बल्कि इस अंदर ही अंदर धधक रही आज और पक रही खिचड़ी की सुगबुगाहट काफी पहले सुनाई देनी शुरू हो गई थी। इस परिणीति की गति उस दिन से तेज हुई जब पार्टी ने राघव चड्ढा को उप नेता पद से हटाया था।

अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी के भीतर लंबे समय से सुलग रही असंतोष की आग अब खुलकर सामने आ गई है। हाल ही में सात सांसदों के पार्टी छोड़ने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संकट अब केवल अटकल या सीमित असंतोष का मामला नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर राजनीतिक बिखराव का रूप ले चुका है। इस घटनाक्रम के पीछे वर्षों से बनती आ रही आंतरिक दरारें, नेतृत्व शैली को लेकर असहमति, व्यक्तिगत संबंधों की खटास, राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और बाहरी दबावों की जटिल परतें मौजूद हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व अरविंद केजरीवाल, भगवत सिंह मान, मनीष सिसोदिया एवं संजय सिंह के इर्द-गिर्द शक्ति का केंद्रीकरण इस संकट की केंद्रीय धुरी बनकर उभरा है।

लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि निर्णय लेने की प्रक्रिया कुछ चुनिंदा चेहरों तक सीमित होती चली गई, जिससे बाकी नेताओं को हाशिए पर होने का अहसास हुआ। चुनिंदा नेताओं का बढ़ता प्रभाव, जहां एक ओर संगठनात्मक मजबूती का संकेत देता था, वहीं दूसरी ओर यह धारणा भी बन रही थी कि कि पार्टी का संचालन एक सीमित 'कोर ग्रुप' के हाथों में सिमट गया है।

सात सांसदों के एक साथ पार्टी छोड़ने के पीछे केवल राजनीतिक अवसरवाद को कारण मान लेना सरल होगा, लेकिन यह अधूरा विश्लेषण होगा। इन नेताओं के बीच लंबे समय से संवाद की कमी, नेतृत्व से दूरी और अपनी राजनीतिक भूमिका को लेकर असंतोष की भावना पनप रही थी। कई सांसदों का मानना था कि उनकी क्षेत्रीय पकड़ और जनाधार के बावजूद उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। यही असंतोष अंततः एक सामूहिक कदम में बदल गया।

पंजाब में भगवंत सिंह मानके नेतृत्व में सरकार बनने के बाद शक्ति-संतुलन और अधिक जटिल हुआ। दिल्ली और पंजाब के बीच समन्वय, टिकट वितरण, और भविष्य की रणनीति को लेकर कई स्तरों पर मतभेद उभरे। क्षेत्रीय नेताओं को लगा कि उनकी स्वायत्तता सीमित की जा रही है, जबकि केंद्रीय नेतृत्व नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। यह टकराव सात सांसदों के फैसले में एक अहम कारक माना जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में अशोक मित्तलऔर विक्रम साहनी जैसे नेताओं की भूमिका भी चर्चा में है। ये ऐसे चेहरे हैं जिनकी पृष्ठभूमि उद्योग, शिक्षा और व्यापार से जुड़ी है। राजनीति में उनकी भागीदारी केवल वैचारिक नहीं, बल्कि नेटवर्क और प्रभाव विस्तार से भी जुड़ी मानी जाती है। ऐसे में जब पार्टी के भीतर शक्ति-संतुलन बदलता है, तो इन वर्गों के हित और अपेक्षाएं भी प्रभावित होती हैं। दूसरी ओर स्वाति मालीवाल जैसी मुखर नेता का समय-समय पर नेतृत्व से टकराव यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर स्वतंत्र विचार रखने वालों के लिए स्पेस सीमित होता जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रवृत्ति का संकेत है जहां असहमति को संगठनात्मक चुनौती के रूप में देखा जाता है। यदि इस घटनाक्रम को ऐतिहासिक संदर्भ में देखें, तो यह कोई नई कहानी नहीं लगती। योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण से लेकर आशुतोष एवं कुमार विश्वास तथा अलका लांबा तक कई प्रमुख नेताओं ने पहले भी इसी तरह के कारणों से पार्टी छोड़ी थी। उस समय इसे व्यक्तिगत असहमति कहा गया, लेकिन आज जब सात सांसद एक साथ बाहर हो जाते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं अधिक गहरी जटिल और पार्टी का संरचनात्मक एवं सांगठनिक टकराव है। बाहरी कारकों की भूमिका भी इस संकट को समझने में महत्वपूर्ण है। भाजपा के साथ आम आदमी पार्टी का राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ता रहा है। आरोप लगते रहे हैं कि ई डी और सीबीआई जैसी एजेंसियों की सक्रियता ने आप नेताओं पर दबाव बनाया।

इस दबाव ने कई नेताओं को असहज स्थिति में ला दिया, जिससे पार्टी के भीतर असुरक्षा और अविश्वास का माहौल बना हालांकि इन आरोपों पर राजनीतिक बहस जारी है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि बाहरी दबावों ने आंतरिक असंतोष को तेज़ करने का काम किया। जहां संगठन पहले से ही कमजोर हो, वहां ऐसे कारक टूटन को और गति देते हैं।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आगे क्या? सात सांसदों का जाना केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक संकेत है, संकेत इस बात का कि पार्टी के भीतर असंतोष अभी खत्म नहीं हुआ है।

पायलट बनने के लिए क्या है एलिजिबिलिटी ट्रेनिंग के बाद कितनी मिलेगी सैलरी

एविएशन सेक्टर का भारत की अर्थव्यवस्था में 5.36 फीसदी योगदान है। इस क्षेत्र में 75 हजार से अधिक नौकरियां उपलब्ध हैं और आगे भी हजारों जॉब्स आने वाली हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां शुरुआती सैलरी ही लाखों में मिलती है। ऐसे में आप भी अगर आगे चलकर पायलट बनकर खुले आसमान में हवाई जहाज के कॉकपिट तक पहुंचने का सपना देख रहे हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए बेहद उपयोगी है।

आप यहां से पायलट बनने के लिए एलिजिबिलिटी, ट्रेनिंग, ट्रेनिंग के लिए खर्च और चयनित होने के बाद सैलरी जैसी जानकारी को जान सकते हैं।

पायलट बनने के लिए पात्रता

पायलट बनने के लिए सबसे पहले तो अभ्यर्थी का मैथ्स और फिजिक्स विषयों के साथ 12th उत्तीर्ण होना अनिवार्य है और साथ ही न्यूनतम उम्र 18 वर्ष से कम न हो। अगर आप आर्ट्स या कॉमर्स से 12th उत्तीर्ण हैं तब भी पायलट बनने की ट्रेनिंग ले सकते हैं लेकिन आपको इसके लिए छात्र ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपेन स्कूलिंग (NIOS) या किसी भी स्टेट ओपन बोर्ड से 12वीं कक्षा भौतिक विज्ञान एवं गणित विषय के साथ पास की हो।

फिजिकली फिट होना अनिवार्य

पायलट बनने के लिए अभ्यर्थियों का शारीरिक रूप से फिट होना अनिवार्य है। इसके लिए डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन द्वारा अप्रूव्ड डॉक्टरों द्वारा मेडिकल टेस्ट करवाया जाता है। अगर आप मेडिकली फिट होंगे तो आप आगे ट्रेनिंग लेने के लिए एलिजिबल होंगे।

ट्रेनिंग के लिए देनी होगी परीक्षा

पायलट बनने के लिए छात्रों को पहले कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस देनी होगी। इस यह परीक्षा हर साल 4 बार होती है। अगर आप इसको पास कर लेते हैं तो आप ट्रेनिंग के लिए एलिजिबल हो जाते हैं।

अभ्यर्थियों को दो तरह की ट्रेनिंग (ग्राउंड ट्रेनिंग, फ्लाइंग ट्रेनिंग) दी जाती है। ग्राउंड ट्रेनिंग के दौरान मेटरोलॉजी, एयर रेगुलेशन, नेविगेशन, रेडियो टेलीफोनी, टेक्निकल आदि चीजें सिखाई जाती हैं। इसे पास करने के लिए न्यूनतम 70 फीसदी अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

इस ट्रेनिंग को पास करने के बाद DGCA द्वारा मान्यता प्राप्त फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (FTO) में एडमिशन दिया जाता है। इस जगह पर अभ्यर्थियों को 200 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव दिया जाता है। ट्रेनिंग की अवधि 14 से 15 महीने की होती है।

एयरलाइन कंपनियों से भी ली जा सकती है ट्रेनिंग

भारत में एयर इंडिया सहित अन्य कंपनियां भी पायलट बनने के लिए ट्रेनिंग देती हैं। इस दौरान में थ्योरी से लेकर विमान उड़ाने तक की ट्रेनिंग प्रदान करती हैं। ऐसे में आप एयरलाइन कंपनियों से भी पायलट बनने की ट्रेनिंग ले सकते हैं।

ट्रेनिंग के दौरान खर्च और वेतन

पायलट बनने के लिए ट्रेनिंग का खर्च देश के हिसाब से अलग-अलग है। भारत में किसी उच्च संस्थान से पायलट बनने की ट्रेनिंग लेने के लिए 50 से 55 लाख खर्च करने पड़ सकते हैं। इसके अलावा अमेरिका में भी भारत के जितना ही पैसा खर्च होता है। अन्य देशों में खर्च अलग-अलग हो सकता है।

हालांकि, पायलट बनने के बाद शुरुआत वेतन ही एक से सवा लाख हो सकता है। कैप्टन पद वाले उम्मीदवार को 4 से 8 लाख प्रतिमाह वेतन मिलता है। देश और एयरलाइन कंपनी को ध्यान में रखकर वेतन में कम ज्यादा हो सकता है।

इन कोर्सेज को करके बन सकते हैं नर्स बारहवीं के बाद सीधे ले सकते हैं दाखिला

बारहवीं पूरी करने के बाद लाखों छात्रों का सपना होता है कि वे मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाएं। इसके लिए हर साल लाखों छात्र डॉक्टर बनने के लिए NEET UG की परीक्षा में शामिल भी होते हैं। जो छात्र परीक्षा में सफल होते हैं, उन्हें MBBS कोर्स के लिए चयनित किया जाता है। लेकिन जो छात्र परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं, उनके जहन में सबसे पहले यह सवाल आता है कि आखिर वे मेडिकल क्षेत्र में कैसे करियर बना सकते हैं।

ऐसे में अगर आप भी बगैर नीट परीक्षा को पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। तो आप बीएससी नर्सिंग या एएनएम कोर्स करके नर्स बन सकते हैं। इस समय भारत में तकरीबन 39 लाख से ज्यादा नर्स हैं और भविष्य में इस क्षेत्र में नौकरी की भी संभावनाएं बढ़ रही हैं। अगर आप भी नर्स बनकर मेडिकल क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं, तो आज इस लेख के माध्यम से हम आपको बताएंगे कि आप कक्षा 12वीं के बाद नर्स बनने के लिए कौन-से कोर्स का चयन कर सकते हैं। साथ ही नर्स की पढ़ाई के लिए भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान कौन-से हैं।

नर्स बनने के लिए क्या होती है पात्रता

कक्षा 12वीं के बाद नर्स की पढ़ाई करने के लिए तीन कोर्स जैसे जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और एएनएम सबसे मुख्य कोर्स हैं। इन तीनों ही कोर्स में दाखिला कक्षा बारहवीं के बाद ले सकते हैं।

जीएनएमः इस कोर्स की अवधि 3 साल होती है। जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए छात्र 12वीं साइंस स्ट्रीम से न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

बीएससी नर्सिंगः बीएससी नर्सिंग कोर्स चार साल का होता है। इसमें दाखिला लेने के लिए छात्र कक्षा बारहवीं फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, अंग्रेजी कोर या अंग्रेजी इलेक्टिव न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

एएनएमः ऑक्सिलियरी नर्सिंग एंड मिडवाइफरी कोर्स भी नर्स बनने के लिए होता है। किसी भी स्ट्रीम से कक्षा 12वीं छात्र एएनएम कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। यह एक डिप्लोमा कोर्स होता है, जिसमें छात्रों को बेसिक हेल्थकेयर स्किल्स सिखाई जाती है।

कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों की न्यूनतम आयु 17 साल और अधिकतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए।

कैसे मिलता है दाखिला

नर्सिंग कोर्स में दाखिला लेने के लिए राज्य सरकार के अंतर्गत आने वाले कॉलेज और प्राइवेट कॉलेज अलग-अलग प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं। वहीं अगर बात कोर्स फीस की जाए तो सरकारी कॉलेज की फीस सालाना एक लाख रुपये तक और प्राइवेट कॉलेज की फीस एक लाख या इससे अधिक होती है।

नर्सिंग कोर्स के लिए बेस्ट संस्थान

अगर आप नर्सिंग कोर्स में दाखिला लेने चाहते हैं, तो यहां आपके लिए इसी क्षेत्र में भारत के कुछ प्रतिष्ठित संस्थानों की लिस्ट दी गई है। नर्सिंग की पढ़ाई के लिए आप इनमें से किसी भी संस्थान में दाखिला ले सकते हैं।

एम्स, दिल्ली

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) वेल्लोर,

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

सेंट स्टीफंस हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दिल्ली

भविष्य की राहें और सैलरी

बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पीएचडी करने वाले छात्र नर्सिंग के अलावा टीचिंग क्षेत्र की ओर भी रुख कर सकते हैं। इसके अलावा, बात अगर सैलरी की जाए तो केंद्र सरकार के अस्पतालों में शुरुआती सैलरी 80 हजार रुपये तक और प्राइवेट अस्पताल में शुरुआती सैलरी 20 से 25 हजार रुपये तक होती है। हालांकि अनुभव के आधार पर वेतनमान में बढ़ोतरी भी होती है।

नए आइडियाज की मदद से यूं संवारें अपना करियर, जगमग हो उठेगा भविष्य

सफलता की कुंजी हर किसी के पास होती है. लेकिन, सबको इस्तेमाल करना नहीं आता है. करियर में सफलता पाने के कई उपाय होते हैं. उनमें से एक है 'नया आइडिया'. वर्तमान समय में एक नया आइडिया किसी को भी शोहरत दिला सकता है. किसी भी कंपनी (सरकारी एवं प्राइवेट) में किसी नए कर्मचारी से क्या अपेक्षा होती है? इसका सही उत्तर है – नया आइडिया. ताकि इनोवेटिव सोच की मदद से कंपनी को तेजी से ग्रो किया जा सके.

आज का दौर नई टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप का हो गया है. कई ऐसी स्टार्टअप कंपनियां हैं जो चंद सालों में ही इतनी सफल हो गई हैं जितना फेमस होने में पुरानी कंपनियां को 50 साल लग गया. इस सफलता के पीछे बस एक राज छुपा हुआ है. वो है – नया आइडिया. भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम की वैल्यू करीब 332.7 मिलियन यूएस डॉलर की है.

नए आइडिया का महत्व

करियर, बिजनेस हो या कंपनी, वो नए आइडिया ही होते हैं जो किसी को सफल बनाते हैं. आइडिया को ऑपरच्यूनिटी में बदलने से करियर में बदलाव आते हैं. सोच का दायरा बढ़ाने से, नई चीजों के बारे में जानने से और समस्याओं को आसानी से हल करने के बारे में सोचने से नए आइडिया आते रहते हैं.

विजन बड़ा होने से सफल उद्यमी बन सकते हैं. मौजूदा समय में कई ऐसी कंपनियां हैं जो बस समाधान सुलझा कर करोड़ों रुपये महीना कमाती हैं. क्योंकि ज्यादातर लोगों के पास समस्याओं को लेकर सोचने का समय नहीं होता है. ऐसे में अगर किसी के पास उस समस्या को सुलझाने का सरल आइडिया है तो उसे सब फॉलो करते हैं.

आइडिया जरूरी नहीं है कि हमेशा सरल ही हो. आइडिया कभी-कभी जोखिम भरे होते हैं. ऐसे में जोखिम लेने के लिए भी तैयार होना बेहद आवश्यक है. किसी भी क्षेत्र में करियर बनाने से पहले उस क्षेत्र के बारे में बुनियादी जानकारियां जुटानी चाहिए. ताकि पता चल सके कि आपके आइडिया उस क्षेत्र के लिए कारगर होंगे या नहीं. या आइडिया जमीनी स्तर पर काम करेगा या नहीं. नए आइडिया की मदद से अपने क्रिएटिविटी को पूरी दुनिया को दिखा सकते हैं.

'बुटीक इंडस्ट्री' में संवारें भविष्य

एक बुटीक डिजाइनर का कार्यक्षेत्र सिर्फ कपड़ों को डिजाइन करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उसे हर समय इस बात का भी ध्यान रखना होता है कि वर्तमान में ग्लोबली क्या ट्रेंड है।

साथ ही उसे हमेशा कुछ नया करने का प्रयास करना होता है। उसके कार्यक्षेत्र में कपड़ों को डिजाइन करने के साथ-साथ उसे पूरा करने तक अपना बैस्ट देना होता है अर्थात कपड़ों की सिलाई के अतिरिक्त टीम के साथ मिलकर समय पर काम पूरा करना भी उसका कार्यक्षेत्र है।

योग्यता : इस क्षेत्र में भविष्य देख रहे छात्रों के लिए ग्रैजुएशन करना आवश्यक नहीं है। आप चाहें तो दसवीं या 12वीं के बाद भी शॉर्ट टर्म कोर्स करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। आपको इस क्षेत्र में 3 माह से लेकर एक वर्ष तक के कोर्स मिलेंगे।

वहीं डिप्लोमा कोर्स एक साल से लेकर 4 साल तक होता है । आप अपनी सुविधानुसार चयन कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न सिर्फ लेटैस्ट डिजाइन व ट्रैंड की जानकारी दी जाती है बल्कि सिलाई के बेसिक जैसे कपड़ों की कटाई से लेकर उसकी सिलाई तक के बारे में बताया जाता है। आपको पहले अपने डिजाइन को कागज पर उतारना होता है, उसके बाद कपड़े पर ।

संभावनाएं : बुटीक डिजाइनर बनने के बाद आप कई जगह काम की तलाश कर सकते हैं। सबसे पहले खुद के गुणों में निखार करने के लिए आप किसी बड़ी फैशन डिजाइनर के अंडर ट्रेनिंग ले सकते हैं, वहीं इसके बाद आप किसी कपड़े की कम्पनी या फैशन हाऊस में बतौर बुटीक डिजाइनर काम कर सकते हैं।

अगर आप किसी के साथ काम नहीं करना चाहते तो बतौर फ्रीलांसर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वैसे फिल्म और टी.वी. इंडस्ट्री में भी इनकी डिमांड रहती है।

नालंदा विवि में निकली गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती, कौन कर सकता है आवेदन?

नालंदा विश्वविद्यालय ने गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती के माध्यम से कुल 9 पदों को भरा जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार ईमेल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं तथा चयन प्रक्रिया शॉर्टलिस्टिंग और साक्षात्कार के आधार पर होगी। जारी भर्ती में अलग-अलग गैर-शिक्षण पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता और अनुभव तय किए गए हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

प्रबंधक (आईटी) पद के लिए उम्मीदवार के पास कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीएस या आईटी में बीई/बी.टेक, एमसीए या एम.एससी की डिग्री होनी चाहिए। साथ ही डेटा सेंटर, नेटवर्क और डेटा सुरक्षा के काम में कम से कम 5 साल का अनुभव जरूरी है।

सहायक प्रबंधक (आईटी) पद के लिए भी वही शैक्षणिक योग्यता मांगी गई है, लेकिन इसमें अनुभव की मांग थोड़ी कम है। इस पद के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित क्षेत्र में 3 साल का अनुभव होना चाहिए।

प्रबंधक (गेस्ट हाउस) पद के लिए उम्मीदवार को होटल मैनेजमेंट, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट या पर्यटन में कम से कम 60% अंकों के साथ स्नातक होना चाहिए। इसके अलावा गेस्ट हाउस के काम जैसे फ्रंट डेस्क, हाउसकीपिंग और रखरखाव में 5 साल का अनुभव जरूरी है।

जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल) पद के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या प्रथम श्रेणी का डिप्लोमा होना चाहिए। अगर उम्मीदवार के पास डिप्लोमा है तो 5 साल का अनुभव और डिग्री है तो 3 साल का अनुभव जरूरी है।

सहायक (वित्त) पद के लिए 60% अंकों के साथ कॉमर्स में ग्रेजुएशन होना चाहिए और अकाउंटिंग, टैली, जीएसटी, टीडीएस में 3 साल का अनुभव जरूरी है। वहीं सहायक (प्रशासन) पद के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए और नोटिंग-ड्राफ्टिंग, कंप्यूटर काम और फाइलिंग में 3 साल का अनुभव होना चाहिए।

ऐसे होगा चयन

चयन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। पहले चरण में उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर की जाएगी। इसके बाद चुने गए उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा, जो ऑनलाइन या ऑफलाइन हो सकता है। इसकी जानकारी ईमेल के जरिए दी जाएगी। अंत में दस्तावेज सत्यापन होगा, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को अपने मूल प्रमाण पत्र दिखाने होंगे।

12वीं पास हैं तो भरें एसएससी स्टेनोग्राफर भर्ती का फॉर्म, क्या हैं पात्रता शर्तें

कर्मचारी चयन आयोग (SSC) ने स्टेनोग्राफर ग्रेड सी और डी परीक्षा 2026 के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 15 मई 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं, जबकि शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 16 मई 2026 है। आवेदन में सुधार के लिए 20 से 21 मई 2026 तक करेक्शन विंडो उपलब्ध रहेगी। कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) जुलाई से अगस्त 2026 के बीच आयोजित की जाएगी।

आवेदन की अंतिम समय सीमा 15 मई 2026 को रात 11 बजे (23:00 बजे) तक निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय की तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए पहले ही आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

यह भर्ती अभियान भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संगठनों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदों को भरने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

* आवेदन शुरू 24 अप्रैल 2026

*आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 (23:00 बजे तक)

*शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 16 मई 2026 (23:00 बजे तक)

*आवेदन सुधार विंडो 20-21 मई 2026

*परीक्षा तिथि जुलाई से अगस्त 2026

आवेदन से पहले ओटीआर करना जरूरी

नए पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है, क्योंकि पुराने प्लेटफॉर्म पर किया गया पंजीकरण अब मान्य नहीं होगा। साथ ही, आयोग ने आधार आधारित प्रमाणीकरण अपनाने की भी सलाह दी है, जिससे परीक्षा प्रक्रिया के दौरान सत्यापन आसान हो सके।

रिक्तियां और पात्रता

इस भर्ती के तहत लगभग 731 पद भरे जाएंगे। पदवार और श्रेणीवार विस्तृत जानकारी बाद में जारी की जाएगी। उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 1 अगस्त 2026 तक 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है, साथ ही स्टेनोग्राफी का कौशल होना चाहिए। आयु सीमा इस प्रकार है:

परीक्षा पैटर्न और चयन प्रक्रिया

यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित की जाएगी और यह एक ओपन प्रतियोगी परीक्षा होगी। इसके माध्यम से ग्रुप बी और ग्रुप सी पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। केवल वही उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हो सकेंगे जिनके पास स्टेनोग्राफी में दक्षता होगी। अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद संबंधित विभागों द्वारा दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। उम्मीदवारों को अपने मूल प्रमाण पत्र, अंकपत्र और शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। दस्तावेज प्रस्तुत न करने की स्थिति में उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

'समय' का महत्व समझिए

किसी भी फील्ड में मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। इसके साथ ही समय का भी हमारे जीवन से एक महत्वपूर्ण रिश्ता है। जब मनुष्य का जन्म होता है, तब से समय सदैव उसके साथ बना रहता है। उसके अंत समय पर ही उसके साथ उसका समय समाप्त हो जाता है। यद्यपि मनुष्य जन्म लेते हैं और मर जाते हैं, परन्तु समय निरंतर अपनी धुरी पर चलता रहता है । समय का कार्य मात्र वर्षों व दिनों को दर्शाने तक सीमित नहीं है, वह यह भी दिखाता है कि हमने अपने जीवनकाल में उसका (समय) सदुपयोग किया है या दुरुपयोग ।

इस संसार में अरबों की संख्या में मनुष्य रहते हैं, पर उनमें से कुछ ही समय का सदुपयोग कर उन्नति प्राप्त करते हैं। सभी मनुष्यों के लिए यह सम्भव नहीं होता, क्योंकि वे अपने समय का मूल्य न जानकर उसका सदुपयोग नहीं कर पाते और उसका अपव्यय करते हैं। वे अपने सम्पूर्ण जीवन में इसी दुख से पीड़ित रहते हैं कि उन्होंने समय पर कुछ नहीं किया लेकिन समय बीत जाने के बाद पछताने से कुछ भी हासिल नहीं होता । 'अब पछताए होत क्या, जब चिडिया चुग गई खेत'।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है। अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा कि मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।

हंसिका मोटवानी ने कहा कि मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।

हंसिका ने आगे कहा कि यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।

उन्होंने कहा कि इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।

दिलजीत दोसांझ सिर्फ गायक नहीं मनोरंजन का फुल पैकेज हैं: गीता बसरा

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।

गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।

दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

दिलजीत की बात करें तो वे जल्द ही दर्शकों के लिए फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधूरी प्रेम कहानी है। इसमें वेदांग रैना, शरवरी वाघ और नसीरुद्दीन शाह अहम भूमिकाओं में हैं।

एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने फैंस से किया सवाल, ऐसी कौन सी समस्या, जिसे देखकर जेन ऑस्टेन भी हैरान रह जातीं

अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना भले ही अब लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपने लेखन और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के दिलों में मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। उन्होंने अपने बच्चों के साथ पिछली गर्मियों की छुट्टियों में मशहूर लेखिका जेन ऑस्टेन के घर में गए पलों की तस्वीरें शेयर की।।

दरअसल, जेन ऑस्टेन (1775-1817) एक प्रसिद्ध अंग्रेजी उपन्यासकार थीं, जो 19वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिश जमींदार वर्ग की सामाजिक टिप्पणी, यथार्थवाद और व्यंग्य के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रमुख उपन्यासों में प्राइड एंड प्रेजुडिस, सेंस एंड सेंसिबिलिटी, एम्मा और पर्सुएशन शामिल हैं।

उनकी रचनाएं 18वीं सदी के उत्तरार्ध की संवेदनशीलता के उपन्यासों से 19वीं सदी के साहित्यिक यथार्थवाद में संक्रमण का हिस्सा हैं। लेखिका जेन ऑस्टन का सबसे प्रसिद्ध घर, इंग्लैंड के हैम्पशायर के चावटन गांव में स्थित है। यह घर अब एक संग्रहालय है। यहां पर लोग वैकेशन पर घूमने के लिए आते रहते हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना पिछली गर्मियों में बच्चों के साथ घूमने गई थीं। उन्होंने जेन ऑस्टेन के घर की कुछ झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

इन तस्वीरों में ट्विंकल एक 'रस्टिक' माहौल में नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह 'बेटे आरव और बेटी नितारा भी नजर आ रही हैं, जहां आरव शर्ट और काली हैट पहने हुए कहीं दूर देख रहे हैं, वहीं नितारा भी टोपी लगाकर शरारती अंदाज में कैमरे की ओर झांक रही हैं।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए आधुनिक जीवन की चुनौतियों और मशहूर लेखिका जेन ऑस्टेन के दौर की तुलना की। अभिनेत्री ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, वर्ल्ड बुक डे के लिए एक दिन की देरी हो गई, लेकिन यह पिछली गर्मियों में जेन ऑस्टन के घर की हमारी यात्रा है।

उन्होंने मजाकिया लहजे में पीढ़ियों के अंतर को समझाया और लिखा कि कभी लोग हाथ से लिखे खतों के सही समय पर पहुंचने का इंतजार करते थे और आज की युवा पीढ़ी इस बात से परेशान रहती है कि वाई-फाई का सिग्नल तीन बार से नीचे क्यों चला गया।

ट्विंकल ने अपनी पोस्ट में आधुनिक समाज पर तंज कसते हुए मशहूर उपन्यास 'प्राइड एंड प्रेजुडिस' का जिक्र किया।

उन्होंने लिखा, आज हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां थोड़ा घमंड और बहुत ज्यादा भेदभाव तो है, लेकिन स्क्रीन टाइम को लेकर बिल्कुल भी समझ नहीं है। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से एक सवाल भी पूछा, आज की कौन सी समस्या है, जिसे देखकर खुद जेन ऑस्टेन भी हैरान रह जातीं?

'बाद में सिर्फ पछतावा होगा', अपने पिता को याद कर भावुक हुईं अंकिता लोखंडे

छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने पिता को याद करते हुए कहा है कि वह अपनी हर सांस में उन्हें याद करती हैं। अंकिता के पिता शशिकांत लोखंडे का निधन लंबी बीमारी के बाद 2023 में हो गया था। अंकिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने पिता के साथ की एक पुरानी तस्वीर साझा की है। तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ हैं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, मैं हर सांस में आपको याद करती हूं।

उन्होंने आगे लिखा कि जब आपके माता-पिता आपके साथ हों तो उनसे प्यार करें, वरना मेरा यकीन मानिए, बाद में आपको सिर्फ पछतावा होगा। वर्क फ्रंट पर, अंकिता और उनके पति विक्की जैन अभी 'लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड' के नए संस्करण में नजर आ रहे हैं, जिसमें अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे कलाकार हैं।

अंकिता ने पवित्र रिश्ता में अर्चना मानव देशमुख के रोल से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत भी इस शो का हिस्सा थे। यह शो तमिल टेलीविजन सीरीज थिरुमथी सेल्वम का रूपांतरण था। इसके बाद वह झलक दिखला जा 4 और कॉमेडी सर्कस में दिखीं। उन्होंने एक थी नायिका के दो एपिसोड में भी किया। 41 साल की अभिनेत्री ने 2018 में कंगना रनौत स्टारर 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' से फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म रानी लक्ष्मीबाई की जिंदगी पर आधारित थी।

अंकिता ने 2020 में साजिद नाडियाडवाला की एक्शन थ्रिलर फिल्म बागी 3 में भी काम किया था। यह बागी का तीसरा पार्ट था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और रितेश देशमुख ने भी काम किया था। 2020 में, सुशांत सिंह राजपूत के गुजर जाने के बाद, उनका शो 'पवित्र रिश्ता' दोबारा दिखाया गया। सितंबर 2021 से 'पवित्र रिश्ता – इट्स नेवर टू लेट' नाम की एक सीरीज शुरू हुई, जिसमें अंकिता लोखंडे ने अर्चना और शहीर शेख ने मानव का रोल निभाया।

'खलनायक रिटर्न्स' : फिर से आ रहा 'बल्लू बलराम' सुभाष घई बोले- संजय दत्त फिर से साबित कर देंगे

अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का एंटी-हीरो किरदार 'बल्लू बलराम' अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है। सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा कि हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू 'खलनायक रिटर्न्स' के साथ वापस आ गए हैं। मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा।" उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और पूरी टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

संजय दत्त ने खुद 'खलनायक रिटर्न्स' फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म 1993 की मूल 'खलनायक' का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। 'बल्लू बलराम' का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म 'खलनायक' उस समय की कल्ट क्लासिक बन गई थी। इसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित, जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

मुंबई में एक इवेंट के दौरान संजय दत्त ने घोषणा की कि उनकी कंपनी 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं।

इवेंट में 'खलनायक रिटर्न्स' का छोटा टीजर भी रिलीज किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नजर आए।

संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है। सुभाष जी के बिना यह मुमकिन नहीं था। वह एक लीजेंड हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे इस नई फिल्म का भी हिस्सा होंगे।"

नई फिल्म 'खलनायक रिटर्न्स' के बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं बताई गई है।

विजय वर्मा के 'मटका किंग' में शानदार अभिनय के लिए सनी देओल ने दी बधाई

मनोरंजन जगत में अच्छे कंटेंट के साथ एक के बाद एक फिल्में या सीरीज रिलीज हो रही हैं। जहां एक ओर कंटेंट की मात्रा बढ़ रही है, तो वहीं कलाकारों के बीच अपने अभिनय को साबित करने की होड़ भी तेज है। इसी कड़ी में, हालिया रिलीज क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज 'मटका किंग' ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। खास बात यह है कि इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता विजय वर्मा के काम की चर्चा जोरशोर से हो रही है। अभिनेता सनी देओल ने इंस्टाग्राम के जरिए विजय के काम की सराहना की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर विजय की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, ₹बहुत बहुत बधाई और आपको भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं, विजय वर्मा। मैं आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स और काम को देखने के लिए बेहद उत्सुक हूं।

विजय को उनके संजीदा किरदारों के लिए जाना जाता है। सीरीज 'मटका किंग' में उन्होंने एक ऐसा किरदार निभाया है जो जुए और सट्टे की दुनिया की बारीकियों को पर्दे पर उतारता है। अमेजन प्राइम वीडियो पर जारी वेब सीरीज की कहानी 1960 के दशक की मुंबई में स्थापित सट्टेबाजी की दुनिया पर आधारित है।

नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित और विजय वर्मा अभिनीत यह सीरीज एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो कपास के छोटे व्यापारी से अवैध मटका सट्टेबाजी का बादशाह बनता है। यह सीरीज रतन खत्री के जीवन से प्रेरित है, जिन्हें भारत में मटका जुए का असली किंग माना जाता था और जो करोड़ों का कारोबार करते थे।

'मटका किंग' में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, साई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं। ये सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर आधारित है। ये कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है। वह 'मटका' नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है। वह अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है। यह सीरीज 17 अप्रैल से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है।

रीम शेख बोलीं- दूसरे धर्म के लड़के से न तो प्यार कर पाऊंगी और ना ही शादी, मुझे गालियां पड़ेंगी

रीम शेख टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में शामिल हैं और अकसर ही उनके रिलेशनशिप और शादी को लेकर खबरें आती रहती हैं। रीम शेख ने हाल ही एक पॉडकास्ट में अपने रिलेशनशिप और शादी को लेकर बात की। रीम शेख ने बताया कि वह कभी भी दूसरे फेथ के लड़के से न तो प्यार करेंगी और ना ही शादी। वह उस तरह के रिश्ते में रह ही नहीं पाएंगी। एक्ट्रेस ने इसकी वजह भी बताई।

रीम शेख बोलीं- दूसरे धर्म के लड़के से प्यार नहीं करूंगी

रीम शेख हाल ही शार्दुल पंडित के पॉडकास्ट में नजर आईं। एक्ट्रेस से पूछा गया कि आपके परिवार में एक इंटरफेथ मैरिज हुई है। मान लो तुम्हें दूसरे फेथ के लड़के से प्यार हो गया। तो क्या इससे तुम्हारी जिंदगी में कोई प्रॉब्लम क्रिएट होगी या फिर नहीं? रीम बोलीं, 'ये पर्सन टू पर्सन पर डिपेंड करता है। मैं बहुत धार्मिक हूं। वो शायद लोगों को पता नहीं होगा, लेकिन मैं पांच वक्त की नमाज़ी हूं, तो मैं नहीं कर पाऊंगी। क्योंकि मैं पांच वक्त नमाज़ पढ़ती हूं।'

बताया क्यों दूसरे धर्म में नहीं करेंगी प्यार और शादी

रीम शेख ने आगे कहा, 'जब रमजान आता है तो रोज़े रखती हूं। मैंने हाल ही सारे रोज़े रखने शुरू किए हैं। मेरी लाइफ में जब भी कुछ ऊपर-नीचे होता है, तो सबसे पहले खुदा के पास जाती हूं और दुआ करती हूं। और मैं उस इंसान के साथ जिंदगी नहीं बिता पाऊंगी जो सेम फेथ का ना हो और मेरे धर्म को फॉलो न करता हो। ये मुझसे नहीं हो पाएगा। मुझे इसके लिए बहुत गालियां पड़ेंगी।'

रीम शेख के पैरेंट्स का तलाक, रोज होती थी लड़ाई

रीम शेख के पैरेंट्स की बात करें, तो उनका तलाक हो चुका है। एक्ट्रेस ने इस बारे में एक अन्य पॉडकास्ट में खुलासा किया था। पांच साल पहले उनके मम्मी-पापा का तलाक हो गया था। रीम ने बताया था कि उनके मम्मी-पापा की रोज लड़ाई होती थी, जिसके कारण उनका बचपन बुरा बीता। रीम शेख ने नयनदीप रक्षित के पॉडकास्ट में कहा था कि उन्होंने अपने घर में इतनी ज्यादा हिंसा देखी कि उनके अंदर गुस्सा और डर दोनों बैठ गए। उनके अंदर इतनी हिम्मत भी नहीं बची थी कि किसी से बात भी कर सकें।

रीम शेख के पैरेंट्स ने की थी इंटरफेथ मैरिज

रीम शेख की मां ने तलाक के बाद दूसरी शादी कर ली, जिनसे उनकी एक बेटी है। सौतेली बहन के साथ रीम का काफी अच्छा रिश्ता है। रीम की मां शीतल हिंदू हैं और पिता मुस्लिम। इसलिए उनके घर में पूजा और नमाज दोनों होती थीं। प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो रीम शेख पिछले साल 'लाफ्टर शेफ्स' में नजर आई थीं। उनकी एक वेब सीरीज और चार म्यूजिक वीडियोज भी आए थे। फिलहाल रीम ने अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है।

आप की टूट से बीजेपी को पंजाब में फायदा

चड्ढा केजरीवाल के खिलाफ नैरेटिव सेट करेंगे, पाठक स्ट्रैटजी बनाएंगे

लुधियाना, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ही आम आदमी पार्टी में टूट हो गई। पंजाब के 6 सांसदों ने अचानक पार्टी छोड़ दी। इनमें से 3 राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भाजपा जॉइन कर ली। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि पंजाब में आप के विधायक भी टूटेंगे या नहीं।

वहीं एक तरफ सत्ताधारी पार्टी की टूट और फिर भाजपा में जाना। बड़ा सवाल ये है कि आप की फूट का पंजाब में बीजेपी को कितना बैनिफिट मिलने वाला है। खासकर, राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे चेहरे, जिनकी बदौलत आप ने 2022 में 'बदलाव' का माहौल बनाकर 117 में से रिकॉर्ड 92 सीटें जीत लीं थी। वहीं अशोक मित्तल भले ही सियासी तौर पर नए हों, लेकिन एजुकेशन और कारोबारी सेक्टर में वह पंजाब के जाने-माने नाम हैं।

साल 2022 में आप की सरकार बनने के बाद राघव चड्ढा पंजाब में पार्टी के सबसे ताकतवर चेहरा बनकर रहे। टिकट बंटवारा व कैंपेन ही नहीं बल्कि मंत्रिमंडल से लेकर सरकार चलाने तक में उनकी प्रभावी भूमिका रही। इस दौरान किस आप नेता ने क्या किया, सरकार में दिल्ली का कितना दखल रहता है, आप ने फंड वगैरह कैसे जुटाए, ये तमाम बातें बाहर आईं तो सीधे तौर पर आप को नुकसान पहुंचाएंगी।

वहीं कई बड़े नेता एक्सपोज हुए तो इससे पंजाबियों में आप के खिलाफ नैरेटिव बनेगा। पंजाबी कभी भी बाहरी दबाव को स्वीकार नहीं करते हैं। चड्ढा के जरिए आप की नेगेटिव ब्रॉन्डिंग करवाकर भाजपा खुद को मजबूत करने की कोशिश करेगी। चड्ढा की कही बातों का भरोसा भी ज्यादा होगा क्योंकि वह सरकार के शुरूआती 2 साल पंजाब में पार्टी और सरकार के सेंटरपॉइंट रह चुके हैं। आप को उनकी बातों को झुठलाने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ेगी।

संदीप पाठक का अचानक पार्टी छोड़ना और भाजपा में जाना आप

के लिए सबसे बड़ा झटका है। इसकी बड़ी वजह उनका पॉलिटिकल स्ट्रेटेजिस्ट होना है। 2022 में बैकएंड यानी पर्दे के पीछे से उनकी बनाई स्ट्रैटजी आप के लिए कामयाब रही। टिकट बंटवारे से लेकर कैंपेन डिजाइन और फिर दिल्ली व पंजाब के नेताओं के बीच कोऑर्डिनेशन के साथ 92 विधायकों को संभालने में उनका बड़ा रोल रहा। उनके जाने से आप के लिए सीधे तौर पर रणनीतिक वैक्यूम क्रिएट हो गया है। वहीं 2022 में जैसी हालत आप की पंजाब में थी, वैसी ही बीजेपी की अकाली दल से गठबंधन के टाइम से है। भाजपा कुछेक सीटें जीतती जरूर है लेकिन कभी प्रभावी रोल में नहीं आ सकी। 2027 में पहली बार भाजपा फुल फ्लैश सरकार बनाने के हिसाब से वर्किंग कर रही है। 2022 में जब आप को रिकॉर्डतोड़ जीत मिली तो इसने सबको हैरान कर दिया। तब ऐसा माहौल था कि कांग्रेस तत्कालीन सीएम चरणजीत चन्नी के जरिए सरकार रिपीट कर सकती है।

ऐसी ही स्थिति भगवंत मान के नाम पर अब आप भी मानकर चल रही है। मगर, संदीप पाठक के जरिए भाजपा फिर से उसी तरह की रणनीति बनाकर चुनावी में चौंका सकती है। इसके अलावा उनके विधायकों से रिश्तों का फायदा तो मिलेगा ही, जिसमें आप से टिकट कटने पर भाजपा उन्हें उम्मीदवार बनाने में देरी नहीं करेगी। चुनाव लड़ने के लिए संगठन के साथ फंड भी बहुत जरूरी है। ताबड़तोड़ रैलियां, वर्करों-प्रचारकों के लिए इंतजाम के लिए पैसा चाहिए। शायद यही सोचकर आप ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल, ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता और सन ग्रुप के मालिक विक्रमजीत साहनी को अपने साथ जोड़ा। कोई पॉलिटिकल बैकग्राउंड न होने के बाद भी उन्हें सीधे राज्यसभा में भेज दिया।

सरकारी प्रिंसिपल को युवक ने पीटा, गला दबाया

चेहरे पर मुक्के मारे, जमीन पर पटका, आरोपी कॉलेज स्टूडेंट बोला- गुस्से में मारा, गिरफ्तार

जोधपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर में एक सरकारी प्रिंसिपल के साथ कॉलेज स्टूडेंट ने सरेराह मारपीट की। युवक ने प्रिंसिपल को गाली-गलौज करते हुए चेहरे पर मुक्के मारे, पेट पर लात मारी। वहीं गला दबाया। इसके बाद जमीन पर पटककर मारा। इसके बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव करते हुए प्रिंसिपल को बचाने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी युवक ने उन्हें भी धमकी देते हुए उन्हें भी अपशब्द कहे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

घटना बनाड़ थाना इलाके की शनिवार शाम 6:45 बजे की है। लक्ष्मण नगर नांदड़ी निवासी शिवराम (52) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें बताया कि मैं नांदड़ी के सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल हूं। मैं किसी काम से जा रहा था। इस दौरान आरोपी युवक ने मारपीट की। पुलिस ने बाद में आरोपी युवक मोहित (24) निवासी सारण नगर को शनिवार रात गिरफ्तार किया।

यूपी के 50 जिलों में लू, बांदा में पारा 47 .4

एमपी के इंदौर-ग्वालियर में 8वीं तक के स्कूल बंद, बिहार के 10 जिलों में बारिश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश के 50 जिलों में लू चल रही है। प्रदेश का बांदा शनिवार को देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिहार के कई जिलों में रविवार को मौसम ने करवट ली। सुपौल, रक्सौल और मधुबनी समेत 10 जिलों में तेज बारिश हुई। दरभंगा में काले बादल से दिन में अंधेरा छा गया।

किशनगंज में तेज आंधी और बारिश की वजह कई जगह पेड़ उखड़ गए।

मध्य प्रदेश के इंदौर और ग्वालियर जिले में आंगनवाड़ी केंद्र और 8वीं तक के सभी स्कूल 27 से 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे। हिमाचल प्रदेश के ऊना में तापमान 42.2C रहा। यहां 27 अप्रैल से बारिश का अनुमान भी है।

गर्मी बढ़ने के साथ देश में बिजली की मांग 252.07 गीगावॉट (GW) तक पहुंच गई, जो अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2024 में 250 GW का रिकॉर्ड बना था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में हीटवेव और वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है।

मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का निधन

लंबी बीमारी के बाद ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के जाने-माने फोटोग्राफरों में शुमार रघु राय का रविवार तड़के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। रघु राय ने अपनी कैमरे की नजर से भारत के विविध रंगों और जीवन के अनेक पहलुओं को दुनिया के सामने पेश किया। उनके बेटे और फोटोग्राफर नितिन राय ने बताया, 'पिता को दो साल पहले प्रोस्टेट कैंसर हुआ था, जिसका इलाज हो गया था। इसके बाद कैंसर पेट तक फैला, वह भी ठीक हो गया। हाल ही में कैंसर उनके मस्तिष्क तक पहुंच गया था और उम्र से जुड़ी अन्य समस्याएं भी थीं।'

रघु राय अपने पीछे पत्नी गुरमीत, बेटे नितिन और बेटियां लगन, अवनि और पूर्वई को छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम 4 बजे लोधी श्मशान घाट पर किया जाएगा।

कौन थे रघु राय?

रघु राय का जन्म साल 1942 में पंजाब के झांग में हुआ था। अब यह इलाका पाकिस्तान का हिस्सा है। रघु राय ने साल 1962 में अपने बड़े भाई एस पॉल के साथ फोटोग्राफी सीखना शुरू किया। 60 के दशक के मध्य में रघु राय ने अपने करियर की शुरुआत की और द स्टेट्समैन में बतौर फोटोग्राफर नौकरी शुरू की। अपने करियर के दौरान रघु राय ने कई ऐतिहासिक घटनाओं को अपने कैमरे में कैद किया।

साल 1976 में रघु राय ने द स्टेट्समैन को छोड़कर साप्ताहिक मैगजीन संडे में बतौर पिक्चर एडिटर नौकरी शुरू की। राय ने 1984 में भोपाल गैस त्रासदी को भी अपने कैमरे में कैद किया और साथ ही इस त्रासदी के प्रभाव पर भी काम किया। रघु राय एक बेहतरीन फोटोग्राफर के साथ ही लेखक भी थे और उन्होंने भारत के लोगों, संस्कृति और शहरों पर 18 से ज्यादा किताबें लिखीं। दुनिया के प्रतिष्ठित मंचों पर भी रघु राय के काम की सराहना हुई। साल 1972 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की कवरेज के लिए उन्हें पद्मश्री सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

महिला ने युवक संग लगाई फांसी

बालोद, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में महिला और युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार को दोनों के शव पेड़ पर एक ही फंदे से लटके हुए मिले। शादीशुदा महिला घर से बैंक जाने की बात कहकर निकली थी। मामला बालोद कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक महिला का नाम संतोषी बाई यादव (40) है, जबकि युवक का नाम थलेश खरांशु (25)। दोनों अर्जुंदा थाना क्षेत्र के ग्राम गब्दी के रहने वाले थे और पड़ोसी थे। दोनों की लाश गांव से करीब 45 किलोमीटर दूर ग्राम परसोदा में मिली है।

हालांकि, अभी तक सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

थलेश खरांशु मजदूरी करता था। वहीं पड़ोस में रहने वाली संतोषी बाई यादव भी मजदूरी करती थी। संतोषी शादीशुदा थी और उसके बेटा-बेटी भी हैं, जबकि थलेश की शादी नहीं हुई थी। संतोषी का पति भी मजदूरी करता है। थलेश का अक्सर संतोषी के घर आना-जाना लगा रहता था।

इस बीच दोनों एक-दूसरे को चाहने लगे। संतोषी शनिवार सुबह करीब 11 बजे घर से बैंक जाने की बात कहकर निकली, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

ऐसे में परिजन देर रात अर्जुंदा थाने पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत तलाश शुरू की। वहीं रविवार सुबह करीब 8 बजे ग्राम परसोदा में पाकुरभाट मार्ग से अंदर एक खेत में महिला और युवक के शव पेड़ से लटके हुए मिले।

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ

भैरवनाथ के कपाट खुलने के बाद धाम में सांयकालीन आरती शुरू, बद्रीनाथ में अब तक 37,884 श्रद्धालु पहुंचे

रुद्रप्रयाग, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है।

यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं।

धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल

रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें।

रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पिछले 4 दिनों से यात्रा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह व्यवस्थित हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी टीमें मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं। साथ ही भैरवनाथ जी के कपाट खुलने के साथ ही आज से केदारनाथ धाम में सांयकालीन आरती का शुभारंभ हो गया है। जिससे श्रद्धालुओं को एक और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा।

केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि केदारनाथ के कपाट खुले हुए आज चौथा दिन है और आज भगवान भैरवनाथ के कपाट भी खुल गए हैं।

कोडरमा के ध्वजाधारी धाम में शादी बना रणक्षेत्र

खाने को लेकर झगड़ पड़े वर-वधू पक्ष, एक दर्जन से अधिक हुए घायल

कोडरमा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र स्थित ध्वजाधारी धाम में शनिवार रात एक शादी समारोह के दौरान उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब वर और वधू पक्ष के बीच खाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। कुर्सियां चलने लगीं। इस मारपीट में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, वधू निर्मला की शादी जयनगर थाना क्षेत्र के डंडाडीह निवासी अनूप सिंह से तय थी। विवाह ध्वजाधारी धाम में आयोजित किया गया था। शादी की रस्मों के दौरान ही बारातियों के भोजन को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई।

वधू के पिता विजय सिंह ने बताया कि पहले ही यह तय हो गया था कि वधू पक्ष अपने मेहमानों के भोजन की व्यवस्था करेगा, जबकि वर पक्ष बारातियों के खाने का इंतजाम खुद करेगा। बावजूद इसके, शादी के दौरान वर के भाई जितेंद्र और उनके बहनोई ने भोजन व्यवस्था को लेकर आपत्ति जताई और वधू पक्ष से उलझ गए।

विवाद के दौरान गाली-गलौज शुरू हो गई। सूचना मिलने पर कोडरमा थाना की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। हालांकि, पुलिस के जाते ही विवाद फिर भड़क उठा। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान कुर्सियां फेंकी गईं। कई लोग घायल हो गए।

मारपीट में घायल सभी लोगों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इधर, वधू के पिता विजय सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि भले ही शादी की रस्म पूरी हो गई है, लेकिन वे अपनी बेटी को ससुराल नहीं भेजेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर पक्ष का व्यवहार बेहद अनुचित रहा है। साथ ही उन्होंने दहेज में दी गई राशि और सामान वापस करने की मांग भी उठाई है। मामले को लेकर तिलैया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुट गई है।

पानी को लेकर पंजाब और राजस्थान के बीच विवाद तेज, अब दिल्ली पहुंचा मामला

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर भारत के दो प्रमुख राज्यों, पंजाब और राजस्थान के बीच जल बंटवारे का दशकों पुराना विवाद सुलझने का नाम नहीं ले रहा है।

पंजाब सरकार की ओर से राजस्थान पर पानी की रॉयल्टी के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि का दावा ठोके जाने के बाद राजस्थान सरकार भी गंभीर नजर आ रही है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार भी इस मामले को विधिक राय के लिए दिल्ली भेज दिया है।

पंजाब सरकार ने अपने आधिकारिक पत्र में वर्ष 1920 के एक ऐतिहासिक समझौते का हवाला दिया है। यह समझौता तत्कालीन पंजाब सरकार, बहावलपुर के नवाब (वर्तमान

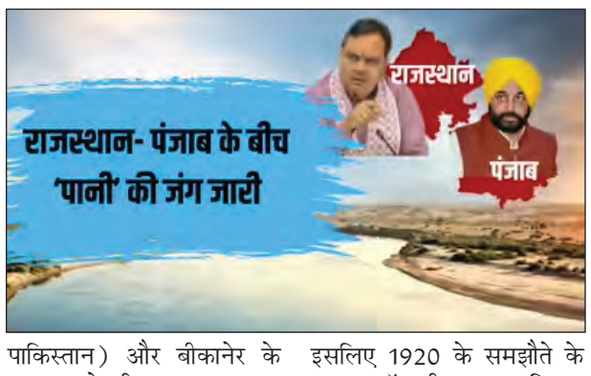

पाकिस्तान) और बीकानेर के महाराजा के बीच हुआ था।

शर्तः समझौते के तहत सतलुज नदी का पानी बीकानेर रियासत (अब राजस्थान का हिस्सा) को देने के बदले रॉयल्टी तय की गई थी।

पंजाब का तर्कः पंजाब का कहना है कि चूंकि सतलुज, रावी और ब्यास नदियां उसके भौगोलिक क्षेत्र से होकर बहती हैं, इसलिए 1920 के समझौते के अनुसार रॉयल्टी का यह अधिकार आज भी कानूनी रूप से वैध है।

पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाने के बाद राजस्थान सरकार पूरी तरह सतर्क है। राज्य सरकार ने इस संवेदनशील मामले को कानूनी राय के लिए दिल्ली भेज दिया है। पूरे मामले में राजस्थान सरकार का अपना तर्क है। प्रदेश के अधिकारियों का इस पर ये हैं मानना 1955 का समझौताः आजादी के बाद 1955 में जल बंटवारे के नए मानक तय हुए थे, जिन्हें आधार बनाया जाना चाहिए। कानूनी वैधताः एक सदी पुराने समझौते की वर्तमान संवैधानिक स्थिति की जांच आवश्यक है।

यदि यह विवाद आगे बढ़ता है, तो इसका सीधा असर दोनों राज्यों की राजनीति और कृषि क्षेत्र पर पड़ सकता है।

राजस्थान इसे एक 'बंद हो चुके अध्याय' के रूप में देख रहा है, जबकि पंजाब इसे अपने प्राकृतिक संसाधनों पर हक की लड़ाई मान रहा है। वर्तमान में मामले की फाइलें दिल्ली में विशेषज्ञों के पास हैं, जिनकी रिपोर्ट पर ही भविष्य का रुख साफ होगा।

ग्लास कारोबारी का अपहरण, एक करोड़ की फिरौती मांगी, फिर 14 लाख लेकर छोड़ा

बारां, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। बारां शहर में ग्लास कारोबारी के अपहरण और फिरौती का सनसनीखेज मामला सामने आया। बदमाशों ने कारोबारी सतीश गौड़ का कथित तौर पर दिनदहाड़े अपहरण कर उससे एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। बदमाशों ने 14 लाख रुपये लेने के बाद उसे छोड़ दिया। पीड़ित कारोबारी सतीश ने बताया कि वह सुबह करीब 9:30 बजे घर से दुकान के लिए निकले थे। बीच में कब्रिस्तान तक गए थे। इसी दौरान करीब 9:55 बजे छह बदमाशों ने बंदूक की नोंक पर उसका अपहरण कर आर्टिका कार में बैठा लिया और अज्ञात स्थान पर ले गए।

आरोप है कि बदमाश कारोबारी को अमापुरा जेल के पास बैरवा बस्ती स्थित खेत की टापरी पर ले

गए, जहां उन्हें सुबह से रात तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार, बदमाशों ने उनकी न्यूड वीडियो भी बनाई और चेतावनी दी कि पुलिस को सूचना दी तो अंजाम बुरा होगा।

बदमाशों पर कारोबारी से 6 लाख रुपये नगद और 8 लाख रुपये का चेक लेने का आरोप है। इसके बाद उसे छोड़ दिया गया। इस मामले में शाहरुख मिर्जा, राहिल, मोईन समेत करीब छह युवकों पर अपहरण और फिरौती लेने का आरोप लगाया गया है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के विरोध में व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने पीड़ित कारोबारी के साथ आज पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु को ज्ञापन सौंपा है। व्यापारियों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

बारां शहर के डीएसपी हरिराम सोनी ने कहा कि व्यापारी की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

धनबाद से गयाजी जा रहा परिवार खत्म

दनुआ घाटी में ट्रकों के बीच पिस गई कार, एक ही परिवार के पांच की मौत

हजारीबाग, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड से बिहार जा रही एक कार दनुआ घाटी में शनिवार की शाम भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। एक ट्रक के पीछे चल रही कार को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार आगे और पीछे चल रहे दोनों ट्रकों के बीच बुरी तरह फंस गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद जीटी रोड पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के तुरंत बाद दोनों ट्रक चालक मौके से फरार हो गए। हादसे का दृश्य बेहद भयावह था। कार इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी कि उसमें सवार लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। शवों को बाहर निकालने के लिए गैस कटर की मदद से कार को काटना पड़ा। इस दौरान घटनास्थल पर मौजूद लोगों का दिल दहल गया। हादसे में एक बच्ची का सिर धड़ से अलग हो गया था। कई घंटे की मशक्कत के बाद सभी शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मृतकों की पहचान शिव कुमार भुईया (42), उनकी पत्नी रूबी कुमारी (38), पुत्री सोनी कुमारी (12), सुहानी कुमारी (8) और उनके ससुर के रूप में हुई है। सभी मधुबन थाना क्षेत्र के बुदोरा कॉलोनी के निवासी थे। वे बिहार के गयाजी जिले में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। शिव कुमार भुईया बीसीएल के फुलारीटांड स्थित बेनीडीह कोलियरी में लाइनमैन हेल्पर के पद पर कार्यरत थे।

बर्थडे बॉय ने 3 दोस्तों को मार डाला

चेहरे पर केक लगाने पर भड़का, पत्नी बोलीं- खून के बदले खून चाहिए, इलाके में फ्लैग मार्च

बुलंदशहर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। बुलंदशहर में जन्मदिन पार्टी के दौरान भाजपा नेता के भाई, चचेरे भाई और भतीजे की हत्या कर दी गई। शनिवार रात 12 बजे जिम में पार्टी चल रही थी। चश्मदीदों ने बताया कि भाजपा नेता के चचेरे भाई ने बर्थडे बॉय के चेहरे पर केक लगा दिया।

इससे वह भड़क गया। पहले कहासुनी हुई। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर भाजपा नेता के भाइयों-भतीजे पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। तीनों की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी भाग गए। मामला खुर्जा के फिटनेस जिम का है। मुख्य आरोपी जीतू सैनी बसपा का नगर अध्यक्ष रह चुका है।

जैसा जब्त किया था उसी हाल में ट्रैक्टर चाहिए

मालिक बोला- थाने में खड़ा था, पार्ट्स चोरी हुए 3 .20 लाख का जुर्माना भरकर छुड़ाने आया था

टोंक, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अवैध बजरी मामले में थाने में जब्त ट्रैक्टर के पार्ट्स चोरी हो गए। मालिक जब कोर्ट से 3.20 लाख का जुर्माना भरकर अपना ट्रैक्टर वापस लेने पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। ट्रैक्टर में बैटरी, डायनेमो और लिफ्टिंग पार्ट्स गायब थे। ट्रैक्टर मालिक ने इसे लेने के इनकार कर दिया और एसपी ऑफिस में इसकी शिकायत कर दी।

ट्रैक्टर मालिक की मांग थी कि जिस हालत में ट्रैक्टर जब्त किया था, उसी हालत में उसे वापस मिले। टोंक के करीरिया निवासी ट्रैक्टर मालिक रामप्रसाद मीणा ने बताया- करीब पांच महीने पहले उसकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को बजरी परिवहन में सदर थाना टोंक में जब्त कर बंद किया गया था।

लंबे समय तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 5 दिन पहले कोर्ट के आदेश पर खनिज विभाग टोंक में 3 लाख 20 हजार रुपए जमा करा दिए। फिर कोर्ट का आदेश लेकर टोंक सदर थाने पहुंचा तो ट्रैक्टर के कई पार्ट्स नहीं मिले। ट्रैक्टर से बैटरी, सेल्फ डायनेमो, लिफ्ट के पार्ट्स नहीं थे। यह देखकर मेरे होश उड़ गए।

रामप्रसाद मीणा ने बताया- ट्रैक्टर थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे के सामने खड़ा था, उसके बावजूद ट्रैक्टर के पार्ट्स का चोरी होना बहुत बड़ी चूक है। मीणा ने कहा- जब पार्ट्स चोरी होने के मामले में थाने में बात की तो किसी ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

भारतीयों ने मच्छर भगाने में फूंक दिए 3788 करोड़ रुपये

तेजी से बढ़ रहा कंपनियों का कारोबार

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में गर्मी बढ़ने के साथ मच्छरों की भी संख्या बढ़ गई है। मच्छरों के डंक से होने वाली बीमारियों से बचने के लिए लोग तरह-तरह की चीजें इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे भारत में मॉस्किटो रेपलेंट (मच्छर भगाने वाले प्रोडक्ट) का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हाल में आई ग्रैंड व्यू रिसर्च और होराइजन डेटाबुक की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में भारत में मच्छर भगाने वाले उत्पादों का कुल कारोबार करीब 402 मिलियन डॉलर (करीब 3788 करोड़ रुपये) का रहा। आगे इसमें और तेजी आ सकती है। भारत में मच्छर भगाने वाले प्रोडक्ट्स का कुल कारोबार साल 2033 तक बढ़कर 755 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। साल 2026 से 2033 के बीच इस सेक्टर में करीब 8% की सालाना वृद्धि (सीएजीआर) देखी जा सकती है। साल 2025 में वैश्विक कीट निवारक बाजार में भारत का योगदान 6.7% रहा।

मच्छरों का आतंक अब केवल असुविधा का कारण नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों को अनिवार्य जरूरत मानने लगे हैं: मच्छरों से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जिका वायरस और जापानी एन्सेफलाइटिस जैसी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

क्या है एंटी-डंपिंग ड्यूटी जिसने हिला दिया भारत का सोलर मार्केट?

अमेरिका ने क्यों लगाया भारी टैक्स

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारतीय सोलर पैनल निर्माताओं को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने भारतीय सोलर उत्पादों के आयात पर 123% एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की घोषणा की है। इस फैसले से उन भारतीय कंपनियों के कारोबार पर गहरा असर पड़ेगा जो अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद निर्यात करती हैं।

अगर एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी दोनों को मिला दिया जाए, तो अमेरिका में भारतीय सोलर उत्पादों पर कुल टैक्स 234% तक पहुंच सकता है। यह इंडोनेशिया (178%) और लाओस (103%) की तुलना में कहीं अधिक है। इससे भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल हो सकता है। एंटी-डंपिंग ड्यूटी एक प्रकार का आयात कर है।

शेयर बाजार की मंदी में डूबे 2 लाख करोड़

टीसीएस और रिलायंस को बड़ा झटका, इन 3 कंपनियों ने बचाई लाज

नई दिल्ली, 26अप्रैल(एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताह रही भारी गिरावट ने देश की दिग्गज कंपनियों को तगड़ा झटका दिया है। सेंसेक्स और निफ्टी में आई गिरावट की वजह से टॉप-10 मूल्यवान कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) में संयुक्त रूप से 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आई है। इस गिरावट में आईटी दिग्गज टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है।

पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 1,829.33 अंक (2.33%) और एनएसई निफ्टी 455.6 अंक (1.87%) नीचे गिर गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के विशेषज्ञों के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और IT कंपनियों के कमजोर नतीजों ने बाजार पर दबाव बनाया।

इन कंपनियों को बड़ा नुकसान

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप सबसे

ज्यादा 66,699.44 करोड़ रुपये घटकर 8,67,364.12 करोड़ रुपये रह गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 50,670.34 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसके साथ कंपनी का मार्केट कैप 17,96,647.50 करोड़ रुपये रह गया।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 23,090.05 करोड़ रुपये गिरकर 12,08,225.48 करोड़ रुपये रह गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसका मार्केट कैप 5,13,020.56 लाख करोड़ रुपये रह गया।

भारती एयरटेल का मार्केट कैप 19,406.59 करोड़ रुपये कम होकर 11,05,718.62 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक को भी नुकसान हुआ। इस बैंक का मार्केट कैप 14,663.27 करोड़ रुपये घटकर 9,50,345.40 करोड़ रुपये रह गया।

लार्सन एंड टुब्रो (L&T) को 11,142.62 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके साथ इसका मार्केट कैप 5,52,171.88 करोड़ रुपये रह गया।

इन 3 कंपनियों की चांदी

मार्केट में गिरावट के बाद भी कुछ कंपनियों को मुनाफा रहा। देश टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल इन 3 के मार्केट कैप में तेजी आई: हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ रुपये हो गया।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक का मार्केट कैप 19,522.76 करोड़ रुपये बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ रुपये हो गया।

बजाज फाइनेंस कंपनी के वैल्युएशन में 8,253.64 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। यह 5,73,690.81 करोड़ रुपये हो गया।

चीन से दूरी या करीबी : भारत की ट्रेड स्ट्रैटेजी का गणित आया सामने

धीरे–धीरे ये टारगेट करना है हासिल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल(एजेंसियां)। भारत चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों में स्ट्रैटेजिक एप्रोच अपना रहा है। इसका मकसद निर्यात बढ़ाना और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करना है। साथ ही धीरे-धीरे चीनी इनपुट पर अपनी निर्भरता कम करना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारा फोकस बीजिंग से पूरी तरह से संबंध तोड़ने के बजाय संतुलन बनाए रखने पर है।

अधिकारी ने बताया कि भारत घरेलू उत्पादन को मजबूत करके और अपने सप्लायर बेस में डायवर्सिफिकेशन लाकर चीन को निर्यात बढ़ा रहा है। दूसरी तरफ चीनी इनपुट पर निर्भरता जारी रखे हुए है। कारण है कि पूरी तरह से अलग होना संभव नहीं है।

अधिकारी ने कहा, 'हालांकि, भारत चीन से पूरी तरह से अलग नहीं हो सकता है। फिर भी वह अपनी क्षमता का निर्माण कर रहा है। पहला, फ्लेक्सिबल सप्लाई चेन बनाने के मामले में और दूसरा अपनी एक्सपोर्ट कैपिसिटी बढ़ाने के मामले में।'

भारत चीन से क्या आयात करता है?

अधिकारी ने समझाया कि भारत मुख्य रूप से चीन से कच्चा माल, इंटरमीडिएट गुड्स और कैपिटल

इक्विपमेंट इंपोर्ट करता है।

इनमें ऑटो कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे और असेंबली, मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी और संबंधित पुर्जे और ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (APIs) शामिल हैं।

ये सभी तैयार उत्पाद बनाने में मदद करते हैं।

इससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट को बढ़ावा मिलता है।

अधिकारी ने कहा, 'चीन जो कुछ भी सप्लाई कर रहा है, वह भारत के उत्पादन की रीढ़ है। कुछ टिकाऊ उपभोक्ता सामान भी आ रहे हैं। लेकिन, उनकी संख्या कम है।'

निर्भरता के साथ निर्यात की बढ़ती रफ्तार

व्यापार के आंकड़े इस निर्भरता को दिखाते हैं। साथ ही निर्यात में बढ़ती रफ्तार को भी दर्शाते हैं। 2025-26 में चीन को भारत का निर्यात लगभग 37 फीसदी बढ़कर 19.47 अरब डॉलर हो गया। 2024-25 में यह 14.25 अरब डॉलर था।

इसके उलट इसी अवधि के दौरान चीन से आयात 16 फीसदी बढ़कर 113.44 अरब डॉलर से 131.63 अरब डॉलर हो गया। इससे व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

संदर्भ के लिए 1997-98 में निर्यात केवल 0.71 अरब डॉलर और आयात 1.11 अरब डॉलर था।

पिछले वित्तीय वर्ष में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, बिजली के उपकरण, टेलीफोन सिस्टम, झींगा, एल्यूमीनियम सिल्लियां, ब्लैक टाइगर झींगा, जहाज और कुछ कृषि वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में निर्यात में बढ़ोतरी देखी गई है।

भारत को क्या करने की जरूरत?

इसके बावजूद अधिकारी ने संकेत दिया कि चीन के आयात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारत को अपने एक्सपोर्ट बास्केट (निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की लिस्ट) का और विस्तार करने की जरूरत है। साथ ही, इंपोर्ट में बढ़ोतरी की वजह इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, फार्मास्यूटिकल सामग्री, एपीआई, ऑटो पार्ट्स, टेलीकॉम उपकरण, इंडस्ट्रियल मशीनरी, कंप्यूटर हार्डवेयर और पेरिफेरल्स, ऑर्गेनिक केमिकल्स, बैटरियां, प्लास्टिक का कच्चा माल, बचे हुए केमिकल्स और बल्क ड्रग्स की मांग है।

अधिकारी ने आगे कहा, 'ये सभी सामान आखिरकार हमारे इंडसट्रियल प्रोसेस में ही इस्तेमाल हो रहे हैं। जैसे-जैसे हम इंडसट्रियलाइजेशन की ओर बढ़ रहे हैं, इंपोर्ट स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा।'

सरकार ने क्या उठाए हैं कदम?

इस असंतुलन को दूर करने के लिए सरकार घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को तेज करने में जुटी है। प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम इस पहल का अहम हिस्सा है। यह व्यवसायों को देश के भीतर वैल्यू चेन बनाने में मदद करती है। हालांकि, उद्योगों को अभी भी इंपोर्टेड कैपिटल गुड्स और इंटरमीडिएट इनपुट्स की जरूरत होती है।

इसके अलावा, सरकार उन प्रोडक्ट्स की पहचान कर रही है जिनके लिए चीन पर निर्भरता ज्यादा है और जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी हैं। वह ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बाजारों से सोर्सिंग के विकल्पों की तलाश कर रही है।

ट्रेड फ्लो पर कड़ी नजर रखने और जरूरत पड़ने पर सुधारात्मक कदम उठाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया है। इस पैनल में वाणिज्य विभाग, राजस्व विभाग, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय और वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय के प्रतिनिधि शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री तेह /श्री दुर्गती नामक संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि प्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-58
सूर्यास्त 18-30
दिशाशूल - पूर्व - कच में मुंह देखकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष सोमवार 27 April 2026
तिथि - एकादशी 18-16 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 21-18 रात्रि तक उप उ.फाल्गुनी
योग - ध्रुव 21-35 रात्रि तक उप व्याघात
करण - वणिज 06-08 तक उप विष्टि (भद्रा)
मोहिनी एकादशी व्रत
विशेष: रोहिण्यां शुक्र २१-०३ से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष	मे	मेष..... 06-13 बजे
चंद्र	सिंह	मे	वृष..... 06-58 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन.. 08-59 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क..... 11-11 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---- 13-23 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या---- 15-30 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---- 17-36 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक...19-46 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु..... 21-59 बजे
			मकर..... 00-05 बजे
			कुंभ.... 01-50 बजे
			मीन..... 03-34 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-52 से 09-04 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
अमृत	05-58 - 07-29	शुभ	चंचल	18-30 - 19-59	शुभ
काल	07-29 - 09-04	अशुभ	रोग	19-59 - 21-24	अशुभ
शुभ	09-04 - 10-39	शुभ	काल	21-24 - 22-49	अशुभ
रोग	10-39 - 12-14	अशुभ	लाभ	22-49 - 00-14	शुभ
उत्पात	12-14 - 13-49	अशुभ	उत्पात	00-14 - 01-39	अशुभ
चंचल	13-49 - 15-24	शुभ	शुभ	01-39 - 03-03	शुभ
लाभ	15-24 - 16-59	शुभ	अमृत	03-03 - 04-28	शुभ
अमृत	16-59 - 18-30	शुभ	चंचल	04-28 - 05-58	शुभ

स्टार्टअप्स के लिए खुशखबरी: फंड फॉर फंड्स के लिए सरकार ने जारी किए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार को एक बड़ा फैसला लिया। सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) योजना की दूसरी किस्त को मंजूरी दे दी है। यह पूरी किस्त 10,000 करोड़ रुपये की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने इसके संचालन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं।

इन नियमों का उद्देश्य पूंजी प्रवाह को बेहतर बनाना है। सरकार भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र में निवेश की दक्षता बढ़ाना चाहती है। इसके लिए शासन और निगरानी के कड़े तंत्र बनाए गए हैं। यह योजना सीधे निवेश नहीं करेगी। यह सेबी (एसईबीआई) के साथ पंजीकृत श्रेणी-I और श्रेणी-II के वैकल्पिक निवेश कोषों के माध्यम से काम करेगी। इस फंड के जरिए केवल उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में ही निवेश होंगे।

सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से निवेश में अनुशासन आएगा। इससे निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। नए नियमों से अलग-अलग क्षेत्रों और चरणों के स्टार्टअप्स को फंडिंग मिल सकेगी। साथ ही, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों के स्टार्टअप्स तक पहुंच आसान होगी। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक शुरुआत में इसे लागू करने वाली एजेंसी होगी। सिडबी फंड चयन और निगरानी की पूरी प्रक्रिया को संभालेगी।

डीपीआईआईटी एक और अतिरिक्त एजेंसी को भी शामिल करेगा। इसका उद्देश्य योजना की पहुंच को और बढ़ाना है। नई एजेंसी के आने से तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ेगी। स्टार्टअप इकोसिस्टम की कमियों को दूर करने के लिए फंड को चार हिस्सों में बांटा गया है। इसमें डीप टेक, माइक्रो वेंचर कैपिटल, प्रौद्योगिकी-आधारित विनिर्माण और सेक्टर-एग्नोस्टिक फंड शामिल हैं।

फंड आवंटन से पहले कड़ी जांच होगी। कार्यान्वयन एजेंसी शुरुआती स्क्रीनिंग और ड्यू डिलिजेंस करेगी। इसके बाद एक वेंचर कैपिटल इन्वेस्टमेंट कमेटी प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी। यह समिति टीम के अनुभव और निवेश रणनीति की जांच करेगी।

सरकार ने रूस से कच्चे तेल आयात के आंकड़े देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 26 अप्रैल(एजेंसियां)। रूस से आयात होने वाले कच्चे तेल के आंकड़े साझा नहीं किए जा सकते, क्योंकि यह वाणिज्यिक और गोपनीय प्रकृति के हैं। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने यह जानकारी दी। पीपीएसी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत काम करता है। वहीं, केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भी इस फैसले का समर्थन किया। आयोग ने कहा कि यह मामला देश के रणनीतिक और आर्थिक हितों से जुड़ा है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत एक आवेदन दायर किया गया था। इसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से आयात किए गए कच्चा तेल का ब्योरा मांगा गया था। इसमें भारतीय तेल निगम लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (एचपीसीएल), तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) विदेश, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों की अलग-अलग जानकारी भी मांगी गई थी।

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने यह जानकारी देने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि देश और कंपनियों की ओर से तेल आयात की अलग-अलग जानकारी वाणिज्यिक और गोपनीय है।

रिश्तेदारों को रेंट देकर एचआरए छूट लेते हैं तो सावधान

बदल गए हैं नियम, सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) क्लेम करने वाले सैलरीड टैक्सपेयर्स को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। इनकम टैक्स (आईटी) एक्ट के तहत इसे लेकर 1 अप्रैल, 2026 से सख्त डिस्क्लोजर नियम लागू हो गए हैं। इसके लिए एक नया डिक्लेरेशन फॉर्मेट ' फॉर्म 124 ' पेश किया गया है। यह पहले के 'फॉर्म 12बीबी' की जगह लेगा। इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए इसमें अतिरिक्त जानकारी देना जरूरी है।

कर्मचारियों को टीडीएस (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) के लिए यह फॉर्म अपने एम्प्लॉयर्स को जमा करना है। अगर वे एचआरए क्लेम कर रहे हैं तो अब उन्हें मकान मालिक के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बताना होगा।

मुख्य बदलाव अतिरिक्त डिस्क्लोजर में बढ़ोतरी है। अब कर्मचारियों को यह भी बताना होगा कि क्या मकान मालिक उनका कोई रिश्तेदार है। दिए गए किराए और मकान मालिक की जानकारी के साथ उन्हें यह अतिरिक्त जानकारी देनी है। उस रिश्ते की प्रकृति क्या है, जैसे कि माता-पिता, पति/पत्नी या भाई-बहन। इसमें अगर सालाना किराया 1 लाख रुपये से ज्यादा है तो मकान मालिक का पैन नंबर देना भी शामिल है। सरकारी अधिकारियों ने टीओआई को बताया कि इस कदम का मकसद परिवारों के भीतर नकली एचआरए क्लेम से जुड़ी पुरानी चिंताओं को दूर करना है।

तेल और गैस संकट के बीच क्या ईवी उम्मीद की किरण हैं?

नई दिल्ली, 26 अप्रैल(एजेंसियां)। ईरान की अमेरिका और इस्राइल से वॉर के बाद दुनिया को एक बात का जरूर ऐहसास हो गया कि फ्यूल और गैस क्राइसिस की स्थिति कभी भी बन सकती है और दुनिया में हाहाकार मचना तय है। हमारी ईंधन पर निर्भरता काफी जोखिम भरी हो सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आपूर्ति में बाधा का खतरा केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि फ्यूचर मोबिलिटी के लिए बड़ी चेतावनी है और ऐसे में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) उम्मीद की एक किरण तो हैं।

ईरान-इस्राइल-अमेरिका के बीच जारी जंग ने दुनिया को एक बेहद कड़वे सच से एक बार फिर रूबरू करा दिया कि आने वाले समय में फ्यूल अगर खत्म हो गए या पेट्रोलियम पदार्थों की कमी हुई, तो क्या होगा? मान लीजिए कि अगर ऐसा कुछ हुआ तो पूरी दुनिया में हाहाकार मचना तय है। आप बीते करीब 2-3 महीनों में फ्यूल और गैस संकट के बारे में तो सुन ही रहे होंगे। कई मर्तबा

इलेक्ट्रिक गाड़ियों का क्रेज तो बढ़ रहा है

खबरें आईं कि पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम बढ़ सकते हैं, लेकिन खैर अब तक ऐसी नौबत नहीं आई है, लेकिन हमें भविष्य और मौजूदा संकट के समाधान के बारे में भी सोचना होगा कि आखिरकार फ्यूल और गैस के विकल्प क्या हैं, और ऐसे में इलेक्ट्रिक कारों की महत्ता का अंदाजा होता है।

जी हां, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, यानी ईवी, जिसे एक्सपर्ट फ्यूचर मोबिलिटी का सबसे बड़ा जरिया मान रहे हैं और इसके पीछे काफी सारी वजहें भी हैं। हालांकि, ईवी को लेकर अब तक दुनियाभर में उस तरह का सकारात्मक माहौल नहीं बना है, लेकिन जब कल को लोगों के पास विकल्प नहीं रहेंगे, तो इलेक्ट्रिक कार और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के साथ ही बैटरी चालित अन्य माध्यमों के वाहनों को अपनाने के अलावा हमारे पास और ज्यादा विकल्प नहीं होगा।

भारतीय बाजार में बीते काफी वर्षों से इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया और हुंडई जैसी कंपनियां सक्रिय हैं और उनके एक से बढ़कर एक विकल्प हैं। बीते कुछ वर्षों के दरमियां विनफास्ट, किआ, बीवाईडी के साथ ही मर्सिडीज बेंज और बीएमडब्ल्यू के साथ ही टेस्ला जैसी कंपनियां अपनी स्थिति बेहतर करते हुए अलग-अलग प्राइस सेगमेंट की ईवी से जुड़ीं लोगों की जरूरतें पूरी कर रही हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
आज आप अपनी प्रतिभा दिखाने और ज़िम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। अकेले काम करने से आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन खुद पर ज़रूरत से ज़्यादा ज़ोर न डालें। आप बड़े काम पूरे करने की क्षमता रखते हैं, हालाँकि ज़ोर-ज़बरदस्ती करना उल्टा भी पड़ सकता है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी तीक्ष्ण बुद्धि काम और पढ़ाई दोनों में प्रगति को गति देती है, जिससे आपको उन बारीकियों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। हालाँकि, आलोचना करने की प्रवृत्ति अनावश्यक बहस को जन्म दे सकती है। आत्मविश्वास आपके कार्यों को सशक्त बनाता है, जबकि जुनून आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आतिथ्य । परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मर्सिडीज-फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी कारों का फर्जी एक्सीडेंट

बैंक अकाउंट तक में धोखाधड़ी, सीबीआई जांच में बड़े खेल का खुलासा

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में मर्सिडीज-फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी कारों का फर्जी एक्सीडेंट दिखाकर, बीमा क्लेम लेने का खेल सामने आया है। ये खेल 4 साल से चल रहा था। कुल 48 कारों का बीमा लिया गया है। बीमा कंपनी के छोटे कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी इस खेल में शामिल थे। इनका तरीका भी ऐसा हैरान करने वाला था कि कार के असली मालिकों तक को भनक नहीं लगने दी।

जब बीमा कंपनी ने एक ही जिले में लगातार क्लेम के बढ़ते केस देखे तो मामला सीबीआई जांच तक पहुंचा। सीबीआई ने जांच के बाद हाल ही में एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई को सूचना मिली कि सीकर, चूरू, सुजानगढ़, झुंझुनूं और नागौर में वाहनों पर फर्जी क्लेम उठाए जा रहे हैं। इसके बाद सीबीआई ने राजस्थान एसीबी को भी कार्रवाई में शामिल कर लिया। दोनों एजेंसियों की संयुक्त टीमों ने 1 सितंबर 2025 को सीकर में न्यू इंडिया एश्योरेंस

कम्पनी के ऑफिस पर रेड की।

जांच में पाया कि 2019 से 2022 तक कंपनी के दफ्तर में शामिल बड़े अधिकारियों से लेकर कर्मचारी, कार वर्कशॉप और कुछ अज्ञात आरोपियों ने फर्जीवाड़ा किया। लग्जरी कारों के फर्जी एक्सीडेंट दिखाकर लाखों रुपए के क्लेम वाहन मालिकों के बजाय दूसरे लोगों के खातों में जमा हुए।

इन दो केस स्टडी से समझें फर्जी क्लेम का खेल

केस - 1 : सर्विस के लिए आई कार, चुटकियों में बदली मालिक की डिटेल

चूरू में एक शख्स ने मार्च 2022 में अपनी सुपर लग्जरी कार को सर्विस के लिए श्री गंगा व्हीकल्स वर्कशॉप पर दी। वर्कशॉप के इंचार्ज और मैनेजरों की नजर जब गाड़ी पर गई, तो फर्जी क्लेम का प्लान बना। गाड़ी सर्विस के बाद लौटा दी। अगले ही दिन वर्करों ने बीमा कंपनी के अधिकारियों को बताया कि एक लग्जरी कार है, जो एकदम नई है और मोटा क्लेम उठाया जा सकता है। साजिश होने लगी और गाड़ी का फर्जी एक्सीडेंट बताते हुए फर्जी कागजात बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। क्लेम के कागजों में असली मालिक की जगह दूसरा शख्स पवन जांगिड़ की डिटेल डाली गई। मोबाइल नंबर भी बदल दिए। मिलीभगत के कारण कुछ ही दिन में 6 लाख 17 हजार से ज्यादा का क्लेम पवन जांगिड़ के खाते में जमा हो गया।

केस-2 : नई फॉर्च्यूनर कार का एक्सीडेंट दिखाया

सीकर की श्री कृष्ण फोरव्हील्स वर्कशॉप पर सितंबर 2020 को एक नई फॉर्च्यूनर कार सर्विस के लिए पहुंची। सर्विस के बाद वर्कशॉप के मैनेजर और बीमा कंपनी के अधिकारी सक्रिय हो गए।असली मालिक को हटाकर सुमीता नाम की एक महिला को उसका मालिक बना दिया गया। क्लेम फॉर्म में सुमीता के मोबाइल नंबर, चेक और खाते की डिटेल भरी गई। कुछ ही दिन में 5 लाख 85 हजार से ज्यादा का क्लेम पास होकर सुमीता के खाते में पहुंच गया। फिर आपस में इस पैसे की बंदरबांट हुई।

सजिश में शामिल कार वर्कशॉप वाले सर्विस पर या अन्य काम करवाने के लिए आने वाली उन गाड़ियों पर नजर रखते थे, जो उनके पास पहले से डैमेज कार की कंपनी (ब्रांड), रंग आदि से मैच कर रही हों। मर्सिडीड जैसी लग्जरी कारें इनकी निशाने पर होती थी। फिर उन कारों की डिटेल बीमा कंपनी के गैंग में शामिल अधिकारी-कर्मचारियों के जरिए निकाली जाती। गिरोह में शामिल किसी व्यक्ति को उस कार का डमी मालिक बनाते। कागजों में फर्जी एक्सीडेंट दिखाकर क्लेम फाइल किया जाता। आरोपी लग्जरी गाड़ियों की फुल डैमेज वाली फोटो बड़ी चालाकी से अपलोड करते, जिससे कि असल और नकली गाड़ी की पहचान न हो सके। क्लेम के फर्जी कागजात बनाते जिसमें मालिक की पूरी डिटेल ही बदल देते। डमी मालिक का बैंक खाता विवरण और चेक लगा देते।

तेज रफ्तार कार चार बार पलटी, तीन दोस्तों की मौत

15 फीट दूर खेत में गिरी, परखच्चे उड़े

झुंझुनूं, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में तेज रफ्तार कार पलटने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। वहीं कार चला रहा युवक गंभीर घायल हो गया। हादसा धनूरी थाना में झुंझुनूं-मंड्रेला रोड पर शनिवार देर रात 1 बजे हुआ। चारों दोस्त भजन संध्या में शामिल होकर झुंझुनूं शहर लौट रहे थे। जहां हादसा हुआ, वह जगह झुंझुनूं शहर से 5 किलोमीटर दूर है। एसएचओ संजय गौतम ने बताया- शुरुआती जांच में सामने आया है कि सड़क पर अचानक जानवर आने के कारण ड्राइवर कार पर नियंत्रण खो बैठा। कार की स्पीड ज्यादा होने के कारण वह कई बार पलटी। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, एक्सीडेंट इतना भयावह था कि कार तीन से चार बार पलटी खाते हुए 15 फीट दूर खेत में आ गई। एक युवक का शव हादसे के करीब एक घंटे बाद खेत के दूसरे छोर पर मिला।

संजय गौतम ने बताया- झुंझुनूं के चोमालो का मोहल्ला निवासी सुनील शुक्ला (33), रानी सती

मंदिर के पास रहने वाला गौरव सैनी (21), विजय ढंड और जितेंद्र वालिया सोनासर स्थित हीरा की ढाणी गए थे। वहां पर भजन संध्या थी। देर रात चारों झुंझुनूं शहर लौट रहे थे। सड़क पर अचानक आए जानवर को बचाने के चक्कर में उनकी वरना कार अनियंत्रित हो गई। आसपास के लोगों ने जानकारी दी कि कार ने तीन से चार बार पलटी खाई और खेत में आ गई। हादसे में सुनील, गौरव और विजय की मौके पर ही मौत हो गई। इनके पीछे दो से तीन कारें और थीं। उनमें सवार लोग मौके पर रुके। शवों को अपनी गाड़ियों में डालकर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल पहुंचे। वहीं कार चला रहा युवक जितेंद्र वालिया गंभीर घायल हो गया। उसे भी इलाज के लिए बीडीके हॉस्पिटल लेकर आए। हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर के SMS हॉस्पिटल रेफर किया गया।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि देर रात धमाके जैसी आवाज आई तो हम दौड़कर सड़क पर आए।

प्लेन में सीटें खाली रहीं तो पूर्व पार्षद-बिजनेसमैन देंगे पैसा

जैसलमेर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेर में पहली बार गर्मियों में फ्लाइट शुरू होने जा रही है। एयरलाइंस कंपनी एलायंस एयर ने 3 मई से जयपुर से जैसलमेर के बीच फ्लाइट का शेड्यूल जारी कर दिया है। साल 2017 में जैसलमेर एयरपोर्ट शुरू हुआ था। तब से लेकर अब तक केवल विंटर सीजन में ही एयरलाइंस कंपनियां शेड्यूल जारी करती थीं। कारण था कि गर्मियों में यहां टूरिस्ट कम आते हैं। इस बार गर्मियों में फ्लाइट का संचालन कराने के लिए जैसलमेर के व्यापारी और कंपनियां आगे आई हैं। यहां के पूर्व पार्षद समेत होटल, सोलर और सीमेंट से जुड़ी कंपनियों ने एयरलाइंस कंपनी को गारंटी दी है। गारंटी ये है कि अगर कोई नुकसान होता है या पैसेंजर नहीं मिलते हैं तो इस शेड्यूल के दौरान होने वाला नुकसान ये लोग भरेंगे। शहर के पूर्व पार्षद और बिजनेसमैन पवन सुदा ने 21 लाख रुपए की पर्सनल गारंटी दी है। यानी एयरलायंस कंपनी को घाटा होने पर वे 21 लाख रुपए अपनी जेब से देंगे। यही नहीं, सीमेंट और पावर सेक्टर की कंपनियां हर महीने 100-100 टिकट बुक करेंगी ताकि फ्लाइट खाली नहीं रहें।

जैसलमेर से दिल्ली, जयपुर, मुंबई और बेंगलुरु के लिए फ्लाइट का विंटर शेड्यूल मार्च में खत्म हो गया था। इसके बाद जब कंपनियों की ओर से समर शेड्यूल जारी किया गया तो इसमें जैसलमेर का नाम नहीं था। एयरलाइंस कंपनियों ने ऑफ सीजन और लो पैसेंजर लोड का बहाना बनाकर जैसलमेर से दूरी बना ली। ऐसा साल 2018 से चल रहा था। इस बार समर शेड्यूल में फ्लाइट के संचालन के लिए जैसलमेर के व्यापारी आगे आए। उन्होंने एलायंस एयर से कहा- 'आप उड़ान शुरू करिए, नुकसान हुआ तो उसकी भरपाई हम करेंगे।' खास बात यह है कि इसके लिए कंपनी और व्यापारियों के बीच अभी तक किसी तरह के डॉक्यूमेंट्स और एमओयू पर साइन नहीं हुए हैं। व्यापारियों के कहने पर कंपनी जैसलमेर में फ्लाइट शुरू करने जा रही है।

माफिया ने तस्करी का नया जाल बुना

शराब का सरकारी गोदाम ही उठाकर बॉर्डर पर ले गए, वहां से दोपहिया वाहनों से गुजरात में सप्लाई

बांसवाड़ा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान से अवैध रूप से गुजरात में शराब सप्लाई कर रहे माफिया ने अब तस्करी का नया जाल बुना है। बांसवाड़ा जिले में सीमावर्ती सल्लोपाट थाना क्षेत्र में माफिया ने 'छोटी खेप, बड़ी तस्करी' का लो-प्रोफाइल मॉडल तैयार किया है। अफसरों की मिलीभगत से शराब के सरकारी गोदाम को ही उठाकर गुजरात बॉर्डर पर शिफ्ट कर दिया है। वहां से दिन-रात दोपहिया वाहनों के जरिए थैलों में भरकर शराब को गुजरात पहुंचाया जा रहा है। शराब का सरकारी गोदाम पहले चार रास्ता चौराहे पर था। यह गुजरात बॉर्डर से 7 और सल्लोपाट पुलिस थाने से 3 किलोमीटर दूर था। गुजरात में रविवार को होने वाले पंचायत चुनाव से ठीक 15-20 दिन पहले इसे उठाकर गुजरात बॉर्डर पर एक मकान में शिफ्ट कर दिया गया। अब गुजरात बॉर्डर से तो यह गोदाम केवल एक किलोमीटर दूर रह गया है जबकि सल्लोपाट थाने से दूरी अब बढ़कर करीब 9 किलोमीटर हो गई है। यानी थाने से बहुत दूर और गुजरात के बहुत पास हो गया है।

बता दें कि गुजरात ड्राई स्टेट है, जहां शराब पर प्रतिबंध है। इसीलिए वहां राजस्थान के विभिन्न रूटों से अवैध रूप से शराब पहुंचाई जाती रही है। गुजरात में रविवार को पंचायत राज चुनाव होने हैं। सूत्रों का कहना है कि चुनाव में वितरण के लिए वहां शराब की डिमांड व सप्लाई बढ़ गई है। मकान में शिफ्ट किए गए गोदाम से परचूनी सामान के थैलों में भरकर शराब की बोतलें गुजरात की ओर भेजी जा रही थीं। हर 10 से 15 मिनट में एक बाइक पर दो थैले लादकर रवाना किए जा रहे थे। पीछा किया तो पता चला कि तस्कर गांवों के कच्चे और अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल कर रहे थे जहां न तो नियमित पुलिस गश्त होती है और न ही सख्त निगरानी। ऐसे में यह पूरा इलाका अवैध शराब के लिए 'खुला कॉरिडोर' बन गया है।

इधर, बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल ने आरोप लगाया कि शुक्रवार तड़के अवैध शराब से भरा ट्रक गुजरात जा रहा था। आनंदपुरी थाना क्षेत्र में चैक पोस्ट पर मेरी गाड़ी को तो पुलिस ने रोका, ट्रक को नहीं रोका।

बाप थाना क्षेत्र में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़

दबिश की भनक लगते ही आरोपी फरार बड़ी मात्रा में बंदूक और देशी कट्टा जब्त

फलोदी, बिलाड़ा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। फलोदी जिले के बाप थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस और डीएसटी टीम ने अवैध हथियारों की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। एसपी सतनाम सिंह ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि बाप थाना क्षेत्र के चूहड़ों की बस्ती (भड़ला) निवासी मौलाबक्श एक झोपड़ीं में अवैध हथियार बनाता है। सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने दबिश दी। इस दौरान आरोपी मौलाबक्श दबिश की भनक लगते ही मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान टीम ने मौके से 5 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा और बड़ी मात्रा में हथियार बनाने का सामान और औजार जब्त कर लिए। पुलिस ने बताया- मौके पर मिले सामान से ऐसा लगता है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध काम को कर रहा था। फिलहाल अवैध हथियारों को जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

साथ ही उसकी तलाशी के लिए टीम दबिश दे रही हैं। एसपी ने बताया-थाना क्षेत्र में एक अन्य कार्रवाई करते हुए बाप पुलिस ने शकूर खां निवासी भड़ला के कब्जे से एक टोपीदार बंदूक, 5 छर्रे और 5 सीसा टोपी बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है।

पति-पत्नी फंदे से लटके, पास में रोती रही मासूम

दौसा, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा में पति-पत्नी ने सुसाइड कर लिया। शव के नीचे बैठकर 8 महीने के बेटी रो रही थी। पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। घटना के समय बड़े भाई की पत्नी पीहर और दादी रिश्तेदारी में गई हुई थी।

बड़े भाई की सूचना पर पड़ोसी पहुंचे तो पति-पत्नी फंदे से लटके हुए थे। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को फंदे से उतारकर हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टरों ने पति-पत्नी को मृत घोषित कर दिया। घटना जिले के सैंथल थाना क्षेत्र के सिंगपुरा गांव में शनिवार की शाम करीब 6 बजे की है। पुलिस की टीम और पड़ोसियों ने मासूम बच्ची को संभाला। सैंथल थाना अधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया- जितेंद्र मीणा (24) और मनीषा मीणा (22) की शादी करीब 2 साल पहले हुई थी। दोनों के 8 महीने की बेटी है। जितेंद्र खेती करता था। शनिवार सुबह दोनों में किसी बात पर विवाद हो गया। नाराज जितेंद्र घर से बाहर चला गया, थोड़ी देर बाद लौटा तो पत्नी फंदे से लटकह हुई थी। जितेंद्र ने अपनी बुआ और ममेरे भाई को फोन किया। कहा- 'मनीषा ने सुसाइड कर लिया है। अब मैं भी सुसाइड कर रहा हूं।' दोनों रिश्तेदारों ने हिसार (हरियाणा) में प्राइवेट फैक्ट्री में काम करने वाले जितेंद्र के बड़े भाई को बताया। बड़े भाई की सूचना पर पड़ोसी घर पहुंचे। देखा तो पति- पत्नी अलग- अलग फंदों पर लटके हुए थे।

खेत में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ी, 100-किलो एमडी बरामद

पुलिस और आरोपियों के बीच फायरिंग, 6 से ज्यादा गिरफ्तार

बालेसर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के बालेसर इलाके में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। यह फैक्ट्री बालेसर के बावरली क्षेत्र के लूणावपुरा गांव में एक खेत में थी। यहां से करीब 100 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। 6 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों के अनुसार आईजी विकास कुमार के निर्देशन में कार्रवाई की गई। कार्रवाई को गोपनीय रखने के लिए पुलिस की टीम ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर शनिवार देर रात मौके पर पहुंची। रात करीब 3:30 बजे दबिश दी।

बताया जा रहा है कि इस दौरान आरोपियों और पुलिस के बीच फायरिंग भी हुई। आरोपियों ने पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाब में एएनटीएफ और पुलिस ने भी फायरिंग की। एक आरोपी के पैर में गोली लगी, वहीं भागने के प्रयास में एक आरोपी का पैर टूट गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही बालेसर, आगोलाई और बंबोर सहित आसपास के थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

आईआरएस अफसर के बंगले पर कॉलगर्ल्स बुलाता था रेप का आरोपी

अलवर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी (22) से रेप और मर्डर मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद कई अहम खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी जुआ खेलने का आदी था। वह अफसर के बंगले पर कॉल गर्ल्स को बुलाता था।

इतना ही नहीं, जब आरोपी अलवर आता था तो वह यहां के रेड लाइट एरिया में भी जाता था। इसके सबूत पुलिस को मिले हैं। अलवर पुलिस ने आरोपी युवक का एक मोबाइल फोन दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। आरोपी ने यह मोबाइल करीब 45 हजार रुपए में एक महीने पहले ही खरीदा था। आरोपी से पूछताछ करने के लिए अलवर पुलिस की एक टीम भी दिल्ली पहुंची है। दरअसल, अलवर में भी उसने दोस्त की पत्नी से रेप किया था।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गहने और नकदी भी लूटकर ले गया था। वह लूडो समेत अन्य ऑनलाइन गेम्स के माध्यम से जुआ खेलता था और उसमें पैसे हार जाता था।

वह अपने परिवार की नजरों में शरीफ बना रहता था। पहले आरोपी का पिता भी दिल्ली में एक अफसर के यहां नौकर था। उसी के परिचय के आधार पर IRS अधिकारी के घर में उसके बेटे को काम पर रखा गया था।

पुलिस के अनुसार, घटना 22 अप्रैल को सुबह करीब 6:30 से 7:15 बजे के बीच हुई। अफसर के घर में उनकी बेटी अकेली थी। अफसर और पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। लौटने पर उन्हें बेटी का शव कमरे में मिला। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। जांच में सामने आया कि युवती के साथ पहले रेप किया गया था। फिर मोबाइल फोन की चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या की गई। आरोपी पहले अफसर के घर में करीब 8 महीने तक नौकर था। करीब एक महीने पहले रोजमर्रा के खर्चों में गड़बड़ी के आरोप में उसे नौकरी से निकाल दिया गया था।

स्पोर्ट्स एकेडमी में किराना व्यापारी की मौत

स्विमिंग पूल में मिला शव, सिर पर चोट के निशान, भाई बोला- हत्या हुई है

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर की एक स्पोर्ट्स एकेडमी में किराना व्यापारी सत्येंद्र (47) की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। स्विमिंग पूल में मिले व्यापारी के शव में सिर के पीछे चोट के निशान मिले हैं। नारायण विहार थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को एसएमएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

रविवार को मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी (मानसरोवर) आदित्य काकड़े ने बताया कि भांकरोटा के मुकंदपुरा रोड निवासी सत्येंद्र चौधरी की डेथ हुई है। वह किराना की दुकान चलाता था। पिछले 3-4 दिन पहले ही उसने स्पोर्ट्स एकेडमी जॉइन की थी।

मृतक के भाई रंजीत चौधरी ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच सत्येंद्र स्विमिंग के लिए गए थे। कुछ समय बाद परिवार को फोन पर सूचना मिली कि वह पूल के पास गिर गए हैं और अचेत अवस्था में अस्पताल ले जाया जा रहा है।

आरोप है कि स्पोर्ट्स एकेडमी पहुंचने पर वहां कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। सीसीटीवी सिस्टम भी मौके से गायब था। स्विमिंग पूल में गिरने से मौत होने पर सिर के पीछे चोट के निशान नहीं होते। परिजनों को शक है कि पीछे से वार कर सत्येंद्र की हत्या की गई है।

एसीपी (मानसरोवर) आदित्य काकड़े ने बताया- मामले की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध लग रहा है। मौत डूबने से हुई है या किसी कारण से हुई, इसकी जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल पाएगी।

जोधपुर में दो विवाहिता समेत चार युवतियां लापता

दोनों शादीशुदा महिला बिना बताए निकली, एक बैंक गई युवती नहीं लौटी

जोधपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर कमिश्नरेट में दो विवाहिता सहित चार युवतियों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। इस संबंध में युवतियों के परिजनों ने अलग-अलग थानों में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नागौरी गेट थाने में थाना इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी पत्नी घर से शनिवार रात 8 बजे बिना बताए कहीं चली गई, इसके बाद वापस नहीं लौटी। इसके बारे में आस पड़ोस और रिश्तेदारी में भी पता किया लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हेड कॉन्स्टेबल कानाराम को जांच सौंपी है।

दूसरा मामला मामले महामंदिर थाने में सामने आया है। थाना इलाके में रहने वाली एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि 24 साल भतीजी शुक्रवार को घर से बैंक जाने की बात कह कर निकली थी, जो कि वापस नहीं लौटी। तलाश करने पर पता नहीं लग पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल गोपीराम को सौंपी है।

तीसरा मामला चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने का। इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी 21 साल की भतीजी शनिवार को करीब 3 बजे घर से कहीं चली गई, जो वापस नहीं लौटी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक भीम सिंह को सौंपी है।

चौथा मामला देव थाने का है। थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 28 साल की पत्नी बिना बताए कहीं चली गई, जो घर वापस नहीं लौटी। आसपास में तलाश करने पर भी पता नहीं लगा। मामला दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक पेमाराम को सौंपी है।

थार की टक्कर से घिसटती गई बाइक, 3 की मौत

अजमेर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले के अरांई में थार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि थार का भी अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया। आरोपी ड्राइवर एक्सीडेंट के बाद मौके से फरार हो गया। हादसा शनिवार रात 9.30 बजे हुआ। एक्सीडेंट में कटसूरा (अजमेर) निवासी गीता घासल (38), भंवर लाल घासल (18) और काला तालाब (अजमेर) निवासी हनुमान की मौत हुई है। हनुमान गीता की बहन का बेटा था। एएसआई छोटू लाल ने बताया कि गीता अपने बेटे साथ बहन के घर गई थी। वहां से हनुमान के साथ दोनों गांव लौट रहे थे।

आईपीएल मैच पर सट्टा लगा रहे 6 सटोरिए पकड़े

झुंझुनूं, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में खेले जा रहे मैचों पर सट्टेबाजी कर रहे सटोरियों के दो ठिकानों पर झुंझुनूं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाखों के सट्टे का खुलासा किया है। एएसपी देवेंद्र राजावत ने बताया कि पुलिस ने चिड़ावा और सुलताना क्षेत्र में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में लाखों रुपए के सट्टे का हिसाब-किताब और भारी मात्रा में उपकरण जब्त किए गए हैं।

पुलिस टीम ने चिड़ावा थाना क्षेत्र के भूकर फार्म हाउस में छापा मारा। यहां सटोरिये शहर से दूर एक लग्जरी फार्महाउस में बैठकर राजस्थान रॉयल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद के मैच पर सट्टा लगवा रहे थे। देवेंद्र राजावत ने बताया कि चिड़ावा पुलिस और डीएसटी टीम ने जब फार्म हाउस की घेराबंदी की तो सटोरिए पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने मौके से रोहित, कृष्णगोपाल शर्मा, विकास शर्मा और राजेश कटारिया को गिरफ्तार किया। पुलिस को इनके पास से 2 लैपटॉप, 2 टैबलेट, 11 मोबाइल फोन और 2 माइक्रो स्पीकर मिले हैं। कागजों और डिजिटल रिकॉर्ड में लाखों रुपए के लेन-देन का हिसाब भी मिला है। सुलताना पुलिस और डीएसटी की टीम ने निजामपुरा इलाके में कार्रवाई की।

स्व-गणना के लिए राज्यपाल ने दर्ज की जानकारी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना सुविधा की औपचारिक शुरूआत रविवार को की गई। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर इस प्रक्रिया का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि स्व-गणना के जरिए नागरिक स्वयं अपने घर की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान होगी। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शहरवासियों से अपील की कि वे आगे आकर स्व-गणना में भाग लें और जनगणना 2027 को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि प्रत्येक परिवार का सही आंकलन सुनिश्चित किया जा सके।

तेलंगाना का कल्याणकारी मॉडल अन्य राज्यों के लिए मिसाल : लक्ष्मण कुमार

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि राज्य का व्यापक और दूरदर्शी कल्याणकारी मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है। उन्होंने रविवार को चंडीगढ़ में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर-2026 में यह बात कही। इस शिविर में देशभर के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने सामाजिक न्याय, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और ट्रांसजेंडर समुदाय के विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

सभा को संबोधित करते हुए लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार समानता, सशक्तिकरण और गरिमा पर आधारित शासन मॉडल को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक कल्याण विभाग का नाम बदलकर अनुसूचित जाति विकास विभाग करना दलितों के उत्थान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख माध्यम मानते हुए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति पर 574.74 करोड़ रुपये खर्च कर 3.39 लाख छात्रों को लाभान्वित कर चुकी है, जबकि प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति पर 66.31 करोड़ रुपये खर्च कर 73,666 छात्रों को लाभ मिला है। डॉ.बी.आर. अंबेडकर विदेश शिक्षा योजना के तहत 564 छात्रों की सहायता के लिए 103.49 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, टीजी एससी स्टडी सर्किलों पर 24.53 करोड़ रुपये खर्च कर 2,426 अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि अनुसूचित जाति छात्रावासों के लिए 628.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे 2.26 लाख छात्रों को निःशुल्क आवास, भोजन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत 47,539 लाभार्थियों को 476.15 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है, जिससे गरीब परिवारों पर विवाह का आर्थिक बोझ कम हुआ है। इसके अलावा 1,723 अंतरजातीय दंपतियों को 43.06 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है, जिससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिला है।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ कुरूमिद्दा गांव के किसानों का विरोध तेज

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इब्राहिमपटनम क्षेत्र के कुरूमिद्दा गांव में किसान अपनी जमीनों के अधिग्रहण के खिलाफ पिछले 43 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध अब राष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित कर रहा है। किसानों का कहना है कि फ्यूचर सिटी तक रेडियल सड़कों के निर्माण के लिए उनकी जमीनें अधिग्रहित की जा रही हैं। इसके साथ ही वे सरकार से फ्यूचर सिटी और फार्मा सिटी परियोजनाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। किसानों के समर्थन में महिला किसान अधिकार मंच (माकाम), चैतन्य महिला संगम और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने शनिवार को विरोध स्थल का दौरा किया। इस दौरान माकाम की राष्ट्रीय समिति सदस्य एस. आशालाथा ने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

किसानों ने आरोप लगाया कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके आंदोलन का समर्थन किया था और सत्ता में आने पर फार्मा सिटी परियोजना रद्द करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब सरकार जमीन अधिग्रहण पर जोर दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पुलिस बल के जरिए दबाव में लाने की कोशिश की जा रही है। किसानों का आरोप है कि अदालत के निर्देशों के बावजूद सरकार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी रखे हुए है, जिससे छोटे और सीमांत किसान विस्थापन के खतरे का सामना कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने मांग की है कि फार्मा सिटी परियोजना को रद्द किया जाए, ग्रीनफील्ड रेडियल सड़कों का निर्माण रोका जाए और उनकी जमीनों का पंजीकरण उनके नाम पर सुनिश्चित किया जाए। बताया गया कि राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर पहले भी विरोध होते रहे हैं। अक्टूबर 2024 में लागाचार्ला, पोलेपल्ली और हकीमपेट के किसानों ने इसी तरह प्रदर्शन किया था। इसके अलावा मार्च 2025 में कंचा गच्चीबाली भूमि विवाद और सितंबर 2025 में नालगोंडा व संगारेड्डी में क्षेत्रीय रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ भी किसानों ने विरोध जताया था। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

संगारेड्डी, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सदाशिवपेट मंडल के नंदी कदनी में एनएच-65 पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यात्रियों से भरा एक ऑटो सड़क किनारे बनी पुलिया से टकरा गया, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना में रुकिमिनी (42) और लावण्या (39) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो बच्चों सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। बताया गया कि सभी पीड़ित मनूर और न्यालकल मंडल के निवासी थे और हैदराबाद में रहते थे। वे दरगाह से पूजा-अर्चना कर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अभिनेत्री आशु रेड्डी पर 9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में अभिनेत्री और इन्फ्लुएंसर आशु रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित वाईवी धर्मेंद्र ने हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि वह और आशु रेड्डी रिश्ते में थे और शादी की योजना बना रहे थे। शिकायत के अनुसार, धर्मेंद्र ने बड़ी मात्रा में नकद, सोना और अन्य संपत्तियां अभिनेत्री को दीं, जिन्हें कथित तौर पर उनके नाम पर दर्ज कराया गया। उन्होंने बताया कि शादी की बातचीत और कुछ रस्मों के बावजूद विवाह नहीं हो सका। धर्मेंद्र ने अभिनेत्री और उनके परिवार पर करीब 9.35 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर पोल्ट्री क्षेत्र में करियर अवसरों पर चर्चा

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन पोल्ट्री इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन- पोल्ट्री इंडिया ने राजेंद्रनगर स्थित कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस में विश्व पशु चिकित्सा दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। 'पशु चिकित्सक: भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ.एम. ज्ञान प्रकाश और डॉ.एम. उदय कुमार सहित कई विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। आईपीईएमए-पोल्ट्री इंडिया के अध्यक्ष उदय सिंह बायस ने शिक्षा और उद्योग के बीच समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ.आर.एम.वी. प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षक, छात्र और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ एकत्र हुए और तकनीकी सत्रों में भाग लिया।

इस अवसर पर पोल्ट्री उत्पाद और जीवनशैली से संबंधित रोग : मिथक, तथ्य और पशु चिकित्सा अंतर्दृष्टि विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिससे छात्रों में वैज्ञानिक सोच और जागरूकता को बढ़ावा मिला। तकनीकी सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने पोल्ट्री क्षेत्र में करियर, उद्यमिता और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. मुजीब अथर और डॉ. श्रीनिवास रामा राजू ने छात्रों को इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भीषण गर्मी जारी, 29 अप्रैल तक 44 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई जिलों में भीषण शुष्क गर्मी का प्रकोप जारी है और 29 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के हैदराबाद केंद्र के अनुसार, राज्य के 20 से अधिक जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, इस बीच कुछ राहत मिलने के संकेत भी हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि कई जिलों में दिन के उत्तरार्ध या रात में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चल सकती हैं।

मंगलवार, 28 अप्रैल तक मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनगिरी, कामारेड्डी, नलगोंडा, विकाराबाद, संगारेड्डी, मनचेरियल, निर्मल, रंगारेड्डी, हैदराबाद और मेडचल-मलकजगिरी सहित कई जिलों में आंधी-तूफान की गतिविधियां देखी जा सकती हैं। आईएमडी के अनुसार, 29 अप्रैल को राज्य के लगभग सभी जिलों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि कर्नाटक के उत्तरी आंतरिक भागों से कन्याकुमारी तक फैले निम्न दबाव क्षेत्र (ट्रफ) के कारण यह स्थिति बनी हुई है।

नई नियुक्तियों से कांग्रेस में असंतोष

वरिष्ठ नेताओं ने जताई नाराजगी

कोत्तागुडेम, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में कांग्रेस पार्टी के भीतर नई नियुक्तियों को लेकर असंतोष उभरकर सामने आया है। पुराने नेताओं ने नए शामिल हुए नेताओं को प्राथमिकता दिए जाने पर नाराजगी जताई है और कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी छोड़ने तक की चेतावनी दी है। बताया गया कि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने डीसीसी अध्यक्ष थोथा देवी प्रसन्ना से परामर्श के बाद हाल ही में 73 नेताओं को जिला समिति में नियुक्त किया है। नई समिति में नौ उपाध्यक्ष, 16 महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, पांच प्रवक्ता, 24 सचिव और 18 कार्यकारी सदस्य शामिल हैं। इन नियुक्तियों के बाद वरिष्ठ नेताओं में असंतोष बढ़ गया है। कुछ नेताओं ने गोपनीय रूप से विरोध जताया, जबकि कई ने खुले तौर पर नेतृत्व पर नए सदस्यों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

सुजाता नगर मंडल के पूर्व एमपीटीसी सदस्य कासनबोइना वीरभद्रम ने अपनी वरिष्ठता की अनदेखी कर उन्हें कार्यकारी सदस्य बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे यह पद स्वीकार नहीं करेंगे और यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी छोड़ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण पद ऐसे लोगों को दिए गए हैं, जिनका पार्टी में पर्याप्त अनुभव नहीं है और पीसीसी के उस नियम की अनदेखी की गई है, जिसमें कम से कम पांच वर्ष की वरिष्ठता आवश्यक बताई गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 73 नवनियुक्त पदाधिकारियों में से एक तिहाई से अधिक नए सदस्य हैं, जिनमें कई मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के समर्थक बताए जा रहे हैं।

एच2एच बिजनेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच 10 कुबेर- हाई टेक चैप्टर) द्वारा सनातनी हिंदू व्यवसायियों के लिए एक बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें एक मजबूत नेटवर्क से जोड़ना था।

यह कार्यक्रम बेगमपेट स्थित होटल पिनकोड में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बलदवा रहे। उनके साथ सुजाता नांबियार, पवन काकड़े, आदित्य, अरविंद गुंडेटी और अश्विन कुमार सहित अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह बैठक एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में आयोजित की गई।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में अतिरिक्त ड्यूटी पर पुनर्विचार की मांग

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री एंड जूनियर कॉलेजेस पीडीएस एंड पीईटी एसोसिएशन ने राज्य सरकार से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान फिजिकल डायरेक्टर्स (पीडी) को कार्यवाहक ड्यूटी सौंपने के निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बयान जारी कर कहा कि टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस द्वारा 1 से 31 मई तक की छुट्टियों के दौरान पीडी और पुस्तकालयाध्यक्षों को अनिवार्य रूप से कार्यवाहक जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि अन्य संकाय सदस्य विश्वविद्यालय परीक्षाओं से संबंधित कार्यों में लगे रहेंगे। एसोसिएशन ने कहा कि फिजिकल डायरेक्टर्स पहले से ही सुबह-शाम प्रशिक्षण सत्रों और नियमित ड्यूटी के कारण व्यस्त रहते हैं और कार्यदिवसों में भी बारी-बारी से कार्यवाहक जिम्मेदारियां निभाते हैं। ऐसे में अवकाश के दौरान लगातार ड्यूटी देना उनके लिए अतिरिक्त बोझ है और उनके अधिकारिक अवकाश को प्रभावित करता है। एसोसिएशन ने अदलुरी लक्ष्मण कुमार से हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि कार्यवाहक जिम्मेदारियां केवल पीडी को देने के बजाय कार्यालय कर्मचारियों को सौंपी जाएं, ताकि संबंधित कर्मियों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

बस न रोकने पर यात्री ने चालक पर किया हमला

नालगोंडा, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में रविवार को बस न रोकने के विवाद में एक यात्री ने आरटीसी चालक पर हमला कर दिया। चालक की पहचान राम कुमार के रूप में हुई है, जिन्होंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, पल्ले वेलुगु बस नालगोंडा से हैदराबाद के दिलसुखनगर जा रही थी। आईटी टावर के पास से गुजरते समय एक यात्री अपने परिवार के साथ बस न रुकने को लेकर चालक से बहस करने लगा। बताया गया कि विवाद बढ़ने पर यात्री ने चालक पर हमला कर दिया। घटना के बाद राम कुमार ने नालगोंडा द्वितीय टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर में 213 मरीजों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्रीनिवास नगर रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन लिंगोजीगुडा के सहयोग से 166वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर करमनघाट चौराहा स्थित मास्टरमाइंड स्कूल लिंगोजीगुडा में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको. बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सुविधा उपलब्ध करवाई और डॉ. दिव्या, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ संगीता, निकिता, मल्लेश्वरी, अनुषा, भानु, संजना, विपणन जगदीश कुमार ने सहयोग दिया। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई अस्पताल दोमलगुडा द्वारा 117 लोगों के नेत्रों की स्क्रीनिंग गई जिसमें 58 लोगों को चश्मे तथा 5 लोगों के लिए निशुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

अवसर पर ऑप्टोमेट्रिस्टभागवान, वारफन, प्रतीक्षा. कैंप कोऑर्डिनेटरनार्सिंग एवं कैंप प्रभारीभास्कर ने अपना सहयोग प्रदान किया। डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी ने सामान्य जांच की। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता ने तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. निखिल राज ने अपनी सेवा प्रदान की। शिविर का 213 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया।

अवसर पर शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया सहित मुख्य अतिथि लिंगोजीगुडा के पूर्व पार्षद धरपल्ली राजशेखर रेड्डी, स्थानीय भागीदार, श्रीनिवासनगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन लिंगोजिगुडाके अध्यक्ष के. जानकी रामा राव, उपाध्यक्ष सुरेश राज, कार्यकारी अध्यक्ष एम. नागेश्वर राव, सलाहकार मोहन रेड्डी. गोपाल रेड्डी, ब्रह्मचारी, कार्यकारी समिति के सदस्य येसुदास, जी. प्रभाकर. द मास्टरमाइंड स्कूल के जी. विजय रेड्डी, प्रधानाध्यापिका सरिता रेड्डी, निदेशक श्रीनिवास रेड्डी, स्वयंसेवक जितेन्द्र गोयल, पवन भुवानिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, प्रयाग चित्याल, समाजसेवी गोपाल सिंह पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

गर्मी बढ़ते ही पानी के टैंकरों की मांग में उछाल, कई इलाके प्रभावित

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में गर्मी बढ़ने के साथ ही साइबराबाद क्षेत्र में पानी के टैंकरों की मांग तेजी से बढ़ गई है। गच्चीबावली, माधापुर, निजामपेट, दुर्गम चेरुवु, हफीजपेट, मणिकोंडा और कुकटपल्ली जैसे इलाके टैंकर बुकिंग में सबसे आगे हैं। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के अधिकारियों के अनुसार, बढ़ती मांग को देखते हुए फिलिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि जल आपूर्ति को सुचारु किया जा सके। बताया गया कि फरवरी से ही टैंकर बुकिंग में तेजी आने लगी थी और वर्तमान में 5 लाख से अधिक पंजीकृत उपभोक्ताओं को टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, करीब 500 टैंकर लगातार संचालित किए जा रहे हैं।

गर्मी के कारण टैंकरों की दैनिक बुकिंग सामान्य 2,000-3,000 से बढ़कर 7,000 से 10,000 तक पहुंच गई है। जल बोर्ड के अनुसार, करीब 35 फिलिंग पंप दिन-रात काम कर रहे हैं और 10 नए पंप खोलने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। अधिकारियों ने बताया कि जिन क्षेत्रों में टैंकरों की मांग अधिक है, वहां वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देकर टैंकरों पर निर्भरता कम करने की योजना बनाई जा रही है। इस बीच, उपभोक्ताओं ने निजी टैंकर संचालकों पर मनमानी दरें वसूलने और पानी की गुणवत्ता खराब होने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि गर्मी और बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कई निजी टैंकर अशुद्ध पानी की आपूर्ति कर रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ रहा है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि निजी टैंकरों की दरों और पानी की गुणवत्ता पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

तेज रफ्तार बोरवेल रिग से टकराई बस, 10 यात्री घायल

संगारेड्डी, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नरसपुर कस्बे में रविवार को तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड़क दुर्घटना में 10 यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, संगारेड्डी जा रही एक आरटीसी बस नरसपुर बस स्टेशन में प्रवेश कर रही थी, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक बोरवेल रिग ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण बस अचानक रुक गई, जिससे दूसरी ओर से आ रहे एक बाइक सवार ने भी बस से टकरा गया। इस हादसे में बस में सवार कम से कम 10 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल नरसपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। नरसपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

नीता अंबानी के...

यह डायमंड ओल्ड माइन कट में तराशा गया है, जो 18वीं-19वीं सदी में प्रचलित था। उस समय कटिंग का उद्देश्य हीरे की चमक से ज्यादा उसकी प्राकृतिक खूबसूरती और गहराई को बनाए रखने का होता था। रोज- कट की खासियत इसका फ्लैट बेस और ट्रायंगल फेसेट्स होते हैं, जो इसे एक सॉफ्ट, कैंडल लाइट ग्लो देते हैं।

इसका मतलब है कि यह तेज चमक नहीं देता, लेकिन रॉयल फील दिखा जाता है। ऐसे बड़े आकार में रोज- कट मिलना बेहद दुर्लभ है क्योंकि उस डायमंड को शेंप देना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण था। यही वजह है कि यह पीस अपने आप में वन ऑफ ए काइंड है। इस हैवी नेकपीस को बैलेंस करने के लिए मिसेज अंबानी ने पिंक पियर सॉलिटेयर डायमंड रिंग पहनी, जो बेहद एलिगेंट वाइब्स दे रही है। इसके मिनिमल डिजाइन ने पूरे लुक में सॉफ्ट ब्रिलियंस जोड़ी, तो एक हाथ में डायमंड स्टेडेड घड़ी और दूसरे में कंगन पहनने वाला अंदाज भी क्लासी लगा। इसे फाइनल टच उन्होंने नेकलेस से मैचिंग इयररिंग्स पहनकर दिया। जिसमें बसरा पर्ल्स को तीन अलग-अलग लाइन्स में लगाया, जो वैसे तो छोटे साइज में होते हैं, लेकिन यहां सेंटर वाले पर्ल जैसा साइज काफी यूनिक है। जो नीता अंबानी के लुक की खासयित है।

टीएमसी की...

पीएम मोदी ने सत्ता धारी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज की सबसे बड़ी पीड़ित हमारी बहनें और बेटियां हैं। बहनों के साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ है, इसलिए इस बार सबसे अधिक गुस्सा बहनों में ही दिख रहा है। संदेशखाली में बहनों के साथ गुंडे अन्याय करते रहे। टीएमसी की निर्मम सरकार गुंडों का साथ देती रही।

यहां बहनों को ही गाली दी गई। बंगाल के भाइयों और बहनों, इसे कभी भी भूलना नहीं है।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान भाजपा की योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा- भाजपा सरकार में यहां बंगाल की बहनों को अपनी बीमारी का इलाज टालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी सरकार आपको पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देगी। जन औषधि केंद्र पर 80 प्रतिशत डिस्काउंट पर दवा दी जाएगी। ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच और टीका मुफ्त लगाया जाएगा। साथ ही गर्भावस्था के दौरान 21,000 और ग्रेजुएशन के लिए बेटियों को 50,000 की मदद भाजपा सरकार देने वाली है। यानी बेटियों की पढ़ाई और दवाई, इसकी चिंता भाजपा सरकार करेगी। बंगाल की भाजपा सरकार हर साल 36,000 बहनों के खाते में जमा करेगी। आंगनवाड़ी हो, अन्य महिला हेल्थ वर्कर हो, उनके वेतन को लेकर बंगाल भाजपा ने बड़ी घोषणा की है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुजरात ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया

सुदर्शन ने 87 रन बनाए, गायकवाड की फिफ्टी काम नहीं आई

चेन्नई , 26 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने IPL 2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराकर सीजन की चौथी जीत दर्ज की। गुजरात 8 मैच में 4 जीत और 4 हार के साथ पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं चेन्नई 3 जीत और 5 हार के साथ छठे स्थान पर हैं। रविवार को एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। टीम की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक 4 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 60 गेंदों पर नाबाद 74 रन बनाकर पारी संभाली। शिवम दुबे ने 22 रन बनाए।गुजरात के लिए कगिसो रबाडा ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मोहम्मद सिराज, मानव सुथार और अरशद खान को 1-1 विकेट मिला।

159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 162 रन बनाकर टारगेट हासिल किया। साई सुदर्शन ने 46 बॉल पर 87 रन बनाए। जोस बटलर ने 30 बॉल पर 39 रन बनाए। शुभमन गिल ने 33 रन का योगदान दिया। चेन्नई से नूर अहमद और अकील हुसैन को एक-एक विकेट मिला।

सैमसन आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 5000 रन बनाने वाले तीसरे खिलाडी

टी20 में रबाडा का तीसरी बार बने शिकार

चेन्नई, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में सबसे कम गेंदों में पांच हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने सुरेश रैना और महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया।

सीएसके का सामना चेपॉक स्टेडियम में रविवार को गुजरात से हुआ। इस मुकाबले में सैमसन दो चौकों की मदद से सिर्फ 11 रन बना पाए, लेकिन वह आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इतना ही नहीं वह यह कारनामा सबसे कम गेंदों में करने वाले तीसरे बल्लेबाज भी बन गए। सबसे कम गेंदों में आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम है, जिन्होंने 3288 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरे स्थान पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 3554 गेंदों का सहारा लिया। वहीं, तीसरे स्थान पर

संजू सैमसन हैं, जिन्होंने 3555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर क्रमशः सुरेश रैना (3620 गेंदें), केएल राहुल (3688 गेंदें) और महेंद्र सिंह धोनी (3691 गेंदें) हैं।

टी20 में रबाडा ने तीसरी बार सैमसन को भेजा पवेलियन

गुजरात को पहली सफलता कगिसो रबाडा ने दिलाई। उन्होंने संजू सैमसन को चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर जोस बटलर के हाथों कैच कराया। टी20 क्रिकेट की पांच पारियों में ऐसा तीसरी बार हुआ है, जब रबाडा ने सैमसन को पवेलियन की राह दिखाई है। 28 गेंदों में सैमसन इस गेंदबाज के खिलाफ 37 रन बना पाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 132.14 का रहा है।

41 की उम्र में भी खुद को किस तरह फिट रखते हैं रोनाल्डो? इन चीजों से करते हैं परहेज

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 41 की उम्र में अपनी फुर्ती से कई युवा खिलाड़ियों को मात दे देते हैं। वह अपने खेल का स्तर शीर्ष पर बनाए रखे हैं। इस फिटनेस का राज उनकी अनुशासित दिनचर्या और सख्त डायट में छुपा है।

दूध को डायट से रखते हैं दूर

रोनाल्डो अपनी डायट से दूध को पूरी तरह बाहर रखते हैं। वह प्रोटीन, सब्जियों और हैल्दी फैट्स पर जोर देते हैं। वहीं, चीनी और आटे से बनीं चीजों से परहेज करते हैं। उनके पूर्व निजी शेफ जियोर्जियो बारोने के अनुसार, रोनाल्डो के डाइट से दूध को न सिर्फ परफॉर्मेंस के कारण बल्कि मान्याताओं के चलते पूरी तरह हटा दिया गया है। वह कहते हैं, इंसान ही है जो दूसरे जानवरों का दूध पीता है। कोई भी अन्य जानवर तीन महीने के बाद दूध नहीं पीता। यह प्रकृति में कहीं नहीं पाया जाता। लेकिन इंसान 30, 40, 50 और 60 साल की उम्र तक दूध पीते रहते हैं और मेरे विचार में यह गलत है। रोनाल्डो थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाते हैं, लेकिन जोर हमेशा हेल्दी चीजों पर रहता है।

रोनाल्डो की डायट

नाश्ते में : एवाकाडो, कॉफी,

अंडे, हैम और फल।

लंच में: चिकन, मछली, ऑलिव्स, सलाद (वह सब्जियों से कार्बोहाइड्रेट्ज लेते हैं)।

डिनर में : मछली या मीट और हरी सब्जियां (आटे से बनी चीजें, पास्ता, ब्रेड उनकी डायट का हिस्सा नहीं)।

नींद और बर्फीले पानी से नहाने को प्राथमिकता

दूध को प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन्स से भरपूर सुपर ड्रिंक माना जाता है, फिर भी रोनाल्डो ने इसे पूरी तरह अपने जीवनशैली से बाहर रखा है। इससे उनके शरीर में फैट का स्तर 10 प्रतिशत से नीचे बना रहता है और वह फिट रहते हैं। उनका रूटीन सिर्फ खाने तक सीमित नहीं, वह रिकवरी के तरीकों जैसे नींद और बर्फ के पानी से नहाने को भी प्राथमिकता देते हैं।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आया लुंगी एनगिडी का रिएक्शन, चोट को लेकर क्या बोले गेंदबाज?

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके लिए दुआएं करने वालों को धन्यवाद कहा और बताया कि अब उनकी हालत ठीक है।

कैसे हुआ हादसा?

दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल हो गए थे। यह हादसा पंजाब की पारी के तीसरे ओवर में हुआ। मिड-ऑफ से दौड़ते हुए कैच लेने की कोशिश में एनगिडी संतुलन खो बैठे और गिरते समय उनके सिर का पिछला हिस्सा जमीन से जोर से टकरा गया। चोट इतनी गंभीर थी कि तुरंत फिजियो को मैदान पर बुलाना पड़ा। मेडिकल टीम ने एहतियातन उनके गले में नेक ब्रेस लगाया और स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल भेजा गया। राहत की बात यह रही कि इलाज के दौरान वह होश में थे और डॉक्टरों से बातचीत भी कर रहे थे। एनगिडी को मैच के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब उन्हें छुट्टी दे दी गई है। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान उनके सिर और गर्दन के पिछले हिस्से में चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। टीम के अनुसार, उनकी हालत अब स्थिर है और फिलहाल कोई खतरा नहीं है। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ समय आराम करने की सलाह दी है।

'मुझे तुम्हारे सारे राज पता हैं', ईशान किशन ने दी वैभव को धमकी! फिर भी भारी पड़े आरआर के बल्लेबाज

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद ने भले ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को जयपुर में खेला गया आईपीएल मुकाबला जीत लिया, लेकिन इस मैच में राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने धमाकेदार प्रदर्शन से विपक्षी टीम के गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। मैच के बाद ईशान किशन ने वैभव के साथ मजेदार बातचीत का खुलासा किया।

'मुझे तुम्हारे सारे राज पता हैं'

हैदराबाद की जीत के बाद किशन ने बताया कि उन्होंने 15 वर्षीय सूर्यवंशी से हंसते हुए कहा था कि वे उनकी टीम पर थोड़ा रहम करें क्योंकि उन्हें उनके सारे राज पता हैं। लेकिन किशन की इस बात का असर मैदान पर नहीं दिखा। सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाजी जारी रखते हुए सिर्फ 36 गेंदों में शतक जड़ दिया और राजस्थान को 228 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी पर क्या बोले किशन?

मैच के बाद बातचीत में किशन ने कहा कि अगर सूर्यवंशी कुछ और देर क्रीज पर टिक जाते, तो स्कोर 250 के पार भी जा सकता था। उन्होंने माना कि उनका विकेट हैदराबाद के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। किशन ने कहा, 'वो जिस तरह बल्लेबाजी कर रहा है, उसे देखकर कभी-कभी डर लगता है कि स्कोर कितना बड़ा हो सकता था। इसलिए उसका विकेट लेना हमारे लिए बहुत जरूरी था। 228 का स्कोर 258 भी हो सकता था। मैंने उससे मजाक में कहा जब तुम हमारे खिलाफ खेलो तो थोड़ा आसान खेलना, मुझे तुम्हारे सारे सीक्रेट्स पता हैं।'

नंबर-तीन पर किशन की सोच

इस मैच में किशन ने खुद भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 गेंदों में 74 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ 132 रनों की साझेदारी की। उनकी इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। किशन ने नंबर-तीन पर बल्लेबाजी को लेकर अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य बाकी बल्लेबाजों का काम आसान बनाना होता है। उन्होंने कहा, 'अगर आप सेट हो जाते हैं, तो आपको बड़ा स्कोर बनाना चाहिए और अंत तक खेलना चाहिए। इससे दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव कम होता है। मेरी सोच बस यही है कि चीजों को सरल रखा जाए और एक-एक मैच पर ध्यान दिया जाए।'

गलतियों से सीखने पर फोकस

किशन ने यह भी माना कि उन्होंने अपने करियर में कई गलतियां की हैं और अब उनका फोकस उन्हें दोहराने से बचना है। उन्होंने कहा, 'यह टीम गेम है। जब आप अच्छा खेलते हैं, तो बाकी खिलाड़ी भी उससे सीखते हैं। मैंने भी कई गलतियां की हैं, इसलिए मेरी कोशिश रहती है कि उन्हें दोहराऊं नहीं, हालांकि इस मैच में अंत में मुझसे फिर एक गलती हो गई।'

रियान पराग की फॉर्म से चिंतित नहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, जल्द बड़ी पारी खेलने की उम्मीद जताई

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि कप्तान रियान पराग का आईपीएल के वर्तमान सत्र में पहले आठ मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेंगे। भारतीय टीम के नियमित खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी के लिए रियान का चयन चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने आठ मैचों में 112.82 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 88 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 20 है।

राठौड़ बोले- रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं

राठौड़ ने कहा, रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं है। वह अभ्यास के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी खेल में ऐसा ही होता है। कभी-कभी आप ऐसे दौर से गुजरते हैं जहां आप उतने रन नहीं बना पाते जितने बनाना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह खेल का हिस्सा है। वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। मुझे पूरा यकीन है। हम उनकी बल्लेबाजी को लेकर चर्चा कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी (234 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 357 रन), यशस्वी जायसवाल (153 के स्ट्राइक रेट से 255 रन) और ध्रुव जुरेल (130 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन) के शानदार प्रदर्शन के सामने रियान का प्रदर्शन फीका पड़ जाता है। वह रवींद्र जडेजा (132) और डोनोवन फरेरा (130) से भी पीछे हैं।

उबेर कप में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराया डेनमार्क से हार के बाद वापसी की

सिंधु-तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला

उन्नति हुड्डा

डेनमार्क, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। डेनमार्क के होर्सेंस में खेले जा रहे उबेर कप 2026 में भारतीय महिला टीम ने अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप-A के अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी।

पहले मैच में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी की। इस जीत के साथ ही भारत अब सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन चीन से भिड़ेगा, जो क्वार्टर फाइनल की राह तय करने के लिए बेहद अहम होगा।

उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने अपने- अपने मैच जीते

भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया।

देविका सिहाग ने पक्की की जीत

इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला।

देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

डबल्स में मिला-जुला रहा प्रदर्शन, सिंधु-तनीषा की जोड़ी जीती

भारत को इकलौती हार पहले महिला डबल्स मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी यूक्रेन की बुहरोवा और कांटेमिर के सामने नहीं टिक सकी और 11-21, 17-21 से मैच हार गई।

हालांकि, आखिरी मैच में पीवी सिंधु और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने भारत का दबदबा कायम रखा। उन्होंने सोफिया लावरोवा और स्टोलियारेन्को को 21-18, 21-15 से हराकर स्कोरलाइन 4-1 कर दी।

अब चीन से टक्कर, क्वार्टर फाइनल के लिए जीत जरूरी

यूक्रेन पर जीत के बाद अब भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ग्रुप-A में भारत का अगला और आखिरी मुकाबला सोमवार को चीन से होगा। चीन इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है।

भारत को नॉकआउट स्टेज यानी क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए चीन के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट के नियमों के मुताबिक, ग्रुप की टॉप दो टीमें ही अगले दौर में पहुंचेंगी।

वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हुए कमिंस, जमकर की इस बल्लेबाज की सराहना; बोले- मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले 15 साल के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेशक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक डेब्यू नहीं किया है। लेकिन, आईपीएल और अंडर-19 और भारत ए के लिए खेलते हुए अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पूरी दुनिया में अपने प्रशंसक बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान संभाल रहे पैट कमिंस सूर्यवंशी के नए फैन बॉय बन गए हैं।

सनराइजर्स के खिलाफ वैभव ने जड़ा था शतक

आईपीएल 2026 में शनिवार को शाम का मुकाबला जयपुर में राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया।

सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। राजस्थान के लिए पारी की शुरुआत करने आए वैभव सूर्यवंशी ने 36 गेंदों पर शतक लगा दिया। वैभव ने 37 गेंदों की अपनी पारी में 12 छक्के और पांच चौके लगाते हुए 103 रन की पारी खेली। इसी पारी की बदौलत राजस्थान 228 रन बना सकी। सनराइजर्स ने पांच विकेट पर 229 रन बनाकर नौ गेंद शेष रहते हुए मैच पांच विकेट से जीत लिया।

सनराइजर्स ने बेशक मैच जीत लिया था, लेकिन वैभव ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी टीम के कप्तान पैट कमिंस को अपना फैन बना लिया। कमिंस ने कहा, वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। उन्हें बल्लेबाजी करते देखना काफी शानदार और मनोरंजक है। वह बहुत शानदार है। उनके करियर की शानदार शुरुआत हुई है और उन्हें बहुत आगे जाना है। उनमें अकेले दम पर मैच छीन लेने की क्षमता है।

आईपीएल 2026 में कमिंस ने खेला पहला मैच

पैट कमिंस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बड़े, सफल और सम्मानित कप्तान के रूप में जाने जाते हैं। उनकी प्रशंसा वैभव के लिए निश्चित रूप से उत्साहजनक है। कमिंस ने शनिवार को आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेला। उनकी टीम में मौजूदगी ने निश्चित तौर पर सनराइजर्स की गेंदबाजी को मजबूत किया है। राजस्थान के खिलाफ कमिंस ने चार ओवर में मात्र 27 रन देकर कप्तान रियान पराग का विकेट लिया था।

सेबेस्टियन सावे के नाम विश्व रिकॉर्ड, दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले पहले पुरुष एथलीट

केन्या, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्या के सेबेस्टियन सावे ने रविवार को लंदन मैराथन 2026 में इतिहास रच दिया। उन्होंने इस मैराथन को पूरा करने के लिए 1 घंटा, 59 मिनट और 30 सेकंड का समय लिया, और दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले पहले पुरुष एथलीट बन गए। 31 वर्षीय सावे ने 2:00:35 के पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिसे दिवंगत केल्विन किपटम ने 2023 शिकागो मैराथन में बनाया था।

दूसरे स्थान पर कौन?

दूसरे स्थान पर इथियोपिया के योमिफ केजेलचा रहे, जिन्होंने 1:59:41 का समय लिया। वे भी दो घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने में सफल रहे, जबकि युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 2:00:28 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने 2:15:41 के समय के साथ महिलाओं के वर्ग में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले साल लंदन में मैराथन को 2:15:50 में पूरा करके रिकॉर्ड बनाया था। केन्या की हेलेन ओबिरी और जॉयसिलिन जेपकोसगेई क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

शुरुआत से ही रोमांच चरम पर था

शुरुआत से ही यह दौड़ कुछ खास होने का संकेत दे रही थी। आगे चल रहे धावकों के समूह में सावे, केजेलचा, तीन बार के विश्व क्रॉस-कंट्री चैंपियन जैकब किप्लिमो, ओलंपिक चैंपियन तमिरात टोला, 2022 लंदन मैराथन विजेता आमोस किप्रुतो और डेरेसा गेलेटा शामिल थे। आगे चल रहे छह धावकों का यह समूह अगले 10 किलोमीटर तक भी एक साथ दौड़ता रहा, लेकिन 30 किमी (1:26:03) तक पहुंचते-पहुंचते इन सभी के बीच अंतर बढ़ गया। तेज गति से दौड़ने का असर उन पर दिखने लगा था।

दौड़ का निर्णायक चरण 30 किमी और 35 किमी के बीच आया। 13:54 के 5 किमी स्प्लिट के साथ सावे और केजेलचा आगे निकल गए और किप्लिमो को पीछे छोड़ दिया। किप्लिमो तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद आगे चल रहे दोनों धावकों ने फिर से अपनी गति बढ़ाई और अगले 5 किमी का सफर 13:42 में तय किया, जिससे हर कदम के साथ दो घंटे से कम समय में दौड़ पूरी करने की संभावना बढ़ती गई।

महिलाओं की दौड़ में किसने मारी बाजी?

महिलाओं की दौड़ में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसकी अगुवाई मौजूदा चैंपियन टिगस्ट असेफा ने की। असेफा, दो बार की बोस्टन और न्यूयॉर्क चैंपियन हेलेन ओबिरी, 2021 लंदन मैराथन विजेता जॉयसलाइन जेपकोसगेई और कैथरीन रेलिन अमानंग'ओले के चार धावकों के समूह ने दौड़ की शुरुआत में ही तेज गति पकड़ ली।

उन्होंने 5 किमी का सफर 15:39 (2:12:02 की गति) में और 10 किमी का सफर 31:03 में तय किया, और बाकी धावकों से काफी आगे निकल गईं।

बैडमिंटन के नए नियम पर रार: विमल कुमार बोले- इससे खेल कमजोर होगा

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय बैडमिंटन कोच विमल कुमार ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के नए 3x15 स्कोरिंग सिस्टम को शुरू करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि नए नियम से खेल कमजोर होगा। कुमार ने काउंसिल मेंबर्स से इस प्रस्ताव को मिले सपोर्ट पर चिंता जताई।

बीडब्ल्यूएफ पर साधा निशाना

विमल कुमार ने कहा, बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव करने के फैसले से बहुत निराश हूं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि काउंसिल मेंबर्स से इसे जबरदस्त समर्थन मिला है। मौजूदा फॉर्मेट ने सभी खेलने के स्टाइल में, खासकर मेन इवेंट्स—पुरुष और महिला एकल में एक जैसा मौका सुनिश्चित

लक्ष्य सेन के साथ विमल कुमार

किया। स्किल, लचीलापन, फिटनेस और मेंटल स्ट्रेंथ हमेशा हमारे खेल की खासियत रही है। अवधि को असरदार तरीके से कम करके बीडब्ल्यूएफ इन इवेंट्स को कमजोर करने का जोखिम उठा रहा है। उन्होंने कहा, यह कहना कि इससे शुरुआती उत्साह पैदा होगा छोटी सोच वाला लगता है। बैडमिंटन में एक्साइटमेंट की कभी कमी नहीं रही। इस खेल ने लगातार इंटेंसिटी है, जिसकी बराबरी बहुत कम खेल कर सकते हैं। अगर बदलाव जरूरी था, तो एकल की इंटीग्रिटी को बनाए रखते हुए, इसे चुनिंदा डबल्स फॉर्मेट में क्यों नहीं लागू किया गया? यह ज्यादा संतुलित तरीका होता।

अगले साल लागू होगा नया स्कोरिंग सिस्टम

स्कोरिंग सिस्टम के अलावा, कुमार ने इस खेल में कुछ और गहरी दिक्कतों पर भी जोर दिया, जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए पुरस्कार राशि की कमी, एकल में सीमित इनाम और अंपायरिंग के फैसलों के लिए रिव्यू सिस्टम का न होना शामिल है।

बीडब्ल्यूएफ ने गेम स्कोर करने के तरीके में एक बड़े बदलाव को मंजूरी दी। जनवरी 2027 से अपने सदस्य एसोसिएशन से काफी सपोर्ट मिलने के बाद एक नया 3x15-अंक सिस्टम इस्तेमाल किया जाएगा।

'प्रजावाणी' सेवाओं को गांव-स्तर तक विस्तार देने के निर्देश

सीएम का शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने पर जोर

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य में जनता की अर्जियों और शिकायतों के निवारण तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि 'प्रजावाणी' सेवाओं को जमीनी स्तर तक विस्तार दिया जाए, ताकि लोगों को अपने क्षेत्र में ही समाधान मिल सके। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 8 दिसंबर 2023 को सरकार संभालने के अगले ही दिन 'प्रजावाणी' कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी।

तब से हर मंगलवार और शुक्रवार महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर ही लोगों की शिकायतें लेकर त्वरित समाधान की दिशा में कार्रवाई कर रहे हैं। जिलों में भी कलेक्टरों की देखरेख में साप्ताहिक 'प्रजावाणी' आयोजित हो रही है। रविवार को एमसीएचआरडी में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव रामकृष्णा राव और सीएमओ अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूरदराज के लोगों को हैदराबाद या जिला मुख्यालय आने की जरूरत न पड़े, इसके लिए सेवाओं को और नजदीक पहुंचाया जाए। उन्होंने तत्काल रेवेन्यू डिवीजन स्तर पर 'प्रजावाणी' शुरू करने और बाद में इसे मंडल स्तर तक विस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी स्तरों पर अधिकारियों को शिकायतों के निवारण के लिए पूर्ण अधिकार देने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हर शिकायत का पंजीकरण किया जाए, संबंधित विभाग को भेजा जाए और समाधान की प्रगति की जानकारी आवेदक को दी जाए।

शिकायतों के निपटारे के लिए तय समयसीमा हो और किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने शिकायतों के पंजीकरण, ट्रैकिंग और समाधान के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने तथा जिला और राज्य स्तर पर रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रत्येक स्तर पर 'प्रजावाणी' के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, हर जिले और विभाग में अलग प्रकोष्ठ बनाने, तथा समस्या का समाधान न होने पर स्वतः उच्च स्तर पर भेजने (ऑटो एस्केलेशन) की व्यवस्था लागू करने के भी निर्देश दिए गए। आवश्यकता पड़ने पर अपील प्रणाली शुरू करने की बात भी कही गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत निवारण प्रक्रिया में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए और लंबित मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए। डैशबोर्ड के माध्यम से प्रगति की निगरानी हो तथा देरी के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि 'प्रजावाणी' सेवाओं के विकेंद्रीकरण से जिला और राज्य स्तर पर लंबित मामलों में कमी आएगी और अधिकांश समस्याएं निचले स्तर पर ही हल हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से लोगों का विश्वास बनाए रखते हुए प्रभावी सेवाएं प्रदान करने को कहा।

जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना में शामिल हुए सीएम रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने स्वयं वेबसाइट के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कराई

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में जनगणना 2027 के तहत आयोजित स्व-गणना कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भाग लिया। इस दौरान जनगणना अधिकारियों ने उन्हें सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने स्वयं वेबसाइट के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कराई। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लोगों से अपील की कि वे जनगणना में सक्रिय रूप से भाग लें और स्व-गणना प्रक्रिया को सफल बनाएं। कार्यक्रम में डायरेक्टोरेट ऑफ सेंसस ऑपरेशन्स की निदेशक भारती होलिकेरी, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन, जॉइंट प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर प्रियंका आल, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त सी.एच. प्रियंका सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तेलंगाना में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त : आपूर्ति विभाग

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से पर्याप्त है। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने रविवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 9,574 किलोलीटर पेट्रोल और 14,457 किलोलीटर डीजल की आपूर्ति की जा रही है। इस तरह कुल मिलाकर 24 हजार किलोलीटर से अधिक पेट्रोल और डीजल विभिन्न पेट्रोल पंपों के माध्यम से वाहन चालकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य में प्रतिदिन 2 लाख 22 हजार से अधिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की डिलीवरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जा रही है। पेट्रोल, डीजल और गैस आपूर्ति से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत के लिए नागरिक आपूर्ति विभाग ने टोल फ्री नंबर 1967 पर संपर्क करने की सलाह दी है।

करोड़ों की ठगी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अवैध डिजिटल मार्केटिंग स्कीम के नाम पर गोलमाल

पहले ही तीन स्थानीय एजेंट हो चुके है गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मिरचौक पुलिस स्टेशन की टीम ने एक बड़े ठगी मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी हरीश कुमार सिंगला को गिरफ्तार किया है। आरोपी गुरुग्राम (हरियाणा) का निवासी है और फॉरएवर लिविंग इम्पोर्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में कंट्री सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत था। डीसीपी चारमीनार जोन किरण खरे ने बताया कि अवैध डिजिटल मार्केटिंग स्कीम में पर लोगों को अवैध गतिविधियों में शामिल कर धोखाधड़ी कर रहा था।

वह भोले-भाले लोगों को झूठे वादों के जरिए स्कीम में शामिल कर भारी रकम वसूलता था। आरोपी सोशल मीडिया पर आलीशान जीवनशैली दिखाने वाले वीडियो पोस्ट कर लोगों को आकर्षित करता था और नए सदस्यों की भर्ती के जरिए पैसा कमाने का लालच देता था, बजाय उत्पादों की वास्तविक बिक्री के। जांच में सामने आया कि आरोपी अपने एजेंटों और मैनेजरों के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन ट्रेनिंग सत्र आयोजित कर 199, 200 और 249 रुपये तक की रजिस्ट्रेशन फीस वसूलता था। साथ ही 'स्लो ट्रैक', 'मीडियम ट्रैक' और 'फास्ट ट्रैक' जैसे पैकेजों के नाम पर लोगों को ठगता था। विशेष रूप से 18 से 24 वर्ष के युवाओं और गृहिणियों को वर्क फ्रॉम होम और पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर निशाना बनाया गया।

इस मामले में रेन बाजार, मिरचौक और मदन्नापेट पुलिस स्टेशनों में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। पहले ही मोहम्मद अकरम, मोहम्मद नौमान रजा और मोहम्मद असलम नामक तीन स्थानीय एजेंटों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 आईफोन, 1 वनप्लस मोबाइल, 1 आईपैड, 1 मैकबुक (मॉडल ए3240), फॉरएवर लिविंग उत्पाद, एक लाल रंग की मर्सिडीज बेंज कार, नोटबुक्स, ऑनलाइन ट्रेनिंग वीडियो और विभिन्न वेबसाइटों के लिंक सहित कई अहम साक्ष्य जब्त किए हैं।

साथ ही आरोपियों के खातों में लगभग 3 करोड़ रुपये फ्रीज किए गए हैं। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। यह कार्रवाई हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, अतिरिक्त आयुक्त तफसीर इकबाल, डीसीपी चारमीनार जोन किरण खरे प्रभाकर और अतिरिक्त डीसीपी एम.ए. मजीद के मार्गदर्शन में की गई। एसीपी मिरचौक डिवीजन जी. श्याम सुंदर के नेतृत्व में एसएचओ एम. कोंडल राव सहित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जल्दी अमीर बनने के लालच में मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) या इसी प्रकार की स्कीमों के झांसे में न आएं। ऐसी योजनाएं अक्सर मनी सर्कुलेशन रैकेट होती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की जानकारी मिलने पर तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

कविता के आरोपों पर सांसद मल्लू रवि का पलटवार, बयान वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बीआरएस नेता कविता के उस बयान पर कड़ा पलटवार किया, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शासन को हिटलर जैसा बताया था। मल्लू रवि ने इन टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि तेलंगाना में रामराज्य जैसा सुशासन चल रहा है, ऐसे में कविता को हिटलर शासन कैसे नजर आ रहा है। उन्होंने मांग की कि कविता अपने बयान तुरंत वापस लें और जनता के बीच जाकर सच्चाई बताएं। उन्होंने कहा कि कविता की बैठकों में आने वाले लोगों से ही वास्तविक स्थिति का पता चल सकता है। मल्लू रवि ने कहा कि कविता को नई पार्टी बनाने का अधिकार है, और पारिवारिक स्तर पर पिता-पुत्री के बीच बातचीत अलग विषय है, लेकिन मुख्यमंत्री और कांग्रेस पर इस तरह की टिप्पणी करने का उन्हें अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कविता ने बीआरएस और टीआरएस में दस वर्षों तक महत्वपूर्ण पदों का लाभ उठाया। लिकर केस में गिरफ्तारी के दौरान पार्टी की ओर से उचित समर्थन न मिलने के कारण ही वह अलग हुईं। सांसद ने सवाल उठाया कि दस साल सत्ता में रहने के बावजूद बीआरएस सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा क्यों लागू नहीं की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार यह सुविधा दे रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले केवल मोटा चावल दिया जाता था, जबकि अब सरकार बेहतर गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध करा रही है। उन्होंने यह भी पूछा कि कविता ने अपने कार्यकाल के दौरान कैबिनेट में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलने पर अपने ही नेतृत्व से सवाल क्यों नहीं किया। मल्लू रवि ने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान राज्य को कई वर्षों पीछे धकेल दिया गया।

जी. मुकुंद रेड्डी ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त का पद संभाला

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त के रूप में जी. मुकुंद रेड्डी ने आज पदभार ग्रहण किया। सरकार द्वारा जारी आदेशों के तहत वर्तमान विशेष आयुक्त सी.एच. प्रियंका के तबादले के बाद जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर रहे मुकुंद रेड्डी को इस पद पर नियुक्त किया गया है। पदभार संभालने के साथ ही मुकुंद रेड्डी ने राज्य सरकार में विशेष सचिव के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां ग्रहण कीं।

पर्यावरण कार्यकर्ता दुशर्ला सत्यनारायण पर हमले की मंत्री ने की निंदा

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वन, पर्यावरण एवं देवदाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने पर्यावरणविद और जल अधिकार आंदोलनकारी दुशर्ला सत्यनारायण पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और प्रकृति संरक्षण के प्रयासों पर हमला है। रविवार को मंत्री कोंडा सुरेखा ने हैदराबाद के निम्स अस्पताल पहुंचकर गंभीर रूप से घायल सत्यनारायण का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से उनके इलाज की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।मंत्री ने कहा कि सत्यनारायण का घायल शरीर किसी उजड़े हुए जंगल की तरह दिखाई दे रहा है, जो बेहद दुखद है। उन्होंने बताया कि सत्यनारायण ने हरित विकास और जल संसाधनों के अधिकार के लिए कई संघर्ष किए हैं और उनका योगदान अतुलनीय है। मंत्री ने नलगोंडा जिले में फ्लोरोसिस की समस्या के समाधान के लिए जल साधन समिति के संस्थापक के रूप में उनके प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि सत्यनारायण ने नलगोंडा से दिल्ली तक पदयात्राएं कर लोगों को इस गंभीर समस्या के प्रति जागरूक किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सामने फ्लोरोसिस पीड़ितों को प्रस्तुत कर उन्होंने इस समस्या की गंभीरता देश के सामने रखी थी।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत पर सख्त हुए सीएम चंद्रबाबू नायडू

अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश

अमरावती, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में पेट्रोल और डीजल की कमी तथा कई पेट्रोल पंपों के बंद होने की खबरों पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल कार्ययोजना लागू कर समस्या के समाधान के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों और समस्या के समाधान की प्रगति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इस मुद्दे पर उन्होंने मुख्य सचिव जी. साई प्रसाद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक भी की। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कुल 4,510 ईंधन केंद्रों में से करीब 421 पेट्रोल पंप आपूर्ति की कमी के कारण बंद हो गए हैं। हालांकि ईंधन की आपूर्ति में पहले की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन घबराहट में की जा रही खरीदारी (पैनिक बाइंग) के कारण कई स्थानों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। सामान्य परिस्थितियों में राज्य में प्रतिदिन औसतन 6,330 किलोलीटर पेट्रोल और 9,048 किलोलीटर डीजल की बिक्री होती है। लेकिन हालिया स्थिति में शनिवार को पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 10,345 किलोलीटर और डीजल की बिक्री 14,156 किलोलीटर तक पहुंच गई, जो 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाती है।

अधिकारियों के अनुसार, अचानक बढ़ी मांग के कारण कई पेट्रोल पंपों पर स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है। इसके अलावा, जलीय (एक्वा) क्षेत्र द्वारा ड्रम में बड़ी मात्रा में ईंधन खरीदने से भी आपूर्ति पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने और जल्द से जल्द आम जनता को राहत देने के निर्देश दिए हैं।

एम. दाना किशोर ने विशेष मुख्य सचिव का पद संभाला

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के पंचायत राज, ग्रामीण विकास और आरडब्ल्यूएस विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में एम. दान किशोर ने रविवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। सरकारी सूत्रों के अनुसार, एम. दाना किशोर पहले से ही राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं और वे इस पद की अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी आगे निभाते रहेंगे।

खुले व बिना ब्रांड वाले खाद्य तेल की बिक्री नहीं होगी : डीसीपी

व्यापारियों को 15 दिन में नियम पालन के निर्देश

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद खाद्य मिलावट निरोधक टीम (एच-एफएएसटी) ने खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए तेल निर्माताओं और सप्लायर्स को कड़े निर्देश जारी किए हैं। कमिश्नर टास्क फोर्स के डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बेगमबाजार स्थित एच-एफएएसटी कार्यालय में आयोजित जागरूकता बैठक में स्पष्ट किया कि खुले (लूज) या बिना ब्रांड वाले खाद्य तेल की बिक्री किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी केवल पैक और सीलबंद खाद्य तेल ही बाजार में बेचें और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। पैकेजिंग पर निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि, बैच नंबर, एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर और तेल का प्रकार/ग्रेड स्पष्ट रूप से अंकित होना अनिवार्य है। बैठक में उत्पादन, भंडारण और परिवहन के दौरान स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य तेल में किसी भी प्रकार की मिलावट, निम्न गुणवत्ता या हानिकारक पदार्थों के मिश्रण पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही गई। नियमों के उल्लंघन पर खाद्य सुरक्षा कानून और भारतीय न्याय संहिता के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। डीसीपी ने तेल व्यापारियों को 15 दिन का समय देते हुए कहा कि इस अवधि के भीतर सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने व्यापारियों को पारदर्शिता बनाए रखने और मुनाफे से अधिक जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की सलाह दी। यह पहल एच-एफएएसटी की ओर से खाद्य मिलावट को स्रोत स्तर पर रोकने और आम जनता तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद पहुंचाने के प्रयासों का हिस्सा है। बैठक में पुलिस अधिकारी और हैदराबाद के तेल निर्माता व सप्लायर्स उपस्थित रहे, जिन्होंने नियमों के पालन का आश्वासन दिया। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे केवल ब्रांडेड और सीलबंद खाद्य तेल ही खरीदें, उत्पाद का लेबल ध्यान से जांचें और किसी भी प्रकार की मिलावट या खुले तेल की बिक्री की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

कविता पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष का तीखा हमला

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेली स्वर्णा ने रविवार को टीआरएस की संस्थापक अध्यक्ष कविता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि कविता ने पहले अपने पिता केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुए कथित गलत कामों पर सवाल उठाए होते, तो जनता उनकी बात को गंभीरता से लेती। स्वर्णा ने कहा कि राज्य की जनता उन नेताओं को पहचानती है जिन्होंने सत्ता का दुरूपयोग कर राज्य को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के लोग कविता की राजनीति पर नजर रखे हुए हैं और वे अलग तेलंगाना की भावना का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही हैं।

कांग्रेस महिलाओं और दलितों के अधिकारों को दबा रही है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सशक्तिकरण और डॉ. अंबेडकर के आदर्शों के खिलाफ काम कर रही है। रविवार को शहर के सोमजीगुडा स्थित जया गार्डन में आयोजित अंबेडकर जयंती के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए उन्होंने यह बात कही। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को भी देखा। सभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को रोककर कांग्रेस ने करोड़ों महिलाओं और दलितों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से महिलाओं, दलितों और आदिवासी समुदाय को विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व से वंचित करती रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर बीआरएस ने भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई और जनता को गुमराह किया। रेड्डी के अनुसार, यदि संवैधानिक संशोधन सही तरीके से लागू होते, तो अनुसूचित जाति की सीटों की संख्या में बड़ा इजाफा हो सकता था।

किशन रेड्डी ने राहुल गांधी, रेवंत रेड्डी और स्टालिन पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया और कहा कि दक्षिण भारत में परिसीमन को लेकर फैलाए जा रहे दावे गलत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य सभी राज्यों में समान रूप से सीटों की संख्या बढ़ाना है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पिछड़े वर्गों की जनगणना का श्रेय पहली बार वर्तमान सरकार को जाता है। रेड्डी ने कहा कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि उन्हें पूरा भी करती है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही तेलंगाना का दौरा करेंगे, जहां 7,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं में रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, सड़कों का विस्तार और जहीराबाद औद्योगिक कॉरिडोर की आधारशिला शामिल है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

संगारेड्डी में वासवी माता जयंती धूमधाम से मनाई गई

भव्य रैली और पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी। जिले के मुख्यालय संगारेड्डी में वासावी कन्याका परमेश्वरी जयंती समारोह बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वासवी महा संस्थान के अध्यक्ष तोपाजी अनंत किशन के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरूआत सरकारी अतिथि गृह से हुई और नए बस स्टैंड, कलेक्ट्रेट होते हुए पुराने बस स्टैंड से वासवी कन्यका परमेश्वरी मंदिर तक पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय वासवी, जय जय वासवी के जयकारों से पूरे शहर का माहौल भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी शामिल हुईं। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक कुमकुमार्चन और ललिता सहस्रनाम का पाठ किया। साथ ही देवी की पालकी सेवा का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में आर्य वैश्य समाज की महिलाएं और समाज के नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए। वहीं, राज्य सरकार की ओर से कलेक्ट्रेट में भी वासवी माता जयंती आधिकारिक रूप से मनाई गई, जिसमें तहसीलदार जयराम नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीसी कर्मचारियों ने मंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 26 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार द्वारा लिए गए अहम फैसलों के बाद आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं ने रविवार को श्रम, रोजगार एवं खान मंत्री डॉ.जी विवेक वेंकटस्वामी से उनके आवास पर मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। जेएसी नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आरटीसी को सरकार में विलय कर कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव कराने और कर्मचारियों के लिए 11 प्रतिशत पीआरसी घोषित करने के निर्णय का भी उन्होंने स्वागत किया। इस दौरान आरटीसी यूनियन के नेता वेंकन्ना, थॉमस रेड्डी, अश्वधाम रेड्डी और हनुमंतु मुदिराज सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि सरकार के इन फैसलों से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे नए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवाएं दें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.